RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:302। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 23 जून 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

15 दिन बाद आगे बढ़ा मानसून

● छत्तीसगढ़ में एंट्री: राजस्थान में ओले गिरे

एमपी-यूपी में हीटवेव का अलर्ट, तमिलनाडु में बवंडर

एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना । 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटके मानसून की दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ने में मदद की है। इसके साथ ही बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। अगले कुछ दिनों में यह राज्य के बाकी जिलों को भी कवर कर लेगा। तमिलनाडु के थूथूकोडी में बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था। लेकिन ढ्रस्ठ ने सोमवार को पुष्टि करते हुए कहा कि थूथुकुडी की घटना लोकल कन्वेक्टिव वॉर्टेक्स यानी धूल का बवंडर थी। मेघालय में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी

बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में लू चल सकती है।

मानसून अटकने के कारण क्या हुआ

- **बुआई प्रभावित:** 12 जून तक कुल खरीफ बुआई सालाना आधार पर 3.9फीसदी घटकर 84.6 लाख हेक्टेयर रही।
- **फसलों पर असर:** दालों का रकबा 43.2फीसदी और कपास का 28फीसदी घटा। हालांकि, धान की बुआई में 28.4फीसदी की बढ़त दर्ज हुई।
- **राहत की बात:** जलाशयों का जलस्तर, क्षमता का 28.3फीसदी है, जो 10 साल के औसत से 16फीसदी अधिक है (सिंचाई के लिए बफर)।
- **जोखिम:** जुलाई-अगस्त की बारिश पर रिकवरी निर्भर करेगी। कमी रहने पर खाद्य महंगाई और ग्रामीण आय पर दबाव बढ़ सकता है।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

23 जून: असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मानसून के कारण ओडिशा, केरलम, कर्नाटक, तेलंगाना, कोंकण-गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारश होगी।
उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र के विदर्भ में हीटवेव रहेगी, विदर्भ के 8 जिलों में रातें भी गर्म होंगी।
राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा में प्री-मानसून एक्टिव रहने से आंधी-बारिश हो सकती है।
24 जून: असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।
मानसून के कारण सिक्किम, कोंकण-गोवा, तेलंगाना और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश होगी। आंध्र प्रदेश, मराठवाड़ा, झारखंड, ओडिशा में भी तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।
मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश और विदर्भ में लगातार तीसरे दिन हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है।

ठाणे में 251 किमी की रफ्तार से बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई

इंजन 30 मीटर दूर गिरा, पार्टी से लौट रहे 2 की मौत, एक घायल

एजेंसी

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे में बदलापुर के पास मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार डिवाइडर से टकरा गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा युवक घायल हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के कई टुकड़े हो गए। कार का इंजन हादसे वाली जगह से करीब 30 मीटर दूर जा गिरा। वहां शव भी रोड पर बिखर गए।

मृतकों की पहचान योगेश नेगी (26) और रेबेका जैकब (24) के रूप में हुई है। दोनों बांद्रा में रहते थे। घायल अंगद का कल्याण के फोर्टिस अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीएमडब्ल्यू उसी की थी।

पुलिस मृतकों की सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रही है। इसमें दुर्घटना से कुछ देर पहले कार को 251kmph तक की रफ्तार से चलाते हुए रिकॉर्डिंग की गई थी।

पुलिस को शक है कि लापरवाही से गाड़ी चलाने और स्टंट करने के कारण यह हादसा हुआ।

टक्कर के कारण कार उछली, डिवाइडर के दो हिस्सों के बीच जाकर रुकी

पुलिस के मुताबिक, मृतक

योगेश नेगी का जन्मदिन था। शनिवार शाम को अंगद, रेबेका और योगेश ने बदलापुर (पश्चिम) में बर्थडे सेलिब्रेट किया। फिर एक्सप्रेस वे की ओर कार लेकर निकल पड़े।

पुलिस को 9,000 रुपए का एक बिल मिला है। एक्सप्रेस वे पर गाड़ियों की आवाजाही रोकने के लिए कई जगहों पर कॉन्क्रीट बैरिकेड लगाए गए हैं।

पुलिस को शक है कि तेज रफ्तार में गाड़ी चलाते समय अंगद ने शायद बैरिकेड से बचने की कोशिश की और कार से कंट्रोल खो दिया और बीच वाले डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के कारण कार उछल गई और डिवाइडर के बीच गैप में जाकर रुकी।

पश्चिम बंगाल बजट

1 लाख सरकारी नौकरियों, 20 फीसदी डीए बढ़ोतरी और नए एयरपोर्ट-डीप सी पोर्ट की घोषणा

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को 2026-27 के लिए 4.38 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें पश्चिम बंगाल में सामाजिक कल्याण और उद्योग-आधारित बुनियादी ढांचे के विकास पर दोहरे फोकस की रूपरेखा तैयार की गई। आजादी के बाद राज्य में पहली भाजपा सरकार का पहला बजट पेश करते हुए दासगुप्ता ने कहा कि सभी मौजूदा कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए अधिक सख्त लक्षित व्यवस्था अपनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार को 8.15 लाख करोड़ रुपए से अधिक का संचित कर्ज विरासत में मिला है। बेरोजगारी से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने

घोषणा की, 'मैं विभिन्न सरकारी विभागों में एक लाख खाली पदों को भरने का प्रस्ताव करता हूं और नए पदों में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिए होगा। इनमें से 1,00,000 पदों में 20,000 पुलिस विभाग के लिए, 50,000 राज्य संचालित स्कूलों में शिक्षकों के लिए और शेष 30,000 अन्य विभागों के लिए होंगे। जहां आवश्यक होगा, वहां अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण होगा।

' विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि को 70 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देते हुए दासगुप्ता ने महंगाई भत्ते में 20 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इसे 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत किया जाएगा, जो 1 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। सिविक वॉलंटियर्स के मानदेय में भी 2,000 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी की जाएगी।

दासगुप्ता ने कहा-

'नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूदा दबाव को कम करने के लिए कल्याणी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाना जरूरी है। नया एयरपोर्ट 1,500 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा और राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट के लिए सही जमीन की पहचान करेगी। पूर्वी मिदनापुर के दादानपात्राबार में डीप-सी पोर्ट पीपीपी मॉडल के तहत बनाया जाएगा।'

हिम्मत है तो बागी सांसद इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव का सामना करें : आदित्य ठाकरे

राजनीतिक विरोधियों में विपक्ष से डर का माहौल दिखाई दे रहा है।

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र की राजनीति में कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर सियासी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक आदित्य ठाकरे, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बागी सांसदों और दलबदल की राजनीति पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश के सम्मान का मुद्दा उठाया है। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक व पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने उन सांसदों पर निशाना साधा, जिन्होंने कथित तौर पर पार्टी छोड़कर

दूसरी राजनीतिक राह चुनी है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जिन सांसदों ने पाला बदला है, उन्हें अपने पद से इस्तीफा देकर जनता के बीच दोबारा जाना चाहिए। आदित्य ठाकरे ने चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन और नेतृत्व में चुनाव लड़ना चाहते हैं, तो जनता का सामना करें। उनका दावा था कि उनकी पार्टी ने लोगों का विश्वास और दिल जीता है तथा जनता चुनाव के जरिए अपनी राय स्पष्ट कर देगी। आदित्य ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों में विपक्ष से डर का माहौल दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पहले सांसदों को साथ ले जाने की कोशिश की जा रही है और आगे चलकर विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

जयपुर में जैश-ए-मोहम्मद की महिला स्लीपर सेल गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने राजधानी जयपुर में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से कथित रूप से जुड़ी एक महिला को गिरफ्तार किया है। यह महिला पिछले कई महीनों से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में थी। वह सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों और कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में थी। मिलिट्री इंटेलिजेंस से प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में एटीएस ने बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा (37) को जयपुर के वाटिका क्षेत्र से हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया।

छिंदवाड़ा में बैतूल हाईवे पर पिकअप और ट्रक में टक्कर

पांच की मौत, 20 घायल

एजेंसी

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की ट्रक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना तेज था कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान 5 लोगों की मौत की बात सामने आ रही है, जबकि 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी और जिला अस्पताल भेजा गया है। सिविल सर्जन सुशील दुबे ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि अभी तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मरने वालों में तीन महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं, पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। जैसे ही हम लोगों को हादसे की जानकारी हुई, हमारी टीम इलाज के लिए तुरंत पहुंची थी।

उन्होंने बताया कि सभी मजदूर मछेरा गांव के बताए जा रहे हैं। ये लोग कहां जा रहे थे और हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है, साथ ही घालयों से भी पूछताछ

की जाएगी, जिससे मामले की सही जानकारी मिल सके। सिविल सर्जन सुशील दुबे ने बताया कि इसमें से एक मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसको नागपुर रेफर किया जाएगा। घालयों और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है, जिससे ही उनके परिजन आ जाएंगे आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद है।

कृषि अर्थशास्त्री एसएस जौहल से मिले नितिन नवीन

फसल विविधीकरण पर हुई चर्चा

एजेंसी

लुधियाना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब दौर के आखिरी दिन सोमवार को लुधियाना में प्रसिद्ध कृषि अर्थशास्त्री और पद्म भूषण अवॉर्डी डॉ. सरदारा सिंह जौहल से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान पंजाब की कृषि व्यवस्था, किसानों से जुड़े मुद्दों, फसल विविधीकरण और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। तीन दिवसीय पंजाब दौरे पर आए नितिन नवीन ने आज डॉ. सरदारा सिंह जौहल से मुलाकात कर कृषि क्षेत्र से जुड़े अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया। नितिन नवीन ने कहा कि डॉ. सरदारा सिंह जौहल देश के प्रमुख कृषि अर्थशास्त्रियों में से एक हैं। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के चेयरमैन के रूप में उन्होंने देश की कृषि नीति को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने फसल विविधीकरण और कृषि सुधारों को लेकर भी अहम योगदान दिया है। बैठक के दौरान पंजाब में

किसानों के सामने आ रही चुनौतियों, पारंपरिक खेती पर बढ़ते दबाव, फसल विविधीकरण की जरूरत और कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने के मुद्दों पर चर्चा हुई। नितिन नबीन ने कहा कि पंजाब की अर्थव्यवस्था में कृषि की अहम भूमिका है और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीति और दूरदर्शी सोच की जरूरत है। इस मुलाकात के दौरान पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और प्रदेश महासचिव अनिल सरीन भी मौजूद रहे।

लखनऊ की कोचिंग में आग

15 मौतें, इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स

एजेंसी

लखनऊ। अलीगंज स्थित एक बिल्डिंग में आग लगने से कोचिंग पढ़ने व एनीमेशन कोर्स करने वाले 15 बच्चों की जलकर मौत हो गई। कई बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जान बचाने के लिए चार-पांच बच्चे बिल्डिंग से कूदने से गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा छोड़कर वापस लौट आए और घटनास्थल का मुआयना किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। उधर रक्षामंत्री एवं राजधानी के सांसद राजनाथ सिंह भी लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं।

अवैध बिल्डिंग, निकलने का दूसरा रास्ता तक नहीं

बल्डिंग से बाहर निकलने का दूसरा रास्ता तक नहीं था। तीनों तरफ अन्य इमारतें बनी हैं। स्पष्ट है कि बिल्डिंग अवैध है। यही वजह है कि आग लगने पर वहां फंसे लोगों को बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला। वहां फंसे पांच-छह लोग किसी तरह खिड़की का कांच तोड़कर बाहर निकले।

40 मिनट बाद पहुंची दमकल की टीम

आसपास के लोगों में घटना को लेकर काफी आक्रोश था। उनका कहना था कि हादसे के करीब 40 मिनट बाद दमकल की टीम पहुंची। तब तक आग पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले चुकी थी। जब आग पर काबू पाया गया, तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। राजधानी में दमकल के इतनी देर से पहुंचने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

घटनास्थल पहुंचे सीएम योगी, घायलों से मिले

सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम रद्द किये। राहत कार्यों का जायजा लिया और घायलों को बेहतर इलाज की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रपति और पीएम ने जताया शोक

लखनऊ में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतृप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती हूं।- **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल जल्द से जल्द ठीक हों। बचाव कार्य चल रहा है और अधिकारी हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल :4 साल में दूसरी टूट

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पार्टी बदलने का ऐलान किया।

इस दौरान शिंदे ने कहा- जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब छक्के लग चुके हैं। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने ङ्क्ष पर लिखा- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित

कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया। 6 सांसदों के शामिल होने के बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। वहीं उद्धव गुट में 9 में से सिर्फ 3 सांसद बचे हैं। 2022 के बाद शिवसेना में दूसरी बार टूट हुई।

उद्धव की बैठक में 4 विधायक नहीं पहुंचे

इससे पहले उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (MLC) के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में उद्धव गुट के 4 विधायक निजी कारणों से नहीं पहुंचे। पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनाव में 288 में 20 सीटें जीती थीं। उद्धव ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा- उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे। वहीं पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। इससे पहले संजय राउत ने X पर बताया था कि उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान वे बागी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। जारी शेड्यूल के अनुसार, उद्धव 27 जून को यवतमाल, वाशिम और हिंगोली जाएंगे। 28 जून को परभणी और धाराशिव का दौरा करेंगे। 29 जून को शिर्डी पहुंचेंगे।

बापोड़ में शराबबंदी कानून पर सवाल, खुलेआम फल-फूल रहा अवैध शराब कारोबार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद वडोदरा के बापोड़ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके के कुछ स्थानों पर देसी और विदेशी शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है, जिससे क्षेत्र का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार शाम होते ही कथित रूप से शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। इससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि यदि अवैध गतिविधियां खुलेआम संचालित हो रही हैं तो संबंधित एजेंसियों द्वारा प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अवैध शराब कारोबार के कारण सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा है और आमजन में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। अब लोगों की निगाहें वडोदरा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य के गृह विभाग पर टिकी हैं।

वडोदरा में सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार से धुआं निकलने के बाद पूरी कार आग की लपटों में घिर गई और जलने लगी। यह भयानक मंजर देखकर आस-पास के स्थानीय लोगों और वाहन चालकों में काफी डर और दहशत फैल गई। अचानक धुआं निकला और कार आग की लपटों में घिर गई मिली जानकारी के अनुसार, वडोदरा के व्यस्त इलाके में सड़क के किनारे एक कार खड़ी थी। अचानक कार के बोनट से काला धुआं निकलने लगा। इससे पहले कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते, पूरी कार ने पल भर में आग का रूप ले लिया और बड़ी-बड़ी लपटें उठने लगीं। किस्मत से, चूंकि कार खड़ी थी और अंदर कोई नहीं था, इसलिए एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग लगने की वजह का अभी ऑफिशियली पता नहीं चला है, लेकिन अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि यह हादसा शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ। फायर ब्रिगेड ने समय पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। कार में आग लगने की घटना की जानकारी आस-पास के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए, वडोदरा फायर ब्रिगेड की टीम कुछ ही मिनटों में काफिले के साथ मौके पर पहुंच गई। फायरफाइटर्स ने तुरंत पानी डाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फायर ब्रिगेड की समय पर कार्रवाई की वजह से आग को आस-पास के इलाके में फैलने से रोक दिया गया,

हिम्मतनगर हाईवे पर प्राइवेट लग्जरी बस का भयानक एक्सीडेंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। रविवार देर रात हिम्मतनगर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे 48 पर कटवाड़ के पास एक भयानक एक्सीडेंट हुआ। सूरत से जोधपुर जा रही एक प्राइवेट लग्जरी बस उस समय एक्सीडेंट का शिकार हो गई जब उसकी टक्कर किसी अनजान गाड़ी से हो गई। इस एक्सीडेंट में बस ड्राइवर समेत कुल सात यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। 25 मिनट के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद ड्राइवर को बाहर निकाला गया। एक्सीडेंट इतना भयानक था कि बस का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया, जिससे बस ड्राइवर केबिन में फंस गया और उसका पैर क्लच के नीचे कुचल गया। घटना की सूचना मिलते ही हिम्मतनगर फायर डिपार्टमेंट की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर ऑफिसर मयंक पटेल ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि यह घटना रविवार रात करीब 2:45 बजे हुई। फायर टीम ने कप मशीन से बस की बॉडी को काटा और काफी मशक्कत के बाद 25 मिनट में ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे से हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से सभी 7 घायल यात्रियों को तुरंत 108 एम्बुलेंस से इलाज के लिए हिम्मतनगर के सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

वडोदरा के तंदलजा में फूड डिपार्टमेंट की रेडः 'पिक एंड ईट' दुकान नियमों की धज्जियां उड़ा रही थी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी वडोदरा के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तंदलजा इलाके में मकरंद देसाई रोड पर रेड मारी है। फूड डिपार्टमेंट की टीम ने मकरंद देसाई रोड पर अल मक्का में दुकान नंबर-22 पर चल रही 'पिक एंड ईट' नाम की दुकान पर अचानक रेड मारी। इस रेड के दौरान पता चला कि दुकान में फ्रोजन नॉन-वेज फूड की बिक्री को लेकर गंभीर लापरवाही और नियमों का पूरी तरह से उल्लंघन किया जा रहा था। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि दुकानदार फ्रोजन नॉन-वेज फूड के सीलबंद पैकेट तोड़कर खुलेआम बेच रहा था। नियमों के मुताबिक, फ्रोजन फूड पैकेट को इस तरह खुला नहीं बेचा जा सकता, क्योंकि इससे बैक्टीरिया और फूड पॉइजनिंग का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इस गंभीर लापरवाही के लिए फूड डिपार्टमेंट ने दुकानदार को सख्त हिदायत दी है और पैकेट तोड़कर न बेचने का लीगल नोटिस जारी किया है। नियमों का उल्लंघन यहीं खत्म नहीं हुआ। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट के नियमों के मुताबिक, हर फूड सेलर के लिए यह ज़रूरी है कि वह अपना सरकारी लाइसेंस दुकान में इस तरह दिखाए कि कस्टमर उसे देख सकें। लेकिन अधिकारियों की जांच में पता चला कि 'पीक एंड ईट' दुकान में ऐसा कोई लाइसेंस नहीं दिखाया गया था। लाइसेंस पब्लिक न करने पर एडमिनिस्ट्रेशन ने दुकानदार को सख्त नोटिस भी दिया है। नॉन-वेज खाने की अनहेल्दी और गैर-कानूनी बिक्री को लेकर लोकल लोगों में भी काफी गुस्सा है। लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले ऐसे लोगों के खिलाफ सिर्फ नोटिस जारी करके संतुष्ट होने के बजाय, फूड डिपार्टमेंट से सख्त कार्रवाई करने की मांग की जा रही है। पक्को गुजरात न्यूज़ लोगों से अपील करता है कि बाज़ार से कोई भी फ्रोज़न फ़ूड खरीदने से पहले उसकी एक्सपायरी डेट और पैकिंग ज़रूर चेक कर लें।

गांधीनगर तक कांप उठी सत्ता की कुर्सी

करजन को खोखला कर रहे खनन माफिया! एसी केबिनों में मस्त अफसर और 'वॉशिंग मशीन' में धुलकर साफ हुए नेताओं का काला साम्राज्य!

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिवः बड़े मगरमच्छों के सामने एसडीएम भी लाचार!

पिंगलवाड़ा में 100 से ज्यादा डंपरों से कुदरत का चीरहरण, विधायक अक्षय पटेल और गोकुल भरवाड़ की जुगलबंदी से सरकारी खजाने को अरबों का चूना!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/करजनः गुजरात के वडोदरा जिला अंतर्गत आने वाले करजन तालुका से भ्रष्टाचार और अवैध बालू-मिट्टी खनन का एक ऐसा खौफनाक सच सामने आया है, जिसने गांधीनगर के वातानुकूलित (AC) कमरों में बैठे आला अफसरों और राजनेताओं के पैरों तले की जमीन खिसका दी है। करजन के पिंगलवाड़ा गांव में ससरोड वाडा रोड से नाकेश्वर रोड की तरफ जाने वाले पूरे इलाके में प्राकृतिक संपदा की सरेआम डकैती डाली जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस काले कारोबार के तार सीधे स्थानीय विधायक और तालुका पंचायत सदस्य से जुड़े होने के गंभीर आरोप लगे हैं।

100 से ज्यादा डंपर और पोकलेन मशीनेंः पूरे करजन को खोद डाला!

स्थानीय सूत्रों से मिली सुलगती खबरों के मुताबिक, पूरे करजन तालुका में इस वक्त 100 से ज्यादा डंपर, 15 से अधिक हिताची (पोकलेन) और लोडर मशीनें दिन-रात बिना थमे अवैध खनन के काम में जुटी हुई हैं। हर दिन लाखों रुपये की रॉयल्टी चोरी कर सरकार की तिजोरी को हर महीने करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है।

इस पूरे गोरखधंधे के पीछे करजन के विधायक अक्षय पटेल और करजन तालुका पंचायत सदस्य गोकुल भरवाड़ उर्फ घूघा का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है किः विधायक अक्षय पटेल ने सत्ता के रसूख पर अरबों रुपये की बेनामी संपत्तियां और काला धन इकट्ठा कर लिया है। गोकुल भरवाड़ पैसे के दम पर पूरे प्रशासनिक तंत्र को खरीदकर इस अवैध बालू चोरी का मुख्य मास्टरमाइंड बना बैठा है।

अफसर एसी केबिनों में मस्त, माफिया नदी और जमीनें खोदने में व्यस्त!

इस अवैध धंधे के खिलाफ गांव के लोगों ने एक बार नहीं बल्कि दर्जनों बार लिखित और मौखिक शिकायतें सबूतों के साथ इन 'महारथियों' को सौंपी हैंः

1. गांधीनगर खान एवं खनिज विभाग (फ्लाइंग स्क्वाड) के अधिकारी चावड़ा

2. वडोदरा खान एवं खनिज विभाग की स्थानीय टीम

3. करजन के तहसीलदार (मामलतदार) सी. आर. पढियार

4. एसडीएम (SDM) शिवम बारिया

कागजी कार्रवाई का खेल

इतनी शिकायतों के बाद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अंदरखाने की खबर यह है कि गांधीनगर से लेकर स्थानीय प्रशासन तक हर महीने 'मोटे हफ्ता' की रकम पहुंचती है, जिसके कारण अधिकारियों ने अपनी आंखों पर 'गांधी छाप' नोटों की पट्टी बांध ली है।

रिवॉल्वर से लेकर पुलिस के अपहरण तक का खूनी इतिहास!

इस महाघोटाले का मुख्य चेहरा गोकुल भरवाड़ उर्फ घूघा कोई साधारण अपराधी नहीं है, उसका इतिहास संगीन जुर्मों की काली स्याही से लिखा गया हैः

पूर्व में उसे अवैध रिवॉल्वर के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया जा चुका है।

करजन थाने के ही एक ईमानदार पुलिस कांस्टेबल लक्ष्मण अहीर का अपहरण कर उन्हें जान से मारने की कोशिश का गंभीर मामला भी उस पर दर्ज है।

बावजूद इसके, राजनीतिक वरदहस्त और बेहिसाब पैसे के दम पर वह हर बार कानून के शिकंजे से बच निकलता है और दोबारा नदियों की छाती चीरने निकल पड़ता है।

एसडीएम की लाचारी या सत्ता के आगे आत्मसमर्पण?

जब इस पूरे मामले को लेकर करजन के एसडीएम शिवम बारिया से आमने-सामने तीखे सवाल किए गए, तो उनका जवाब प्रशासनिक व्यवस्था की लाचारी को उजागर करने वाला था। एसडीएम ने कहाः 'अवैध रेत और मिट्टी खनन को रोकना मेरे हाथ में नहीं है, यह काम खान एवं खनिज विभाग का है।' हैरानी की बात है कि रसूखदारों के आगे साहब अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियां ही भूल गए और पूरा ठीकरा दूसरे विभाग पर फोड़ दिया। हालांकि, बातचीत में एसडीएम ने यह जरूर स्वीकार किया किः 'हम बार-बार छापेमारी करते हैं और पेनाल्टी भी वसूलते हैं, लेकिन जांच में पता चला कि वे सब तो सिर्फ छोटी मछलियां थीं! असली और बड़ा भ्रष्टाचार तो गोकुल भरवाड़ उर्फ घूघा करता है। ऐसे बड़े मगरमच्छों पर हाथ डालना एसडीएम के बस की बात नहीं है!'

'वॉशिंग मशीन' की राजनीति और जनता का फूटा गुस्सा

इलाके में इस बात की जबरदस्त चर्चा है कि कांग्रेस छोड़कर भारी भरकम सौदेबाजी के साथ बीजेपी में आए करजन विधानसभा के विधायक अक्षय पटेल मानो 'वॉशिंग मशीन' में धुलकर पूरी तरह पवित्र हो चुके हैं! लेकिन अब पिंगलवाड़ा और उसके आस-पास के गांवों के नागरिकों का सब्र का बांध टूट चुका है।

स्थानीय निवासी अब पुरजोर मांग कर रहे हैं कि अरबों रुपये के इस घोटाले के पीछे शामिल विधायक अक्षय पटेल और गोकुल भरवाड़ के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) द्वारा निष्पक्ष जांच बिठाई जाए और इनकी आय से अधिक संपत्तियों को कुर्क किया जाए। जनता का साफ कहना है कि ऐसे दल-बदलू और भ्रष्ट नेताओं को अब करजन की जनता बाहर का रास्ता दिखाएगी।

'महानगर मेट्रो' का सीधा सवाल!

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या सूबे के मुख्यमंत्री इन बेखौफ खनन माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ा कानूनी 'बुल्डोजर' चलाएंगे? या फिर सत्ताधारी दल के बड़े चेहरे होने के नाते इस मामले को भी ठंडे बस्ते में दबा दिया जाएगा? सरकार भले ही इस पर चुप्पी साधे रहे, लेकिन 'महानगर मेट्रो न्यूज' जनता की आवाज बनकर इस गंभीर मुद्दे को छोड़ने वाला नहीं है। इस मामले की गूंज गांधीनगर सचिवालय तक पहुंचाई जाएगी और जब तक इस क्षेत्र की प्राकृतिक नदियों को इन सफेदपोश राक्षसों से मुक्ति नहीं मिल जाती, हमारी यह खोजी लड़ाई जारी रहेगी!

विशेष खोजी रिपोर्ट-महानगर मेट्रो न्यूज ब्यूरो।

गांधीनगरः गुजरात सरकार का पूर्व फायर फाइटर्स को बड़ा तोहफा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के पूर्व फायर फाइटर्स के लिए एक अहम फैसले का ऐलान किया है। अब पूर्व फायर फाइटर्स को राज्य सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट में क्लास-3 कैडर की सीधी भर्ती में 20' रिजर्वेशन का फायदा मिलेगा। इसके अलावा, भर्ती प्रोसेस में फिजिकल एबिलिटी टेस्ट से छूट और ऊपरी उम्र सीमा में छूट भी दी जाएगी। पूर्व फायर फाइटर्स को भर्ती में सीधा फायदा मिलेगा मुख्यमंत्री के फैसले के मुताबिक, पूर्व फायर फाइटर्स को राज्य पुलिस फोर्स के हथियार डिपार्टमेंट, SRP, जेल डिपार्टमेंट और फॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट के तहत होने वाली अलग-अलग भर्तियों में खास फायदे मिलेंगे। भर्ती के लिए तय ऊपरी उम्र सीमा में तीन साल की छूट दी जाएगी,

जबकि अग्निवीर स्कीम के पहले बैच के कैंडिडेट्स को उम्र सीमा में पांच साल तक की छूट मिलेगी। इस फैसले से पूर्व अग्निवीरों को आर्म्ड पुलिस सब-इंस्पेक्टर, आर्म्ड पुलिस कांस्टेबल, SRP प्लाटून कमांडर और पुलिस कांस्टेबल जैसे पदों की भर्ती में सीधा फायदा मिलेगा। इसके अलावा, यह नियम जेल डिपार्टमेंट के जेलर ग्रुप-2 और जेल सिपाही के साथ-साथ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के फॉरेस्ट गार्ड क्लास-3 और फॉरेस्टर क्लास-3 की भर्ती में भी लागू होगा। राज्य सरकार का यह फैसला केंद्र सरकार की अग्निपथ स्कीम के तहत नेशनल सर्विस पूरी कर चुके युवाओं को राज्य में रोजगार के ज्यादा मौके देने के लिए अहम माना जा रहा है। सरकार के इस कदम से पूर्व अग्निवीरों के अनुभव और ट्रेनिंग का फायदा राज्य की सुरक्षा और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम को भी मिलेगा

गांधीनगरः त्योहार के दौरान नॉन-वेज के शौकीन लोग केसर वाला पानी पी रहे हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने आखिरकार उन गैर-कानूनी नॉन-वेज स्टॉल और लॉरी-गैंग के स्टॉल पर रोक लगा दी है जो पिछले कुछ समय से राजधानी गांधीनगर की आम सड़कों और रिहायशी इलाकों में बिना किसी डर के लग रहे थे। म्युनिसिपैलिटी के एस्टेट डिपार्टमेंट ने म्युनिसिपल कमिश्नर के आदेश पर आज से ही शहर भर में गैर-कानूनी स्टॉल पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' शुरू कर दी है। एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम, जो अब तक सो रहा था, रूलिंग पार्टी के एक बड़े नेता के बयान के बाद अचानक जाग गया है। परब केसरिया के यहां नॉन-वेज के शौकीन पानी पी रहे हैं यह पूरा विवाद कल रात गांधीनगर के बिज़ी सरगासन चौराहे के पास शुरू हुआ। चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाने के शुभ इरादे से गांधीनगर BJP ने शहर के अलग-अलग इलाकों में ठंडे पानी के प्याऊ शुरू किए हैं, जिन पर BJP नेताओं की तस्वीरें भी लगाई गई हैं। हालांकि, सरगासन चौराहे के पास ऐसे ही BJP के पानी प्याऊ के नाम पर एक नॉन-वेज स्टॉल पर काफी समय से चहल-पहल थी। हैरानी की बात यह थी कि लोग इस गैर-कानूनी स्टॉल पर नॉन-वेज खा रहे थे और बगल में BJP के प्याऊ से ठंडा मिनरल वॉटर पी रहे थे। इस अजीब स्थिति के कारण, आम प्यासे राहगीरों को प्याऊ का पानी पीने में काफी झिझक और शर्म महसूस हो रही थी।

स्थानीय महिलाएं असुरक्षित

शाम होते ही इस जगह पर नॉन-वेज खाने वालों की भारी भीड़ जमा हो जाती थी, जिससे हर दिन मेन रोड पर ट्रैफिक की गंभीर समस्या पैदा हो जाती थी। चूंकि फुटपाथ पर खुलेआम नॉन-वेज बेचा जा रहा था, इसलिए यहां असामाजिक और शराबी तत्वों का जमावड़ा भी बढ़ने लगा था। स्थानीय निवासियों, खासकर महिलाओं का यहां से गुजरना मुश्किल हो गया था। पास की पुलिस चौकी की आंखों के सामने यह सब होने के बावजूद, लोकल पुलिस ने काफी देर तक आंखें मूंद लीं। रविवार रात को पूरा मामला और लोकल लोगों की परेशानी की शिकायत शहर के एक सीनियर BJP नेता तक पहुंची। पार्टी के जल महोत्सव 'केसरिया छाया' की आड़ में नॉन-वेज बेचे जाने की जानकारी मिलते ही नेता ने तुरंत नगर निगम के सीनियर अधिकारियों को रात में ही फोन पर आदेश देकर गहरी नींद से जगाया। पॉलिटिकल प्रेशर पड़ते ही नगर निगम की एस्टेट ब्रांच ने तेजी दिखाई और रविवार रात को सरगासन में इस नॉन-वेज स्टॉल को तुरंत प्रभाव से तोड़कर बंद कर दिया गया।

कमिश्नर की इमरजेंसी मीटिंग में पहचाने गए इलाके

पॉलिटिकल नेता की नाराजगी के बाद नगर निगम कमिश्नर ने सोमवार सुबह ऑफिस खुलते ही एस्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। कमिश्नर ने सख्त रुख अपनाते हुए शहर में नॉन-वेज स्टॉल के खिलाफ तुरंत सख्त अभियान चलाने के आदेश जारी किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सिवाँची मालाणी जैन संघ द्वारा योगाभ्यास कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर सिवाँची मालाणी जैन संघ, अहमदाबाद (उत्तर) एवं योगा फॉर लाइफ के संयुक्त तत्वावधान में प्रथमबार योग अभ्यास कार्यक्रम अशोक विहार गार्डन, मोटेरा में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम योग प्रशिक्षिका वर्षाजी मिस्त्री के कुशल मार्गदर्शन एवं सहयोग में अत्यंत शांत, आनंदमय एवं सकारात्मक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संघ के संयोजक व मीडिया प्रभारी मुकेश आर. चौपड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रविवार को आयोजित प्रातःकालीन इस

स्वास्थ्यवर्धक आयोजन में समाज के अनेक परिवारों, युवाओं, वरिष्ठजनों एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षिका वर्षाजी मिस्त्री ने उपस्थित जनों को नियमित योग के महत्व, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर उसके सकारात्मक प्रभाव तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज बंधुओं ने संघ द्वारा आयोजित इस प्रेरणादायक पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को स्वास्थ्य, संस्कार एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ बनाते हैं।संघ के अध्यक्ष महावीर छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि समाज एवं परिवारों से प्राप्त निरंतर सहयोग, समर्थन एवं सहभागिता के कारण ही समय-समय पर ऐसे उपयोगी, जनहितकारी एवं सामाजिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन संभव हो पाता है। कार्यक्रम दरम्यान योग प्रशिक्षिका वर्षाजी मिस्त्री का सम्मान सिवाँची मालाणी जैन संघ अहमदाबाद (उत्तर) द्वारा किया गया । अंत में संघ के सचिव अशोक मांडोत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी परिवारों, सहयोगियों एवं योग प्रशिक्षिका वर्षाजी मिस्त्री के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। संघ ने भविष्य में भी समाज के सर्वांगीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देने हेतु ऐसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

संक्षिप्त न्यूज

शारदाबेन हॉस्पिटल में मरीज की मौत पर हंगामा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शारदाबेन हॉस्पिटल में एक मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि मरीज को पेट में गैस की समस्या के चलते भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने बिना उचित जानकारी दिए उसका ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत बिगड़ गई और सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। मृतक के परिवार ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

173वें समरसता यज्ञ में व्यसन मुक्ति का संकल्प,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। सनातन संस्कृति जागरण संघ के घर-घर यज्ञ अभियान के तहत रविवार शाम गायत्री नगर में 173वें समरसता यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में उत्तम सुथार सपत्नीक मुख्य यजमान बने तथा बड़ी संख्या में स्थानीय परिवारों, महिलाओं और बच्चों ने भाग लेकर आहुति दी। यज्ञ के समापन पर कई लोगों ने मांसाहार, शराब, गुटखा जैसे व्यसनों का त्याग करने का संकल्प लिया।

95 लाख की शराब के साथ पकड़ाए भाजपा नेता के बेटे भेजे गए जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। कपड़वंज में 95 लाख रुपये की विदेशी शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार स्थानीय भाजपा नेता के बेटों, लिंकन झाला और जिग्नेश झाला की पुलिस रिमांड खत्म हो गई है। कोर्ट के आदेश के बाद दोनों हाईप्रोफाइल आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच बिलोदरा जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस शराब नेटवर्क से जुड़े अन्य बड़े चेहरों की तलाश कर रही है।

चुनावी तैयारी में जुटी पार्टी, 165 संगठन मंत्रियों की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबादः गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी अभी से एक्शन मोड में आ गई है। प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने जमीन पर पकड़ मजबूत करने के लिए राज्य की 165 विधानसभा सीटों पर संगठन मंत्रियों के नामों का ऐलान कर दिया है। 'आप' की इस जल्दबाजी और शुरुआती मास्टर प्लान ने भाजपा और कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है।

अहमदाबादः जलयात्रा की तैयारियां तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबादः भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा से पहले होने वाली पारंपरिक जलयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। एलिसब्रिज के विधायक अमित शाह और मेयर हितेश बारोट ने अधिकारियों के साथ वासणा बैराज का दौरा कर सुरक्षा, सफाई और साबरमती नदी के जलस्तर की समीक्षा की।

अंबाजी तीर्थस्थल पर कानून-व्यवस्था की स्थिति

एरिया नंबर 8 में बदमाशों का पुलिस पर जानलेवा हमला, गाड़ियों में तोड़फोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। गुजरात के मशहूर तीर्थस्थल अंबाजी से एक बहुत ही गंभीर और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जो कानून-व्यवस्था की स्थिति को खुलेआम चुनौती देती है। अंबाजी के सबसे बड़े माने जाने वाले एरिया नंबर 8 में दो से तीन असामाजिक और बदमाश तत्वों ने इलाके की सुरक्षा कर रही पुलिस पर लाठियों और पत्थरों से जानलेवा हमला किया है। खाकी से बेखौफ इन गुंडों ने पुलिस की PCR वैन में भी तोड़फोड़ की और सरकारी प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया है। अगर अंबाजी के स्थानीय लोगों ने समय रहते दखल नहीं दिया होता, तो शायद एक बड़ी मुसीबत टल जाती। आरोपी को पकड़ने गई टीम पर पथराव और लाठीचार्ज! मिली जानकारी के मुताबिक, अंबाजी पुलिस टीम एक संदिग्ध आरोपी को पकड़ने के लिए इलाके में पहुंची थी। लेकिन जैसे ही पुलिस वहां पहुंची, बेकाबू हो चुके बदमाशों और बदमाशों ने पुलिसवालों को घेर लिया। कानून को जेब में रखकर घूम रहे इन गुंडों ने अचानक पुलिस स्टाफ पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला करना शुरू कर दिया। गुंडों के इस हिंसक आतंक से इलाके में कुछ देर के लिए बहुत अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। इस हमले के दौरान, गुंडे पुलिसवालों को बेरहमी से मार रहे थे, तभी आस-पास के स्थानीय लोगों ने बहादुरी दिखाई और बीच-बचाव किया। लोग इकट्ठा हुए और गुंडों का सामना किया और पुलिसवालों को उनके चंगुल से छुड़ाकर बचाया। हालांकि, इस हमले में पुलिसवाला घायल हो गया और उसे इलाज के लिए ले जाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही, सीनियर पुलिस अधिकारियों की एक बड़ी टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही घंटों में हमलावरों को गिरफ्तार करके उनके घर पहुंचाने की कोशिश की गई। इस घटना ने पूरे राज्य में बहस छेड़ दी है और कानून-व्यवस्था पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर गुंडे अंबाजी जैसे पवित्र तीर्थस्थल पर पुलिस पर हमला करने से नहीं डरते, जहां लाखों भक्त आते हैं, तो आम जनता की सुरक्षा का क्या? पाक्को गुजरात न्यूज़ सवाल उठाता है कि इन असामाजिक तत्वों में कानून का डर क्यों नहीं है? अब देखना यह है कि क्या बनासकांठा पुलिस इन गुंडों को कानून का ऐसा सबक सिखाएगी कि वे फिर कभी किसी खाकी पर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं करेंगे!

सूरत बना डुप्लीकेटिंग का हब

सरथाना में मशहूर ब्रांड के नकली साबुन बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई, लाखों का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत अब धीरे-धीरे डुप्लीकेट प्रोडक्ट बनाने का हब बनता जा रहा है। खासकर सरथाना और सूरत का बड़ा वराछा इलाका नकली माल के काले धंधे के लिए बदनाम हो रहा है। सरथाना पुलिस और यामी शॉप प्राइवेट लिमिटेड की सतर्कता से सरथाना इलाके में मशहूर ब्रांड के नकली साबुन बनाने वाली पूरी फैक्ट्री पकड़ी गई है। इस रेड के दौरान पुलिस ने लाखों रुपये का माल जब्त किया है और बनाने वाले को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सरथाना के सूर्योदय रॉ हाउस में एक बिल्डिंग के अंदर यह गैर-कानूनी काला धंधा चल रहा था। ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली साबुन बनाकर उसे मार्केट और ऑनलाइन बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा था। यामी शॉप प्राइवेट लिमिटेड को जब इस बारे में शक हुआ तो उन्होंने 10 अलग-अलग वेबसाइट से साबुन ऑर्डर किए। जब इस साबुन की जांच की गई तो पता चला कि ये सभी साबुन कंपनी के असली साबुन के बजाय नकली थे। आखिर में कंपनी ने इस बारे में पुलिस में ऑफिशियल शिकायत दर्ज कराई। कंपनी की शिकायत के आधार पर सरथाणा पुलिस ने सूर्योदय रॉ हाउस पर छापा मारा। इस पुलिस कार्रवाई में, मशहूर ब्रांड के लोगो वाले नकली साबुन, साबुन बनाने में इस्तेमाल होने वाला आयरन डाई (बीबा), केमिकल और पैकिंग का सामान समेत कुल 6.67 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। पुलिस ने नकली प्रोडक्ट बनाकर लोगों को ठगने वाले मुख्य मैन्यूफैक्चरर को गिरफ्तार कर लिया है और यह पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है। इस घटना ने सूरत के लोगों को झकझोर कर रख दिया है। अगर रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाले साबुन जैसी चीज़ें भी इस तरह से डुप्लीकेट होने लगें, तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? इस मामले ने इस बात का राज खोल दिया है कि ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर किस तरह का बड़ा स्कैम चल रहा है। नकली साबुन से लोगों को गंभीर स्किन की बीमारियां होने का खतरा है। अब देखना यह है कि पुलिस सूरत के सरथाना और ग्रेटर वराछा इलाके में चल रहे ऐसे दूसरे डुप्लीकेटिंग ऑपरेशन पर कब कार्रवाई करेगी!

राजनीतिक पार्टी से संबंध रखता है सुदखोरी के नाम पर जमीन हड़पता है लेकिन मजाल कोई कानून उसका कुछ बिगाड़ ले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनंदगांव। वैसे तो हमारे देश में संविधान है लोकतंत्र है विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है यहां कानून में अमीर गरीब जात पात कुछ भी नहीं देखा जाता है परंतु देश में अनेको उदाहरण समय-समय पर आते रहते हैं जब प्रभावशील असरदार लोग अपने प्रभाव से अपने पहुंच से लोगों को लगातार लूटते हैं लेकिन मजाल कोई कानून उसका कुछ कर ले मामला डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के कुछ किसानों का आया है आरोप लगा है डोगरगांव के एक स्वयंभू वरिष्ठ भाजपा नेता के परिवार का जो सत्ता सरकार में पहुंच रखता है यही कारण है लगातार कई बड़े मामला होने के बावजूद भी मामला दबाया जा रहा है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 2008 9 में कुछ किसानों ने अपनी कुछ ज़रूरतों के लिए स्थानीय डोंगरगांव के माणिकलाल गांधी अमित सुमित गांधी से कुछ पैसे ब्याज मे लिए थे जिनकी एवज में उन्होंने अपना परचा पटा उनके पास गिरवी रखा था ग्रामीण किसानों ने बताया कि उन्होंने ब्याज और सुखारी की पूरे पैसे लौटा दिए उसके बावजूद भी उनके परचा को तथाकथित बयाज माफिया के द्वारा वापस नहीं किया जा रहा है इतना ही उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है इतना ही नहीं अपना परचा वापस ले जाओ करके किसानों को डोगरगांव स्थित पुराने थाना के पास ले जाकर कैद कर बदसलूकी किया गया उन्हें बेरहमी से पिटा भी गया और यह सब हो रहा था डोंगरगांव नगर में लेकिन हिम्मत कोई इस परिवार और सूदखोरों के आगे कोई मुंह खोले डरा धमका किसानों से कोरे कागज पर हस्ताक्षर करवा लिया गया और इस तरीके से उनकी जमीन की रजिस्ट्री हो गई याने की चंद पैसों के एवज में करोड़ों की जमीन माफियाओं के नाम हो गई किसानों के लिए जमीन उनके जीवन जीने का आधार होता है और वह इन सूदखोरों के चंगुल मे इस तरीके से फंस गए हैं जो उनके गले की हड्डी बन गई है ना उगलते बन रहा है ना निगलते कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है वजह है इन ब्याज माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण किसान अरुणा नंदेश्वर दीपक कुमार मंगतुराम गोड भारत लाल साहू ऐसे सैकड़ो पीड़ित किसान है जिन्होंने शासन प्रशासन को चेतावनी दिया है

थाना डोंगरगांव क्षेत्र से गुम हुई दो नाबालिग युवतियॉ 72 घण्टे मे बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। महिला एवं बच्चो के विरूद्ध होने वाले अपराधो के प्रति सवेंदनशील पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, जिला राजनांदगांव के निर्देशन में नाबालिग बच्चो एवं महिलाओं के विरूद्ध घटित अपराधो पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना डोंगरगांव क्षेत्र के ग्राम से दिनांक 17.06.26 को दो नाबलिग युवतिया घर से बिना बताये कही चले जाने की सुचना पर थाना डोंगरगांव में धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर प्रकरणो में अति पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये थाना प्रभारी, थाना डोंगरगांव निरीक्षक अशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर गुम अपहृता की अभियान चलाकर पता तलाश किया गया है एवं दिनांक 20.06.2026 को दोनो अपहृता को सकुशल दस्तयाब किया गया जो अपने घर से अपने रिश्तेदारों के यहां घुमने जाना व अपने साथ किसी प्रकार का कोई घटना/अपराध नही होना बताये। प्रकरण की विवेचना जारी है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक आषीर्वाद राहटगांवकर, प्रधान आरक्षक संदीप देशमुख, सुरेश राजपूत, की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

रावणा राजपूत महासभा के चुनाव संपन्नः सोमेश्वर सिंह लगातार चौथी बार तहसील अध्यक्ष,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। जिला रावणा राजपूत महासभा एवं युवा महासभा तहसील व नगर शाखा के चुनाव रविवार को स्थानीय रावणा राजपूत समाज छात्रावास में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए। चुनाव में आपसी सहमति और समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए सभी चारों मुख्य पदों पर पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। जिला मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट श्रवण सिंह सिसोदिया ने बताया कि चुनाव जिला अध्यक्ष महासभा राजू सिंह राजपुरा व भोपाजी रामसिंह पुनासा की उपस्थिति में आयोजित किए गए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभिन्न पदों के लिए समाज बंधुओं ने अपने नामांकन पेश किए थे। तहसील अध्यक्ष पद के लिए सोमेश्वर सिंह परिहार, युवा महासभा तहसील अध्यक्ष के लिए बलवंत सिंह सोलंकी व सुरेश सिंह नोहरा, नगर अध्यक्ष के लिए सुरेंद्र सिंह परमार व सोहन सिंह चौहान तथा युवा नगर अध्यक्ष के लिए महेंद्र सिंह डाबी ने दावेदारी जताई थी। इसके बाद समाज के वरिष्ठ जन की मौजूदगी में हुई आपसी समझाइश और चर्चा के बाद बलवंत सिंह सोलंकी और सुरेंद्र सिंह परमार ने समाज हित में अपने नामांकन सहर्ष वापस ले लिए। नामांकन वापसी के बाद चुनाव अधिकारी द्वारा नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की गई जिसमें तहसील अध्यक्ष (महासभा) के सोमेश्वर सिंह परिहार (लगातार चौथी बार),तहसील अध्यक्ष (युवा महासभा) के सुरेश सिंह नोहरा,नगर अध्यक्ष (महासभा) के सोहन सिंह चौहान एवं नगर अध्यक्ष (युवा महासभा) के महेंद्र सिंह डाबी निर्वाचित होने पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सुपुर्द किए गए तथा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

भीनमाल में आस्था की राह हुई आसानः क्षेमंकरी माता मंदिर में 65 फीट ऊंची लिफ्ट निर्माण का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। जालोर जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल क्षेमंकरी माता मंदिर में सोमवार को एक ऐतिहासिक शुरुआत हुई। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर वृद्धजनों और दिव्यांगों की सुविधा के लिए यहां आधुनिक लिफ्ट निर्माण कार्य का विधि-विधान से शुभारंभ किया गया। इस परियोजना के पूरा होने के बाद पहाड़ी पर स्थित माता के दरबार तक पहुंचना बेहद सुगम और सुरक्षित हो जाएगा।

65 फीट की ऊंचाई, एक साथ सफर करेंगे 15 श्रद्धालु

मंदिर ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार, यहां स्थापित होने वाली लिफ्ट की कुल ऊंचाई करीब 65 फीट होगी। अत्याधुनिक तकनीक से बनने वाली इस लिफ्ट की क्षमता काफी बेहतर रखी गई है, जिसमें एक समय में 15 श्रद्धालु एक साथ ऊपर मंदिर तक आ-जा सकेंगे। वर्तमान में माता के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं को कई सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। तपती धूप और ढलान के कारण बुजुर्गों, बीमार लोगों और छोटे बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। लिफ्ट चालू होने के बाद यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। क्षेमंकरी माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष कोलचंद सोनी ने बताया कि इस जनकल्याणकारी कार्य को मूर्त रूप देने में 'हुआदेवी-मलाराम गहलोत परिवार' का सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि भामाशाह अमर गहलोत के प्रयासों से इस बड़े प्रोजेक्ट की नींव रखी गई है। अध्यक्ष सोनी ने कहा कि इस कार्य से मंदिर में आने वाले हर दर्शनार्थी को सहज, सुरक्षित और सुलभ आवागमन की सुविधा होगी। निर्माण कार्य के शुभारंभ के इस खास मौके पर शहर के कई प्रबुद्ध नागरिक, भामाशाह परिवार के सदस्य और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान हुआ देवी गहलोत,कोलचंद सोनी, प्रेम भारती, मदन सिंह राव,जेठाराम माली, विजय सिंह राव, जोरावर सिंह राव, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष जयरूपाराम माली, भारताराम सुंदेशा,बाबुलाल होंडा,किशोर सांखला, महेंद्र सोलंकी, मोतीलाल सोलंकी, ओमप्रकाश माली, पारस मोदी, भगवानाराम घांची, मेघराज परमार, दानाराम गहलोत, अमृत गहलोत, लखमाराम गहलोत तथा निर्माण कार्य संभाल रहे ठेकेदार शकूर खान,फिरोज खान सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

किसान अधिकार यात्रा 26 जून से, किसानों के हक की आवाज बुलंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के किसानों के हक और इंसाफ के लिए किसान कांग्रेस ने एक बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। खिदूत अधिकार ट्रैक्टर यात्रा की ऐतिहासिक कामयाबी के बाद अब किसान अधिकार यात्रा पार्ट-2 यानी पैदल मार्च 26 जून से कच्छ के ब्रजवाणी से देवभूमि द्वारका तक शुरू किया जाएगा। किसान कांग्रेस नेता पालभाई आंबलिया, महेश राजकोटिया, सेवा दल के नेशनल प्रेसिडेंट लालजीभाई देसाई और गुजरात प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रेसिडेंट जयेश पटेल ने एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बारे में डिटेल में जानकारी दी। नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि गुजरात में बिजली कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे डेढ़ लाख नए पोल की वजह से राज्य के किसानों की 38 लाख बीघा से ज़्यादा उपजाऊ ज़मीन खतरे में पड़ गई है। कच्छ-जामनगर लाइन में रेगिस्तान और तटीय इलाकों से होकर एक दूसरा रास्ता होने के बावजूद, जिससे शायद बहुत कम किसान ही प्रभावित होंगे, सरकार जानबूझकर इन बिजली लाइनों को करीब 3000 किसानों की उपजाऊ खेती लायक ज़मीन से गुज़ार रही है। इसी तरह, रिलायंस की बिजली लाइनों के लिए जामनगर, कच्छ और मोरबी के कलेक्टरों को छह महीने पहले बेकार ज़मीन से होकर एक दूसरा रास्ता दिया गया था, इसके बावजूद सरकार किसानों के खेत बर्बाद करने में दिलचस्पी दिखा रही है।

कपड़वंज से BJP सदस्य का बेटा 95 लाख रुपये की विदेशी शराब के साथ पकड़ा गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। क्या गुजरात में शराबबंदी सिर्फ़ कागज़ों पर है या नेताओं के आशीर्वाद से चल रही है, इसका एक और जीता-जागता सबूत खेड़ा ज़िले से सामने आया है। गांधी के गुजरात में जहाँ आम आदमी के लिए शराबबंदी के ख़िलाफ़ सख़्त क़ानून हैं, वहीं सत्ताधारी पार्टी BJP नेताओं के घरों में मानो 'विकास की नदियाँ' बह रही हों। खेड़ा ज़िले के कपड़वंज तालुका से BJP सदस्य का बेटा लाखों रुपये की विदेशी शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया, जिससे पूरे ज़िले में हलचल मच गई और BJP का असली चेहरा जनता के सामने आ गया। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस की एक बड़ी कार्रवाई में उसके पास से छोटी-मोटी नहीं, बल्कि पूरे 95 लाख रुपये की भारी मात्रा में विदेशी शराब मिली। इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी शराब कहां से आई, इसे कौन सप्लाई करने वाला था और इस काले धंधे के पीछे कौन से बड़े लोग हैं, यह अब जांच का विषय बन गया है।

मोरबी आंदोलन के मंच से हकाभा गढ़वी ने हाथ जोड़कर सरकार से की रिक्वेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। मोरबी के जेतपार गांव में एक प्राइवेट बिजली कंपनी की तर्ज पर चल रहा किसानों का आंदोलन अब एक तीखा और नेशनल लेवल पर बहस का टॉपिक बनता जा रहा है। अपनी उपजाऊ ज़मीन और हक बचाने के लिए दिन-रात लड़ रहे अन्नदाता के सपोर्ट में अब गुजरात के लोक लेखक और कलाकार भी मैदान में उतर आए हैं। जेतपार गांव में चल रहे आंदोलन के दौरान किसानों का हौसला बढ़ाने के लिए एक लोक नृत्य का आयोजन किया गया। इस नृत्य के मंच से मशहूर कॉमेडियन और लोक लेखक हकाभा गढ़वी ने हाथ जोड़कर सरकार से जो रिक्वेस्ट की, उसमें किसानों की पीड़ा को बयां किया, उसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मंच से माइक संभालते ही हकाभा गढ़वी बहुत इमोशनल हो गए और सरकार का मज़ाक उड़ाते हुए कहा, 'मैं सरकार से हाथ जोड़कर रिक्वेस्ट करता हूं कि इस देश के किसानों की मांगें जल्द से जल्द पूरी करें। अब किसान पूरी होने के लिए तैयार हैं!' उन्होंने मौजूदा हालात की एक तस्वीर पेश करते हुए कहा कि आज गांव का हर किसान कर्ज के पहाड़ तले दबा हुआ है। हर किसान पर पांच लाख रुपये का कर्ज है। ऐसे मुश्किल हालात में अगर उनकी उपजाऊ जमीन भी छीन ली गई या खत्म कर दी गई, तो दुनिया की दौलत कहां जाएगी? गुजर रही हाई-टेंशन बिजली लाइनों की वजह से हजारों बीघा जमीन खतरे में है।

सिनेमा के माध्यम से बदलती दुनिया का सृजनात्मक दस्तावेज

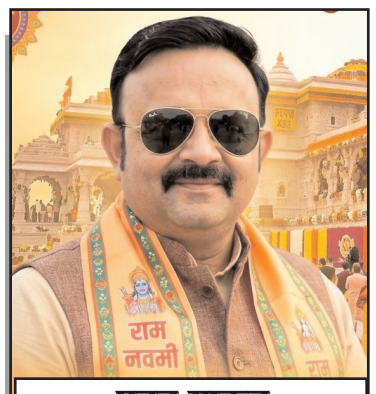

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।

मुम्बई आईएफएफ-2026 मे पोलैंड की 'सिल्वर' ने जीता गोल्डन कॉन्च,भारत की फिल्मों ने भी छोड़ी गहरी छाप...

मुम्बई में आयोजित 19वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य समापन केवल एक फिल्म समारोह का अंत नहीं,बल्कि सिनेमा की उस वैश्विक यात्रा का उत्सव था जो सभी सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे मानव अनुभवों को जोड़ती है। इस फिल्म समारोह में वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों को समर्पित यह प्रतिष्ठित महोत्सव एक बार फिर सिद्ध कर गया कि गैर-फीचर सिनेमा समाज के बदलते यथार्थ का सबसे सशक्त दस्तावेज है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा थे।उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में एम आई एफ एफ एक राष्ट्रीय आयोजन से विकसित होकर वैश्विक रचनात्मक आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए 'WAVES' शिखर सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि "Create in India, Create for the World" आज भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का नया मंत्र बन चुका है।राज्यपाल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग और फिल्मकारों की बौद्धिक संपदा की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया।इस वर्ष एम आई एफ एफ को दुनिया भर से1459 फिल्मों की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं,जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण है।प्रतियोगिता खंड में13 देशों की144 फिल्मों का चयन किया गया,जबकि गैर-प्रतियोगिता खंड में 46 देशों की 202 फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। कुल मिलाकर 83 घंटे से अधिक की स्क्रीनिंग और 24 विशेष क्यूरेटेड श्रेणियों ने महोत्सव को विश्व स्तरीय आयाम प्रदान किया।

पुरस्कारों की दृष्टि से एम आई एफ एफ-2026 अनेक यादगार उपलब्धियों का साक्षी बना।अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म का प्रतिष्ठित गोल्डन कॉन्च पुरस्कार पोलैंड की फिल्म 'सिल्वर' को प्रदान किया गया। निर्देशक नतालिया कोनियार्ज और निमार्ता मैचेज कुबिकी की इस फिल्म ने मानवीय संवेदनाओं और यथार्थपरक

प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया।अंतरराष्ट्रीय लघु कथा फिल्म श्रेणी में ईरान की 'अंडर द स्नो' को सिल्वर कॉन्च से सम्मानित किया गया,जबकि जर्मनी की एनीमेशन फिल्म 'मायाज सॉन्ग' ने सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय एनीमेशन फिल्म का पुरस्कार प्राप्त किया। इन फिल्मों ने यह सिद्ध किया कि सीमित अवधि में भी गहरे मानवीय अनुभवों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।भारतीय फिल्मों ने भी अपनी रचनात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। तमिल एनीमेशन फिल्म 'आर्मस्ट्रॉन्ग फ्रॉम अंगालम्मन टेम्पल स्ट्रीट' को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म का सिल्वर कॉन्च मिला। एफटीआईआई निर्मित लघु कथा फिल्म 'स्मॉल क्लाउड्स' ने सर्वश्रेष्ठ भारतीय लघु कथा फिल्म का सम्मान प्राप्त किया,जबकि निर्देशक साईनाथ एस.उस्काइकर की वृत्तचित्र फिल्म 'वाआई' को सर्वश्रेष्ठ भारतीय वृत्तचित्र फिल्म का पुरस्कार मिला।तकनीकी श्रेणियों में भी भारतीय प्रतिभाओं का दबदबा दिखाई दिया। 'टर्टल वॉकर' के लिए कृष्ण माखीजा को सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटो ग्राफर का अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिला। 'देवा आज पन व्हाय' के लिए अभय रुमडे को सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन का सम्मान प्रदान किया गया। राष्ट्रीय श्रेणी में रणधीर बिस्वास को 'स्मॉल क्लाउड्स' के लिए सिनेमेटोग्राफी तथा अखिल कृष्णन को 'मे-डे' के लिए संपादन पुरस्कार मिला। विशेष पुरस्कारों में ताइवान की फिल्म 'द होर्डर्स' को प्रमोद पाटी विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किया गया।अंतरराष्ट्रीय फिल्म समीक्षकसंघ(एफआईपीआरईएससी आई)का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदीप केंचनुरु की फिल्म 'द हग ऑफ एम्प्टिनेस' को मिला।छात्र वर्ग में मिलन कुमार की फिल्म 'द ओल्ड बुल नोज,ऑर वन्स न्यू' को सम्मानित किया गया,जबकि दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक पुरस्कार पूजा टोलानी को उनकी फिल्म 'राजा' के लिए दिया गया।एम आई एफ एफ 2026 की एक विशेष उपलब्धि इसकी विषयगत विविधता रही। पर्यावरण, सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, सांस्कृतिक विरासत,आदिवासी जीवन,मानवीय संघर्ष और बदलती तकनीकी दुनिया जैसे विषयों पर आधारित फिल्मों ने दर्शकों को गंभीर चिंतन का अवसर प्रदान किया। इस वर्ष 'Echoes from North East' और 'मराठी फिल्मस' जैसी नई श्रेणियों को शामिल कर क्षेत्रीय कथाओं को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम(एन एफ डी सी)के प्रबंध निदेशक प्रकाश मगदूम ने सही कहा कि सबसे प्रभावशाली सत्य हमेशा सबसे बड़े पर्दों पर नहीं,बल्कि सबसे ईमानदार फ्रेमों में दिखाई देते हैं। यही एम आई एफ एफ की मूल आत्मा भी है।वृत्तचित्र,लघु कथा और एनीमेशन फिल्में केवल मनोरंजन नहीं करतीं,बल्कि समाज को स्वयं से संवाद करने का अवसर देती हैं।आज जब व्यावसायिक सिनेमा अक्सर बाजार की अपेक्षाओं से संचालित होता है,तब एम आई एफ एफ जैसे मंच सिनेमा की बौद्धिक और सामाजिक भूमिका को जीवित रखते हैं।यह महोत्सव बताता है कि कैमरा केवल दृश्य रिकॉर्ड नहीं करता,वह इतिहास को संरक्षित करता है,प्रश्न पूछता है,संवेदनाएँ जगाता है और परिवर्तन की चेतना को जन्म देता है।एम आई एफ एफ-2026 का परदा भले ही गिर गया हो,लेकिन इसकी फिल्मों में उठाए गए प्रश्न, प्रस्तुत किए गए विचार और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ लंबे समय तक दर्शकों के मन-मस्तिष्क में जीवित रहेंगी।यही किसी भी महान फिल्म महोत्सव की सबसे बड़ी सफलता होती है।अब सिनेमा प्रेमियों की निगाहें अगले अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले एम आई एफ एफ के अगले संस्करण पर टिक गई हैं,जहाँ दुनिया भर के कहानी कार फिर एक बार अपनी संवेदनाओं और सपनों के साथ उपस्थित होंगे।

संपादकीय

पैदल यात्रियों का हक

जब सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि सुरक्षित और तयशुदा फुटपाथ पर चलना आम व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, तो इसके खास मायने हैं। अदालत उस हकीकत की ओर नीति-नियंताओं का ध्यान दिलाती है, जिसे अब तक भारतीय शहरों के नियोजन में नजरअंदाज किया गया। निश्चित रूप से सड़कों पर पहला हक लोगों का है, बाद में गाड़ियों का। सही मायने में कोर्ट ने पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को जीवन, आजादी और कहीं भी आने-जाने की गारंटी से जोड़कर सार्थक पहल की है। अदालत ने इस तरह नागरिक जीवन की एक बुनियादी जरूरत को सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा बना दिया है। यह एक हकीकत है कि देश के करोड़ों भारतीयों के लिये पैदल चलना रोजमर्रा की जरूरत है, न कि जीवनशैली का विकल्प। इनमें तमाम स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले बुजुर्ग, कम दूरी तक आने-जाने वाले कामगार और दिव्यांग लोग शामिल हैं, जिनके लिये सुरक्षित पैदल यात्रा जीवन की एक सुविधा है। यह विडंबना ही है कि अक्सर रेहड़ी-खोमचे वाले, गलत तरीके से सड़कों में खड़ी गाड़ियां और निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा पैदल यात्रियों के रास्ते पर अतिक्रमण कर देता है। यही वजह है कि पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर चलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिससे अकसर उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि गाड़ी चलाने वाले पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सही मायने में यह टिप्पणी वाहन केंद्रित शहरी नियोजन की सोच पर सीधे प्रहार करती है। यह विडंबना ही है कि शहरी सड़क परियोजनाओं में ट्रैफिक के प्रवाह को प्राथमिकता दी गई है। वहीं फुटपाथ को गैर जरूरी माना गया है। इसकी ही वजह से अकसर होने वाले सड़क हादसों का शिकार पैदल यात्रियों को होना पड़ता है। इसी दोषपूर्ण नीति के चलते ही लगातार पैदल चलने की जगह सिमटती रही है और सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में इस साल 36,526 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। मरने वालों का यह आंकड़ा सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या का 20.26 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोर्ट को पैदल चलने वाले लोगों के अधिकार की सुरक्षा के लिये एक कानूनी ढांचा बनाने पर जोर देना पड़ा है। वास्तव में पैदल यात्रियों की रक्षा के लिये कानून तो पहले से ही हैं, मगर ये बिखरे हुए हैं। यदि एक व्यापक कानून बनता है तो फुटपाथ के डिजाइन, यात्रियों की पहुंच, फुटपाथों के रखरखाव और जवाबदेही के लिये मानकों का निर्धारण संभव हो सकेगा।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है।

अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है। साधक की शारीरिक और मानसिक स्थिति में संयम या साधना के अनुशासन की पूर्ण स्वीकृति ही शिविर-साधना का ठोस आधार है।

राष्ट्रवाद, एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रणेता : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

सौरभ वार्ष्णेय

यह सत्य है कि कुछ महापुरुष कुछ समय के लिए पृथ्वी अवतरित होकर इस जग के लिए महान कार्य कर कालजयी हो जाते हैं ऐसे ही एक महापुरुष हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हुए जिनकी आज 23 जून 2026 को पुण्यतिथि है। हम श्री मुखर्जी को एक राजनीतिक घटना से ही याद नहीं करते वरन उनके महान कार्यों के लिए उन्हें याद करेंगे। भारतीय जनसंघ के गठन से उनकी विरासत सदा सदा के लिए अमर हो गई। 23 जून भारतीय राजनीति और राष्ट्र जीवन में एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन देश के प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद्, स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। वर्ष 1953 में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हुआ, किंतु उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण आज भी भारतीय राजनीति और समाज को प्रेरित करते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने का उदाहरण रहा। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सबसे युवा कुलपति बने। शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद के क्षेत्र में उनका योगदान असाधारण रहा। स्वतंत्रता के बाद वे देश की पहली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हुए, लेकिन राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर मतभेद होने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना उचित समझा। यह उनके सिद्धांतवादी व्यक्तित्व का प्रमाण था। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरुद्ध था। उनका प्रसिद्ध नारा–एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे–राष्ट्रीय एकता की उनकी सोच को दशार्ता है। उनका मानना था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है तथा किसी भी राज्य के लिए अलग संवैधानिक व्यवस्था दीर्घकाल में राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं हो सकती।

भारतीय जनसंघ के गठन से अमर हुई विरासत

वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आज की भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक जड़ें भारतीय जनसंघ में ही देखी जाती हैं। संगठन निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और लोकतांत्रिक संघर्ष की जो परंपरा उन्होंने स्थापित की, वह आज भी भारतीय राजनीति में प्रभावी दिखाई देती है। हालांकि डॉ. मुखर्जी के विचारों और नीतियों पर समय-समय पर मतभेद भी रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि विभिन्न विचारधाराएं अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं और जनता उनके आधार पर निर्णय लेती है। लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात निर्भीकता से रखी और सिद्धांतों के लिए राजनीतिक जोखिम उठाने से कभी पीछे नहीं हटे। आज जब देश अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि हमें यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों, वैचारिक प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का साधन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों और विचारों पर गंभीर चिंतन का भी समय है। राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के प्रति उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र उनके प्रति कृतज्ञ है और आने वाली पीढि ?ां उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

21 अक्टूबर 1951 का दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। इसी दिन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजीर्के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। यह केवल एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन नहीं था, बल्कि स्वतंत्र भारत में वैचारिक राजनीति के एक नए अध्याय की शुरूआत थी। डॉ. मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी, शिक्षाविद् और दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने उस समय की सत्ता की नीतियों से वैचारिक मतभेद होने पर सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय एक नए राजनीतिक विकल्प की स्थापना का मार्ग चुना। भारतीय जनसंघ का उद्देश्य राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक अस्मिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को केंद्र में रखकर राजनीति करना था। 21 अक्टूबर 1951 को स्थापित भारतीय जनसंघ ने धीरे-धीरे देश की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर राष्ट्रीय एकीकरण का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरोध में उनका संघर्ष आज भी याद किया जाता है। यद्यपि 1953 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और राजनीतिक दृष्टि जीवित रहे। जनसंघ आगे चलकर 1977 में जनता पार्टी का हिस्सा बना और 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। आज देश की राजनीति में जिस वैचारिक धारा का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है, उसकी नींव डॉ. मुखर्जी ने ही रखी थी। इस प्रकार कहा जा सकता है कि 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति को एक स्थायी वैचारिक दिशा दी और स्वयं को इतिहास में कालजयी बना लिया। उनका जीवन राष्ट्रहित, सिद्धांतनिष्ठा और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है।

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे:

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और संवैधानिक समानता का प्रबल उद्घोष था। यह उद्घोष भारत के महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने उस समय दिया था, जब जम्मू-कश्मीर को विशेष संवैधानिक प्रावधानों के तहत अलग दर्जा प्राप्त था। आज उनकी पुण्यतिथि पर यह नारा भारतीय राजनीति और राष्ट्रवाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। स्वतंत्रता के बाद जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रधानमंत्री (वजीर-ए-आजम) की व्यवस्था थी। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि यह व्यवस्था भारत की राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत है। उनका तर्क था कि यदि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहां के नागरिकों को भी वही संवैधानिक व्यवस्था प्राप्त होनी चाहिए जो देश के अन्य राज्यों में लागू है।इसी विचार को लेकर उन्होंने 1953 में जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। उस समय राज्य में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी। डॉ. मुखर्जी ने इसका विरोध करते हुए बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया और उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान देने वाले नेता के रूप में स्थापित कर दिया।

डॉ. मुखर्जी के इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। उनके द्वारा स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को लंबे समय तक जीवित रखा। बाद में यही विचारधारा भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख संकल्पों में शामिल रही। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के निर्णय को अनेक लोग डॉ. मुखर्जी के सपने की पूर्ति के रूप में देखते हैं।हालांकि इस विषय पर राजनीतिक मतभेद भी रहे हैं। कुछ लोगों का मानना था कि विशेष दर्जा जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट परिस्थितियों और पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक था। लोकतंत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन यह भी सत्य है कि राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक समानता का प्रश्न सदैव महत्वपूर्ण बना रहेगा।

आज जब भारत एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह नारा और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। यह केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, समान अधिकारों और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम तरीका यही है कि हम भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक आदर्शों को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लें। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

भावनाओं को समझने के लिए 'शब्दों' की क्या ज़रूरत है, पढ़ सको तो 'आँखें' भी काफ़ी हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंसानी ज़िंदगी का सबसे खूबसूरत तोहफ़ा अगर कुछ है तो वो है 'भावनाएँ'। दो दिलों के बीच बहने वाली अनदेखी धारा ही भावनाएँ हैं। आज के हाई-टेक और डिजिटल ज़माने में हम सुबह से शाम तक शब्दों के समंदर में डूबे रहते हैं। WhatsApp मैसेज, Instagram कैप्शन, Facebook पोस्ट और Twitter वर्ड वॉर - हर जगह सिर्फ़ शब्दों का शोर है। लेकिन क्या आपने कभी चुपचाप बैठकर सोचा है कि इतने सारे शब्द होने के बावजूद आज इंसान इतना अकेला और बेचैन क्यों है? ऐसा क्यों है कि लंबे-लंबे खत या हज़ारों मैसेज लिखने के बाद भी सामने वाला हमारा दर्द नहीं समझ पाता? वजह बहुत साफ़ है; शब्द दिमाग से निकलते हैं और कानों तक पहुँचते-पहुँचते रुक जाते हैं, जबकि सच्ची भावनाएँ दिल से निकलती हैं और किसी भाषा की मोहताज नहीं होतीं। किसी ने बहुत गहरी बात कही है– 'भावनाओं को समझने के लिए 'शब्दों' की क्या ज़रूरत है, पढ़ सको तो 'आँखें' भी काफ़ी हैं! '

आंखेंः दिल का अनकहा आईना

कुदरत ने इंसान को एक चेहरा दिया है, जिस पर वह हज़ारों नकाब पहन सकता है। अपने होठों से इंसान कोई भी बड़ा झूठ बोल सकता है, झूठी मुस्कान दे सकता है और अपने अंदर की उदासी छिपा सकता है। लेकिन भगवान ने इस चेहरे पर दो ऐसी खिड़कियां लगाई हैं जो कभी झूठ नहीं बोल सकतीं–वे हैं हमारी आंखें। आंखें आत्मा का आईना होती हैं। आप कितना भी मज़बूत होने का दिखावा करें, अगर आप अंदर से टूटे हुए हैं, तो खालीपन में घूरती आपकी खामोश और अनकही आंखें सारा सच सामने ला देंगी। आंखों की अपनी एक अलग स्क्रिप्ट होती है, एक अलग ग्रामर होता है। यह भाषा सीखने के लिए आपको किसी स्कूल या कॉलेज जाने की ज़रूरत नहीं है, आप इसे प्यार और दया की पाठशाला में अपने आप सीख जाते हैं।

रिश्तों और आंखों से बातचीत के अलग-अलग पहलू

अगर हम रोज़मर्रा की ज़िंदगी को ध्यान से देखें, तो हम समझेंगे कि इस दुनिया की सबसे अच्छी बातचीत बिना शब्दों के होती हैः

मां होने का एहसासः जब एक नया जन्मा बच्चा दुनिया में आता है, तो उसे कोई भाषा नहीं आती। वह रोकर या बस अपनी मां की आंखों में देखकर बातचीत करता है। माँ भी बच्चे की आँखों में नमी या उसकी नज़र की दिशा देखकर समझ जाती है कि पेट में भूख है, पीठ में दर्द है या उसे नींद आ रही है। यह दुनिया का सबसे पवित्र और बेबाक संवाद है। खामोश प्यार की पराकाष्ठाः जब दो लोगों के बीच सच्चा और पवित्र प्यार होता है, तो थिएटर या होटल के शोर के बीच भी वे एक-दूसरे के पास बैठकर घंटों चुप रह सकते हैं। उनकी आँखें एक-दूसरे को वह सब बता देती हैं जो डिक्शनरी के बड़े-बड़े शब्द भी नहीं कह सकते। शब्दों में शक हो सकता है, लेकिन आँखों से बहती नमी में सिर्फ़ विश्वास होता है। दोस्ती का बिना लिखा नियमः जब आप दोस्तों की भीड़ में होते हैं और कुछ ऐसा होता है जो आपको अंदर तक दुख पहुँचाता है, तो आपका सच्चा दोस्त, भीड़ के बीच में भी, आपकी आँखों को देखकर ही समझ जाता है कि कुछ गड़बड़ है। वह बिना कोई सवाल पूछे आपके कंधे पर हाथ रखता है। कंधे पर रखा यह हाथ और आँखों का मिलना ही सच्ची दोस्ती है।

शब्द धोखा दे सकते हैं, आँखें नहीं!

आज के सोशल मीडिया के ज़माने में 'चापलूसी' बढ़ गई है। लोग टाइप करके लिखते हैं 'आई मिस यू' या 'आई केयर फॉर यू ', लेकिन अक्सर उन शब्दों के पीछे कोई गहराई नहीं होती। शब्द कपड़े हैं जिन्हें कोई भी पहन सकता है–यहां तक कि एक पाखंडी भी सुंदर शब्द बोल सकता है। लेकिन, किसी की परेशानी देखकर आंख से टपकने वाला आंसू कभी साज़िश नहीं कर सकता। किसी से मिलते समय आंखों में अचानक जो चमक आ जाती है, वह कभी नकली नहीं होती। जो रिश्ते सिर्फ 'कहने' और 'सुनने' पर टिके होते हैं, वे बहुत कच्चे होते हैं। असली रिश्ते वे होते हैं जहां दो लोगों के बीच इतनी करीबी होती है कि एक इंसान नीचे देखता है और दूसरा इंसान उनके दिल का बोझ समझता है। हम इतने बिज़ी हैं कि हमारे पास सामने वाले का चेहरा देखने का भी समय नहीं है। पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चे–सभी एक ही घर में रहते हैं, फिर भी वे अपने मोबाइल स्क्रीन में बिज़ी रहते हैं। हम कानों से सुनते हैं, लेकिन आंखों से देखना भूल गए हैं। अगर आप ज़िंदगी को सच में खूबसूरत और मतलब वाला बनाना चाहते हैं, तो कभी-कभी अपना मोबाइल एक तरफ रखकर अपनों के सामने बैठिए। उनकी आँखों में छिपी थकान, उनकी आँखों में उम्मीद और उनकी आँखों में चुप्पी को पढ़ने की कोशिश करें। अगर आपकी ज़िंदगी में एक भी ऐसा इंसान है जो आपके होंठ खोलने से पहले आपकी आँखें पढ़ ले और कहे, 'चिंता मत करो, मैं यहाँ बैठा हूँ! ', तो खुद को इस दुनिया का सबसे खुशकिस्मत और अमीर इंसान समझिए। क्योंकि दुनिया बातें सुनती है.

हरदोई में बड़ा हादसा: निर्माणाधीन पुल का 50 मीटर हिस्सा ढहा, 3 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में ह॥ 731 पर बड़ा हादसा हो गया. यहां बेहटागोकुल थाना इलाके में सैदपुर के पास निर्माणाधीन पुल का 50 मीटर हिस्सा गिर गया. हादसे में मलबे के नीचे दबकर तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं मौके पर राहत बचाव कार्य जारी है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे का संज्ञान लिया है. उन्होंने ने वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पीड़ित परिजनों से मिल कर हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए हैं. साथ ही घायलों के समुचित इलाज करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है.

लिंटर गिरने से हुआ हादसा

अधिकारियों के मुताबिक पुल का लिंटर गिरने के कारण करीब 50 मीटर निर्माणाधीन हिस्सा ढह गया. हादसे की सूचना सुबह 10:15 बजे मिली, जिसके बाद पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे. अब तक मलबे से तीन लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल गिरने के दौरान तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य में प्रशासन की मदद करने लगे. हादसे के बाद घायल मजदूरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

गुना में ट्रिपल मर्डर, एक महिला और 2 पुरुषों के बरामद हुए शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले के म्याना थाना क्षेत्र में महिला समेत तीन लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई. मृतकों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं. खास बात यह है कि पुलिस जिस महिला की तलाश कर रही थी, उसका शव भी बरामद हो गया. मध्य प्रदेश के गुना में तीन लोगों की हत्या कर दी गई. इस हत्याकांड से पूरे जिले में सनसनी फैल गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुलिस पहले एक महिला की तलाश कर रही थी, लेकिन जांच के दौरान उसका शव बरामद हो गया. इसके बाद दो अन्य पुरुषों के शव मिलने से मामला ट्रिपल मर्डर में बदल गया. तीन शव मिलने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं. फिलहाल पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं. पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे की वजह जानने का प्रयास कर रही है.

मामले की जांच में जुटी पुलिस

अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है. यह पता लगाया जा रहा है कि तीनों की हत्या कब और किन परिस्थितियों में हुई. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हत्याकांड के पीछे आपसी रंजिश, पारिवारिक विवाद या कोई अन्य कारण तो नहीं है?हालांकि पुलिस ने किसी भी संभावित वजह या आरोपी के बारे में आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा. इस सनसनीखेज तिहरे हत्याकांड ने पूरे गुना जिले में सनसनी फैला दी है.

जबलपुर में सड़क खराब होने के कारण गर्भवती को 1 किलोमीटर चलना पड़ा पैदल,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर से सिस्टम की लापरवाही और बदहाल बुनियादी ढांचे की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां के ब्रजपुरी कॉलोनी की रहने वाली साढ़े सात महीने की गर्भवती महिला ममता कुशवाहा और उनके अजन्मे बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार शाम को ममता को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुआ था। घर तक जाने वाली सड़क इतनी ज्यादा खराब और जर्जर थी कि कोई भी वाहन चालक उस इलाके के अंदर आने को तैयार नहीं हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नवीन कोठारी के मुताबिक, घर से मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी। इस वजह से वहां मौजूद आशा कार्यकर्ता ममता को पैदल ही एक किलोमीटर तक लेकर आई। इसके बाद मुख्य सड़क से उन्हें एक किराए के ऑटो-रिक्शा के जरिए एल्गिन अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर ममता की स्थिति काफी गंभीर हो गई और उन्हें सांस लेने में भारी तकलीफ होने लगी। डॉक्टरों ने नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया, जहाँ उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। हालांकि, तमाम कोशिशों के बाद भी डॉक्टर मां और बच्चे दोनों को नहीं बचा सके। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, ममता ने उस महीने में दो बार प्रसव पूर्व (एंटीनेटल) जांच कराई थी। ममता कुछ समय सतना में रही थीं, जिसके कारण उनके गर्भावस्था पंजीकरण में करीब चार महीने की देरी हुई थी। शुरुआती जांच में आपातकालीन प्रोटोकॉल के उल्लंघन की बात सामने आ रही है, जिसकी बारीकी से जांच की जा रही है। नियमों के मुताबिक, आशा कार्यकर्ता को खुद वाहन बुक करने के बजाय सीधे 108 एम्बुलेंस सेवा से संपर्क करना चाहिए था। लापरवाही पर जांच के सख्त आदेश इस पूरी घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सीएमएचओ नवीन कोठारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत और उच्च स्तरीय जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि क्या समय पर सही आपातकालीन मदद न मिलने के कारण महिला की स्थिति बिगड़ी। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद जो भी कर्मचारी या अधिकारी इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी मामले में एक्शन हुआ है। सपा अध्यक्ष की बेटी की एडिट फोटो के साथ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में कानपुर क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर मध्य प्रदेश के रीवा निवासी आरोपित नागेश्वर सिंह बघेल को गिरफ्त में लिया है। सपा अध्यक्ष की बेटी का मामला पिछले दिनों काफी गरमाया था। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की किसी भी बहन-बेटी के खिलाफ अभद्रता करने वालों को कार्रवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी थी। मामले में कानपुर में केस दर्ज किया गया था। अखिलेश यादव की बेटी पर अभद्र टिप्पणी के मामले में समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने 11 जून को साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने भरत पटेल, नागेश्वर सिंह और विनोद कुमार के खिलाफ आईटी एक्ट, मानहानि के इरादे से इलेक्ट्रानिक साक्ष्य बनाने का आरोप लगाया। इसके बाद से क्राइम ब्रांच की टीम तीनों आरोपितों के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपित नागेश्वर सिंह बघेल को मध्यप्रदेश के रीवा जिले से गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी सतीश यादव ने बताया कि आरोपी को कोर्ट से जमानत मिल गई है। अन्य दोनों आरोपितों के सोशल मीडिया अकाउंट की पड़ताल करने पर जानकारी हुई कि भरत कुमार पटेल का अकाउंट अमेरिका के पेंसिल्वेनिया शहर से संचालित हो रहा है। विनोद कुमार जौनपुर का ऑटो चालक है।

नागदा बनेगा पत्रकारों का संगम, 27 जून को होगा जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन

पत्रकार एकता का होगा शक्ति प्रदर्शन पत्रकारों की आवाज को मिलेगा नया मंच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

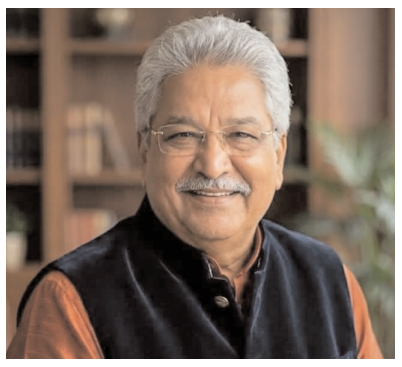

नागदा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ (एमपी.डब्ल्यू.जे.यू.) नागदा जिला इकाई द्वारा 27 जून 2026, शनिवार को प्रातः 9:30 बजे रंगोली होटल एण्ड रिसोर्ट, बायपास रोड, नागदा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य लगातार बैठकें लेकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। सम्मेलन में प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया एवं संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक जितेन्द्र गेहलोत, पूर्व केबिनेट मंत्री सुल्तान सिंह शेखावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष संतोष ओ.पी. गेहलोत, दैनिक अग्निपथ के संपादक अर्जुन सिंह चंदेल तथा प्रेस क्लब उज्जैन के अध्यक्ष नन्दलाल यादव की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। संघ के जिला अध्यक्ष राजेश रघुवंशी एवं जितेन्द्र चौहान के नेतृत्व में आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आयोजन को सफल बनाने में गोपाल मावर, राघवेन्द्र ठाकुर, प्रफुल्ल शुक्ला, शरद गुप्ता, निलेश रघुवंशी, रविन्द्र रघुवंशी, पवन जाट, जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश बोहरा, परवेज अजीज खान, मांगीलाल पोरवाल, चेतन नामदेव, बंटी जटिया, लोकेश डिगोरिया, कैलाश राठौर, मनोज राठी, प्रमोद शुक्ला, बबलू यादव, निलेश मेहता, मिश्रीलाल जायसवाल, दिनेश मंडोवरा, दिनेश सोलंकी, मुकेश जैन, अर्जुन राजोरिया एवं मांगीलाल सोलंकी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ नागदा जिला ईकाई उपाध्यक्ष ब्रजेश बोहरा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के पत्रकारों में सम्मेलन को लेकर विशेष उत्साह है तथा बड़ी संख्या में पत्रकारों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए संपर्क अभियान भी चलाया जा रहा है।

CM योगी का सपा पर वार, बोले- 'उनके एजेंडे में विकास नहीं, गुंडागर्दी'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को फिरोजाबाद पहुंचे. यहां उन्होंने 658 करोड़ से ज्यादा की लागत से 81 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया. इस दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया और समाजवादी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास है ही नहीं. समाज को बांटना, सामाजिक एकता को छिन्नभिन्न करना, गुंडागर्दी को प्रोत्साहित करना ही सपा का एजेंडा है. मुख्यमंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि गरीब के लिए कार्य ना हो, इसके लिए एड़ी चोटी लगाना. विकास की हर योजना में रोड़ा अटकाना और किसी पर्व के पहले आयोजित होने वाली उत्सव को उपद्रव में बदल देना ही सपा का एजेंडा है.

सपा देती थी वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया

राज्य में 2017 के पहले क्या हालत थे? लेकिन आज आप देख रहे होंगे, ये डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार...वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज दे रही है. वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट दे रही है. वहीं समाजवादी पार्टी वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया देती थी. यानी हर जिले का एक चिन्हित माफिया था. वो चिन्हित माफिया अराजकता फैलाता था. गरीब के मकान और जमीन पर कब्जा करता था. अराजकता पैदा करना उसकी पहचान बन चुकी थी. लेकिन हमारा प्रदेश अब माफियामुक्त, गुंडा मुक्त, उपद्रव मुक्त है. अब उत्तर प्रदेश में नो कर्फ्यू नो दंगा... सब चंगा है. आप सोचो समाजवादी पार्टी रामनवमी पर तो विरोध करती ही करती थी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मनाने पर भी रोक लगाती थी. कांवड़ यात्रा भी नहीं होने देती थी. गरीब को राशन नहीं मिलता था. गरीब को आयुष्मान की सुविधा का लाभ नहीं मिलता था. गरीब के लिए आवास की सुविधा नहीं थी. गरीब के घर में शौचालय की सुविधा भी नहीं थी.

कूनो नेशनल पार्क से निकलकर गांव में घुसी मादा चीता, स्कूल तक जा पहुंची; लाठी-डंडे लेकर दौड़े लोग

चीते को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के विजयपुर क्षेत्र के दुबेरा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब कूनो नेशनल पार्क से निकलकर एक मादा चीता गांव में घुस गई. चीता सरकारी प्राइमरी स्कूल के पास तक पहुंच गयी, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई. ग्रामीणों ने लाठी-डंडों के सहारे उसे आबादी से दूर खदेड़ा. घटना के वीडियो भी सामने आए है. वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर अब सवाल उठ रहे हैं. हालांकि चीते के पीछे लगी कूनो की ट्रैकिंग टीम भी बाद में मौके पर पहुंच गई. कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल से निकलकर मादा चीता सीसीबी 2 रविवार को दुबेरा गांव पहुंच गई. पहले वह खेतों के आसपास घूमती रही, लेकिन बाद में रिहायशी इलाके में दाखिल हो गई. मादा चीता गांव की गलियों से होता हुई सरकारी प्राइमरी स्कूल के पास पहुंच गयी. स्कूल के नजदीक चीता दिखाई देने की खबर फैलते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और अभिभावकों ने बच्चों को घरों के अंदर सुरक्षित कर लिया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,चीते को देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया और लाठी-डंडों की मदद से उसे आबादी से दूर भगाने का प्रयास किया. इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए. घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है, जिसमें चीते की मौजूदगी और ग्रामीणों की भीड़ साफ दिखाई दे रही है. ग्रामीणों के मुताबिक चीता गांव के अंदर और स्कूल के पास तक आ गया था. बच्चों और महिलाओं में डर का माहौल बन गया. हमने शोर मचाकर और लाठी-डंडे दिखाकर उसे गांव से बाहर भगाया. देखें VIDEO- ग्रामीणों का आरोप है कि जब चीता गांव में घूम रहा था, तब वन विभाग या चीता मित्र दल का कोई सदस्य मौके पर मौजूद नहीं था. ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते निगरानी टीम पहुंच जाती तो स्थिति और बेहतर तरीके से संभाली जा सकती थी. हालांकि बाद में चीते की निगरानी के लिए तैनात चीता ट्रैकिंग टीम गांव में जा पहुंची. कूनो नेशनल पार्क के DFO आर. थिरुकुराल ने बताया कि खुले जंगल में विचरण कर रहे चीतों की लगातार मॉनिटरिंग की जाती है. हमारी टीम चीते के साथ है. लोगों से अपील है कि चीते के नजदीक न जाएं और किसी भी तरह की सूचना तुरंत विभाग को दे.

'ट्रस्ट नहीं, महंताई व्यवस्था से चले राम मंदिर का कामकाज', महंत धर्मदास बाबा ने उठाई मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद केस में राम लल्ला के पूर्व पक्षकार और हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत धर्मदास बाबा ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि और चढ़ावे में कथित गड़बड़ी को लेकर सख्त नाराजगी जताई है। उन्होंने चढ़ावे की कथित चोरी में शामिल लोगों के बारे में कहा है कि, उन्होंने घोर निंदनीय काम किया है, इसके लिए कोई भी सजा कम है। पूरे देश ने इस काम की निंदा की है। उनकी हरकतों से, लापरवाही, लालच से, समाज में बहुत गलत धारणा बनी है। धर्मदास बाबा ने राम मंदिर में व्यवस्था में बदलाव करने की वकालत की है। उन्होंने कहा है कि ट्रस्ट की जगह मंदिर का कामकाज महंताई व्यवस्था में चलना चाहिए धर्मदास बाबा का कहना है कि मंदिर में हुई गड़बड़ी से राज्य सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसी भी चोर को नहीं छोड़ेंगे। पूरा भरोसा है कि सच सामने आएगा। सीएम योगी इस मामले में जरा भी लापरवाही नहीं बरतेंगे। धर्मदास बाबा ने कहा, 'जितना बड़ा निंदनीय कार्य किया है सब ने, इन्हें क्या सजा दी जाए इसका कोई मापदंड नहीं है। ब्राह्मण के, साधु के हक खाना, यह कितना बड़ा अपराध है। ब्राह्मण का अनहित करके किसी का वंश नहीं चलता है। साधु-महात्मा को सताकर किसी का वंश नहीं चलता है। ये जो अनहित कर रहे हैं सब, समाज में इतना बुरा प्रचार करवा दिया है। इन लोगों ने लापरवाही, लालच, लोभ से बहुत आदमियों को राम जन्मभूमि में फालतू लाकर लूटा। यह आज से नहीं, शुरू से ही चल रही है। उन्होंने कहा कि, 'प्रभु की कृपा से इन लोगों का ट्रस्ट बना है केंद्र सरकार से, और गबन हो रहा है। राज्य सरकार की कोई बात ही नहीं है लेकिन योगी जी ने एसआईटी बनाई है। योगी जी किसी चोर को बख्शेंगे नहीं। बख्शेंगे, तो भगवान नहीं बख्शेंगे। जांच तो हो रही है। जो-जो लोग जांच कर रहे हैं, हम लोगों को पूर्ण विश्वास है कि उससे पूरा का पूरा सत्य निकल जाएगा। योगी जी इसमें तनिक भी लापरवाही नहीं करेंगे, क्योंकि वे भी मठ-मंदिर वाले हैं।

गोरखपुर में नाबालिग ने किया नरसंहार! बड़े भाई, भाभी और मासूम भतीजे की धारदार हथियार से की निर्मम हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक बेहद गंभीर और सनसनी खेज मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिक ने अपने बड़े भाई , भाभी और 3 वर्षीय भतीजे की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी नाबालिक भाई मकान की दूसरी मंजिल के कमरे में छुप कर बैठ गया। पिता की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है, घटना की जानकारी होते ही आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही एसएसपी, एसपी सिटी, एसपी साउथ और स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बांसगांव थाना क्षेत्र के बलुआ बुजुर्ग निवासी 55 वर्षीय हरी लाल गुप्ता अपने बड़े बेटे अमित गुप्ता, बहू रंजना गुप्ता 3 वर्षीय पोते श्रेयांश गुप्ता, 6 वर्षीय पोती और 16 वर्षीय छोटे बेटे के साथ रहते हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की रात सभी ने खाना खाया इस दौरान किसी बात पर बड़े भाई और छोटे भाई के बीच विवाद हुआ। जिसके बाद सभी अपने कमरे में सोने चले गए। आरोप है कि सोमवार की रात लगभग ढाई से 3:00 बजे के करीब नाबालिक आरोपित उठा और कमरे में सो रहे अपने बड़े भाई, भाभी और भतीजे के पास पहुंचा और उसने तीनों पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी निर्मम हत्या कर दी। इस दौरान उसकी नजर अपनी भतीजी पर नहीं गई चीख सुनकर वह जाग गई उसने अपनी आंखों से अपने चाचा को यह वारदात करते देख लिया भतीजी ने ही इसकी जानकारी अपने बाबा को दी। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार हत्या करने के पश्चात आरोपी हत्या में इस्तेमाल किए गए गड़ासे के साथ मकान की ऊपरी मंजिल के कमरे में जाकर चुपचाप बैठ गया। जैसे ही इसकी जानकारी पिता हरिलाल को हुई तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

बैंकॉक से 4.83 करोड़ रुपये की कीमत वाला गांजा लाने वाला भारतीय यात्री किया गिरफ्तार

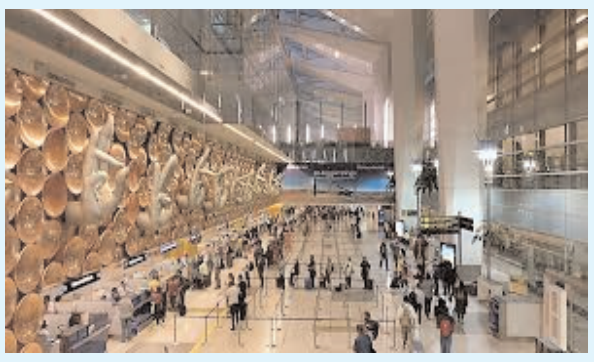

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री से लगभग 4.80 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यात्री 21 जून को एअर इंडिया की उड़ान एआई 2335 से बैंकॉक से आया था और प्रोफाइलिंग के आधार पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद उसे रोक लिया गया। बयान के अनुसार, ''सामान की एक्स-रे जांच के दौरान कुछ संदिग्ध वस्तु नजर आई।'' इसके बाद विस्तृत जांच में लगभग 13.84 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। बयान में कहा गया, ''सामान की जांच में लगभग 13,840 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा पाया गया। जब्त किए गए इस प्रतिबंधित पदार्थ का अनुमानित मूल्य लगभग 4.83 करोड़ रुपये है।''यात्री को ''एनडीपीएस अधिनियम 1985'' के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा तथा उसकी पैकिंग सामग्री को जब्त कर लिया गया। बयान के अनुसार जांच जारी है ताकि इस प्रतिबंधित पदार्थ के स्रोत और इसके गंतव्य का पता लगाया जा सके, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। IGI एयरपोर्ट पर हाल के महीनों में हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करी के कई बड़े मामले सामने आए हैं। कस्टम अधिकारियों ने जून 2026 में बैंकॉक से आने वाले यात्रियों से कई खेप जब्त की हैं। मई में भी दो विदेशी नागरिकों से करीब 48 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ था। जांच एजेंसियों के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया से आने वाली उड़ानें इस तरह की तस्करी का प्रमुख स्रोत बन रही हैं और तस्कर सामान व घरेलू उपकरणों में मादक पदार्थ छिपाकर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

पुराने दोस्तों ने ही की गंदी हरकत, री-यूनियन पार्टी की फोटो से बनाई अश्लील वीडियो,

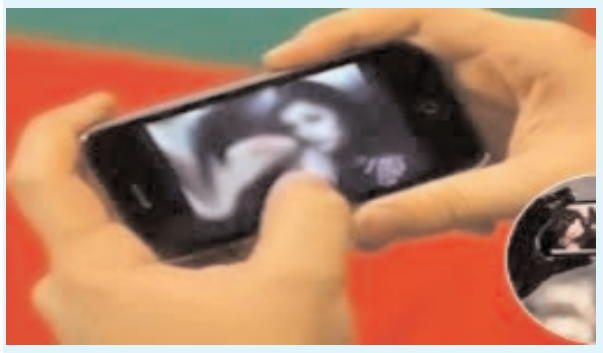

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में एक महिला के लिए वर्षों बाद स्कूल के दोस्तों के साथ री-यूनियन पार्टी करना किसी सजा से कम साबित नहीं हुआ। दरअसल पार्टी के बाद एक वॉट्सऐप ग्रुप में सभी ने अपने फोटो शेयर किए, मगर किसी ने महिला के फोटो का इस्तेमाल कर उससे अश्लील विडियो बना दिया। यही नहीं इसके बाद उसे वॉट्सऐप पर वायरल भी कर दिया। फिलहाल महिला के आरोपों पर वेस्ट डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस सूत्र ने बताया, 39 वर्षीय पीड़ित महिला राजौरी गार्डन इलाके में रहती हैं। अपनी शिकायत में उन्होंने खुलासा किया कि कुछ महीने पहले उनके पुराने स्कूली दोस्तों का वॉट्सऐप पर एक री-यूनियन ग्रुप बना था। बीती 1 मार्च को सभी दोस्त एक री-यूनियन पार्टी में मिले, जिसके बाद ग्रुप में कई तस्वीरें साझा की गईं। आरोप है कि इन्हीं तस्वीरों में से महिला की फोटो निकालकर एक अज्ञात नंबर से 7 सेकंड का बेहद आपत्तिजनक और मॉर्फ्ड (फर्जी) विडियो क्लिप तैयार किया गया । पीड़िता के मुताबिक, 18 मार्च को उनके एक पुराने स्कूल मित्र ने इस अश्लील विडियो के वॉट्सऐप पर वायरल होने की जानकारी दी। जांच करने पर पता चला कि आरोपियों ने बाकायदा 7-8 लोगों का एक अलग वॉट्सऐप ग्रुप बनाया था, जहां इस फर्जी विडियो को जानबूझकर शेयर कर महिला को मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। बदनामी के डर से पीड़िता और उनके परिवार को भारी मानसिक तनाव से गुजरना पड़ा। साइबर पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि जिस अज्ञात नंबर से यह विडियो फैलाया जा रहा था, वह सचिन तंवर के नाम पर है।

दिल्ली की सड़कों पर लगेगा QR कोड, स्कैन करते और खराब सड़कों की होगी शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. नागरिक इन्हें स्कैन कर सड़क की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे खराब सड़कों या अन्य समस्याओं की शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज कर पाएंगे। नई दिल्ली दिल्ली में अब सड़क टूटी सड़क या किसी अन्य समस्या की शिकायत करना पहले से कहीं ज्यादा आसान होने वाला है। दिल्ली सरकार का लोक निर्माण विभाग जल्द ही अपनी सड़कों पर त्वरकोड आधारित व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। इसके तहत लोग सड़क किनारे लगे बोर्ड पर मौजूद QR कोड को स्कैन करके सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे। यह पहल 'नो योर रोड' प्रोजेक्ट के तहत शुरू की जा रही है। इसका उद्देश्य लोगों को सड़कों से जुड़ी पूरी जानकारी उपलब्ध कराना और मरम्मत कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाना है। यह सुविधा हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी तीन भाषाओं में उपलब्ध होगी। दिल्ली की सभी PWD सड़कों को एक यूनिक त्वरकोड दिया जाएगा। कोड स्कैन करते ही नागरिक एक ऑनलाइन पोर्टल पर पहुंच जाएंगे। मिलेगी सड़क की पूरी जानकारी सड़क कब बनी थी और आखिरी बार कब मरम्मत हुई, इसकी जानकारी मिलेगी। सड़क की देखरेख करने वाले इंजीनियर और ठेकेदार का विवरण भी उपलब्ध होगा। नागरिक सीधे उसी सड़क से जुड़ी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। 60 दिनों में पूरा होगा काम प्रोजेक्ट को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शुरुआत में पांच सड़कों पर इसका परीक्षण होगा इसके बाद 100 सड़कों पर पायलट प्रोजेक्ट चलाया जाएगा। सफल परीक्षण के बाद पूरे शहर में इसे लागू किया जाएगा। 2500 से ज्यादा त्वरकोड लगाए जाएंगे चौथे से आठवें सप्ताह के बीच दिल्ली भर में करीब 2500 QR कोड लगाए जाएंगे।

महाराष्ट्र MLC चुनाव रिजल्ट में BJP का क्लीन स्वीप, 17 में से 16 सीटें जीतीं, बागी गोकुल गीते से हारी नासिक सीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की। ??सोमवार को घोषित नतीजों में गठबंधन ने 17 में से 16 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 17 सीटों के लिए वोटिंग 18 जून को हुई थी। हालांकि, वोटिंग से पहले ही महायुति के छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा चुके थे, जिससे गठबंधन को शुरुआती बढ़त मिल गई थी। भारतीय जनता पार्टी को सबसे ज़्यादा फायदा हुआ और उसने 11 सीटें जीतीं, जबकि शिवसेना (शिंदे) ने तीन और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) ने दो सीटें हासिल कीं। सिर्फ़ नासिक की सीट महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार के खाते में नहीं गई; वहां निर्दलीय उम्मीदवार और BJP के बागी गोकुल गीते ने शिवसेना के उम्मीदवार नरेंद्र दराडे को हराया। गीते की जीत को इस निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

गोकुल गीते को मिले 357 वोट मिले

गोकुल गीते ने 357 वोट हासिल किए जबकि दराडे को 248 वोट मिले। इस तरह उन्होंने 109 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उनकी यह जीत चौंकाने वाली मानी जा रही है, क्योंकि उम्मीद थी कि उन्हें सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवार से कड़ी टक्कर मिलेगी। दराडे एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना से हैं। उन्होंने चुनाव के लिए कई निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ मिलकर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार किया था। शिवसेना की एमएलसी मनीषा कायंदे ने परिणाम पर संदेह जताते हुए कहा कि परिणाम को लेकर गंभीर संदेह है क्योंकि हमें आश्वासन दिया गया था कि हमारे उम्मीदवार का समर्थन किया जाएगा गणना केंद्र से यह स्पष्ट होने के बाद कि अधिकतर स्थानीय प्रतिनिधियों ने गीते के पक्ष में मतदान किया है, दराडे निराश होकर वहां से चले गए। नासिक क्षेत्र में तब से विवाद देखने को मिल रहा था जब गीते ने दराडे के खिलाफ अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी, उन्होंने आरोप लगाया था कि दराडे ने उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था।

ये प्रत्याशी चुने गए निर्विरोध

निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों में शिवसेना से रवींद्र फाटक (ठाणे) और दुष्यंत चतुर्वेदी (यवतमाल), NCP से अनिकेत तटकरे (रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) और विक्रम काकड़े (पुणे), तथा BJP से अरुण लखानी (वर्धा-चंद्रपुर-गढ़चिरौली) और प्राजक्त तनपुरे (अहिल्यानगर) शामिल थे। BJP के जीतने वाले उम्मीदवारों में सुहास शिरसाट (छत्रपति संभाजीनगर-जालना), अविनाश ब्रह्मनकर (भंडारा-गोंदिया), धैर्यशील कदम (सांगली-सतारा), राजेंद्र राउत (सोलापुर), बसवराज पाटिल (धाराशिव-लातूर-बीड), राजीव पोतदार (नागपुर), नंदकिशोर महाजन (जलगांव), प्रवीण पोटे (अमरावती) और अमर राजुरकर (नांदेड़) शामिल थे। शिवसेना के सैयद खान ने परभणी-हिंगोली निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। इन नतीजों से महाराष्ट्र की स्थानीय स्व-शासन संस्थाओं में महायुति की स्थिति और मजबूत हुई है। राज्य में होने वाले आगामी चुनावों से पहले इसे सत्ताधारी गठबंधन के लिए एक बड़ी राजनीतिक बढ़त के तौर पर देखा जा रहा है। महाराष्ट्र MLC चुनावों पर, महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता और शिवसेना नेता अंबादास दानवे ने कहा कि हमने अच्छा संघर्ष किया। हम संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं।

'जो पार्टी छोड़ रहे, वो बीजेपी के गुलाम हैं...' सांसदों के पाला बदलने पर भड़के आदित्य ठाकरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। राजनीति में इस समय खींचतान काफी ज्यादा बढ़ गई है. अपने छह लोकसभा सांसदों की बगावत का सामना कर रही शिवसेना UBT के भीतर आदित्य ठाकरे ने पाला बदलने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने साफ कहा कि 'जो लोग आज साथ छोड़ रहे हैं, वे बीजेपी के गुलाम बन चुके हैं'. साथ ही, पार्टी विरोधी हरकतों के आरोप में बागी सांसद के बेटे को संगठन से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि बगावत करने वालों के खिलाफ अब नरमी नहीं बरती जाएगी. आदित्य ठाकरे का कहना है कि विरोधियों का असली मकसद बाबासाहेब आंबेडकर के बनाए संविधान को बदलना है. इसके लिए विपक्ष के सांसदों को निशाना बनाया जा रहा है, ताकि दो-तिहाई बहुमत हासिल किया जा सके. दल-बदल करने वालों को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों को पहले अपने पदों से इस्तीफा देना चाहिए, फिर दोबारा जनता के बीच चुनाव का सामना करना चाहिए. नासिक विधान परिषद सीट पर मिली हार का जिक्र करते हुए उन्होंने तंज कसा कि विपक्षी दल सिर्फ सरकार गिराने और तोड़ने के गंदे कामों में व्यस्त हैं. इस पूरे सियासी घटनाक्रम के बीच जमीनी स्तर पर भी बड़ा फैसला लिया गया. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, संजय राउत ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उद्धव ठाकरे ने बागी सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर के बेटे कृष्णा पाटिल अष्टिकर को पार्टी से निकाल दिया है. कृष्णा पिछले दिनों हुए विधान परिषद चुनाव में नांदेड़ सीट से उम्मीदवार थे. उनके पिता नागेश उन छह सांसदों में शामिल हैं जिन्होंने हाल ही में बगावती रुख अपनाया है. दूसरी तरफ, पाला बदलने वाले हिंगोली के सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर ने एक वीडियो जारी कर अपनी सफाई पेश की है. उनका दावा है कि वह 18 जून तक कहीं नहीं गए थे, लेकिन कुछ बयानों की वजह से उन्हें यह कदम उठाना पड़ा. उन्होंने एकनाथ शिंदे के साथ जाने की बात स्वीकार की. नागेश का कहना है कि उन्होंने सिर्फ अपनी शिवसेना बदली है, विचारधारा नहीं छोड़ी. उनका आरोप है कि पिछले दो साल से कोशिश करने के बाद भी उन्हें अपने क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी फंड नहीं मिल पा रहा था.

दिल्ली में स्मार्ट निगरानी: स्ट्रीट लाइट बंद होते ही बजेगा अलर्ट, कंपनियों पर लगेगा फाइन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने स्ट्रीट लाइट मैनेजमेंट में नई व्यवस्था लागू की है. इसके तहत सड़कों पर खराब स्ट्रीट लाइट के लिए प्राइवेट कंपनियों को हर घंटे के हिसाब से जुर्माना देना होगा. ये कदम अंधेरे की समस्या, महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया गया है. राजधानी दिल्ली में स्ट्रीट लाइट मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. अब लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर अगर कोई स्ट्रीट लाइट खराब रहती है तो संबंधित प्राइवेट कंपनी को हर घंटे की कीमत चुकानी पड़ेगी. सरकार ने दिल्ली की सड़कों को रात में ज्यादा सुरक्षित और रोशन बनाने के लिए ये फैसला किया है. दिल्ली सरकार नई व्यवस्था के तहत स्ट्रीट लाइट बंद रहने के समय को घंटों में दर्ज करेगी. जितने घंटे लाइट खराब रहेगी, उतने ही समय के हिसाब से कंपनी पर आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा. अधिकारियों का मानना है कि इससे कंपनियों की लापरवाही पर लगाम लगेगी. इसके साथ ही सड़कों पर लंबे समय तक रहने वाले अंधेरे की समस्या भी दूर होगी. नए सिस्टम के तहत स्ट्रीट लाइट लगाने और पांच सालों तक उसके रखरखाव की जिम्मेदारी लेने वाली कंपनियों को भुगतान भी नए तरीके से किया जाएगा. कंपनियों को एकमुश्त भुगतान करने के बजाय टोटल रकम को पांच साल की अवधि में 60 मासिक किस्तों में दिया जाएगा. हर महीने भुगतान जारी करने से पहले डिजिटल सिस्टम से दर्ज किए गए जुर्माने की रकम को किस्त से काट लिया जाएगा. इसका मतलब जितनी ज्यादा लापरवाही होगी, उतना कम भुगतान किया जाएगा. शिकायत का इंतजार नहीं, कंट्रोल रूम देगा तुरंत अलर्ट इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत एडवांस डिजिटल कंट्रोल रूम होगा. ये कंट्रोल रूम सीधे स्ट्रीट लाइट नेटवर्क से जुड़ा रहेगा. जैसे ही किसी इलाके में कोई स्ट्रीट लाइट बंद होगी, उसका नोटिफिकेशन ऑटोमैटिक कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगा. इससे न तो विभाग को शिकायत का इंतजार करना पड़ेगा और न ही आम लोगों को बार-बार शिकायत दर्ज करानी होगी. सरकार इस मॉडल को पूरी दिल्ली में लागू करने की तैयारी कर रही है. शुरुआती चरण में करीब 96 हजार स्ट्रीट लाइटों को इस सिस्टम से जोड़ा जाएगा. इन सड़कों पर पर्याप्त रोशनी बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है.

बीजेपी के बागी ने शिंदे के साथ कर दिया खेला, शिवसेना के मुस्लिम दांव से उद्धव का बिगाड़ा गेम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। विधान परिषद के चुनाव में काफी रोचक मुकाबला रहा. कांग्रेस, शरद पवार और उद्धव ठाकरे की सियासी तिकड़ी पूरी तरह से फेल रही. एक भी एमएलसी सीट नहीं जीत सकी. बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति ने पूरी तरह विपक्ष का सफाया कर दिया.राज्य की 17 एमएलसी सीटों में से 16 सीट बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना जीतने में सफल रही. नासिक सीट पर एकनाथ शिंद के प्रत्याशी के साथ बीजेपी के बागी उम्मीदवार ने खेला कर दिया तो परभणी-हिंगोली सीट पर एकनाथ शिंदे के मुस्लिम दांव से उद्धव ठाकरे को करारी मात खानी पड़ी है. महाराष्ट्र के 17 विधान परिषद सीटों पर चुनाव हुए में रोचक नतीजे रहे. कांग्रेस उम्मीदवार को जीतना तो दूर एक सीट पर उसे एक भी वोट नहीं मिला तो उद्धव की पार्टी को एक सीट पर सिर्फ 5 वोट से ही संतोष करना पड़ा है. विधान परिषद की कुल 17 रिक्त सीटों में से 6 सीटों पर पहले ही उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा चुके थे, जबकि बाकी 11 सीटों पर सोमवार को नतीजे आए हैं. एमएलसी चुनाव में सबसे बड़ा उलटफेर नासिक क्षेत्र की एमएलसी सीट पर देखने को मिला,जहां बीजेपी के बागी नेता और निर्दलीय उम्मीदवार गोकुल गीते ने महायुति समर्थित उम्मीदवार नरेंद्र दराडे को हराकर सभी राजनीतिक समीकरण बदल दिए. नरेंद्र दराडे ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना से चुनावी मैदान में उतरे थे. बीजेपी के गोकुल गीते चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन सीट शिवसेना के खाते में चली गई. ऐसे में गोकुल गीते ने निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे और उन्होंने शिंदे के उम्मीदवार को चारो खाने चित कर दिया. गोकुल गीते ने शिंदे के उम्मीदवार को 300 से ज्यादा वोटों से हराया है. नासिक सीट पर कुल 618 वोट डाले गए थे, जिनमें 13 वोट अवैध घोषित हुए. इसके बाद 605 वैध मतों के आधार पर जीत के लिए 303 वोटों का कोटा तय किया गया.गोकुल गीते को पहले ही दौर में 357 वोट मिले, जबकि महायुति समर्थित उम्मीदवार नरेंद्र दराडे को सिर्फ 248 वोट ही हासिल हुए. तीसरे उम्मीदवार प्रसाद हिरे को एक भी वोट नहीं मिला. गोकुल गीते ने पहले ही राउंड में जीत दर्ज कर ली, जिसके बाद दौर की मतगणना की जरूरत ही नहीं पड़ी. चुनाव अधिकारियों ने उन्हें सीधे विजयी घोषित कर दिया.इस जीत को एकनाथ शिंदे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव से पहले शिवसेना और बीजेपी ने अपने नगर सेवकों को एकजुट रखने के लिए उन्हें ठाणे के एक होटल में भी ठहराया था ताकि चुनाव में खरीद-फरोख्त न हो सके. भाजपा और शिवसेना की यह रणनीति नासिक में काम नहीं आई और निर्दलीय गोकुल गिते ने भाजपा शिवसेना के उम्मीदवार को हरा दिया.

जान चली जाए तो परवाह नहीं... CJP प्रोटेस्ट में जंतर-मंतर पहुंची कैंसर पीड़ित महिला, बेहोश होकर गिर पड़ीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज तीसरे दिन भी जारी है। इस बीच प्रदर्शन में शामिल कई प्रदर्शनकारियों की भावुक कर देने वाली कहानियां भी सामने आ रही हैं। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कैंसर और किडनी की बीमारी से पीड़ित एक महिला अपने बच्चे के साथ पूरे 1200 किलोमीटर दूर से दिल्ली पहुंचीं।

मुंबई में चल रहा है महिला का इलाज

लिवर कैंसर और किडनी फेलियर से जूझ रहीं बबीतांजलि ने CJP के प्रोटेस्ट के समय गहरे रंग की शॉल ओढ़ रखी थी और हाथ में एक साफ मेडिकल ड्रेनेज बैग पकड़ा हुआ था। वह कोई राजनीतिक कार्यकर्ता या स्थानीय निवासी नहीं हैं। उन्होंने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के कोइडा से 1,200 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय किया और अपने बेटे के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचीं।

रात के अंधेरे से सुबह की गर्मी तक

जंतर-मंतर पर, पीले रंग से पुते फुटपाथ के किनारे उन्होंने अपना ट्रैवल बैग और सूटकेस जमा लिया था। कार अपनी जिंदगी की दो सबसे मुश्किल लड़ाइयां लड़ रही हैं। एक लड़ाई अंदरूनी है। उन्हें लिवर कैंसर और किडनी फेल होने का पता चला है, जिसका इलाज मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में चल रहा है। दूसरी लड़ाई सामाजिक है। राष्ट्रीय परीक्षा संकट को लेकर लगातार और 24 घंटे चलने वाले विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा बनना। रात के अंधेरे से लेकर सुबह की उमस भरी गर्मी तक, वह अपने बेटे के पास बैठी रहती हैं।

'जिस तरह महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, उसी तरह बीजेपी ने राम मंदिर को', शिवसेना यूबीटी का बड़ा अटैक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित गड़बड़ियों को लेकर राजनीति गर्मा हुई है। अब इस मुद्दे की आग महाराष्ट्र तक पहुंच गई है। इस मामले पर शिवसेना यूबीटी ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चंदे में हेराफेरी हुई हैं। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय के जरिए बीजेपी पर सीधा निशाना साधते हुए इसे 'राम मंदिर की लूट' करार दिया। संपादकीय में कहा गया कि अयोध्या में राम मंदिर के दान-पात्रों से नकदी, सोना, चांदी और आभूषणों की कथित चोरी यह दिखाती है कि कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है। शिवसेना यूबीटी ने दावा किया कि जिन कार सेवकों ने मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिया, उसी मंदिर को अब सत्ता में बैठी बीजेपी ने 'लूट' लिया है।

महमूद गजनवी से की बीजेपी की तुलना

संपादकीय में लिखा गया है कि देश ने अब देख लिया है कि मंदिर विकास का असली मतलब क्या है। राम मंदिर में भगवान के दान-पात्रों को लूटा गया। कार सेवकों ने इसके लिए अपना खून बहाया, लेकिन आखिर में मंदिर की संपत्ति पर ही डाका डाल दिया गया। जिस तरह महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, उसी तरह बीजेपी ने राम मंदिर को लूटा है। कम से कम अंबाबाई मंदिर में ऐसी चोरी और डकैती तो नहीं हुई। राम मंदिर में दान-पात्र की लूट कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से फेल होने को दिखाती है। वे राम मंदिर की सुरक्षा भी नहीं कर सकते। फिर भी वो हमारे अंबाबाई मंदिर के विकास की बात करने की हिम्मत करते है। वहीं संपादकीय इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी हमला बोला है। संपादकीय में आरोप लगाया गया कि पिछले एक दशक में देशभर के कई प्रमुख मंदिरों में चोरी और लूट की घटनाएं हुई, लेकिन इन मामलों में कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। शिवसेना यूबीटी ने यह भी दावा किया कि इन कथित मामलों में शामिल लोग बीजेपी से जुड़े हुए हैं। संपादकीय में कहा गया कि अमित शाह उद्धव ठाकरे पर कांग्रेस के साथ होने का आरोप लगाते हैं, लेकिन खुद राम मंदिर के लुटेरों के संरक्षक बने हुए हैं। यह लोकतंत्र और आस्था दोनों के खिलाफ है। संपादकीय में दावा किया गया कि पिछले दस वर्षों में देश के कई बड़े मंदिरों में चोरी और लूट की घटनाएं सामने आई हैं। इन मामलों को लेकर बीजेपी पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इसमें कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित लगातार उद्धव ठाकरे पर कांग्रेस के साथ होने का आरोप लगाते हैं, लेकिन खुद अपनी पार्टी के भीतर उठ रहे आरोपों पर चुप्पी साधे हुए हैं। शिवसेना (यूबीटी) ने इसे महाराष्ट्र विरोधी बयानबाजी बताते हुए कहा कि लोकतंत्र और धार्मिक आस्था दोनों पर हमला हो रहा है। अमित शाह पर यह हमला उनकी कोल्हापुर रैली के कुछ दिन बाद हुआ, जहां उन्होंने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था। साथ ही उन्होंने अंबाबाई मंदिर के विकास कार्यों का जिक्र किया था।

जोधपुर में 8 प्रसूताओं की ऑपरेशन के बाद हालत बिगड़ी, मचा हड़कंप

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में प्रसूताओं के जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोटा और बीकानेर में सामने आए भयावह मामलों के बाद अब जोधपुर से भी एक ऐसी ही गंभीर घटना सामने आई है, जिसने पूरे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा दिया है। जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 8 प्रसूताओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए हैं और मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, इन महिलाओं की 20 जून को पावटा जिला अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी कराई गई थी। ऑपरेशन के कुछ ही समय बाद उनमें संक्रमण से जुड़े लक्षण दिखाई देने लगे, जिसने सबकी चिंता बढ़ा दी। प्रारंभिक आशंका के तौर पर बताया जा रहा है कि इनमें से 6 प्रसूताओं में सेप्टीसीमिया (रक्त संक्रमण) की संभावना है, जबकि दो अन्य महिलाओं की किडनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह स्थिति अस्पताल में अपनाई जा रही स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रक्रियाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। आठ में से दो प्रसूताओं की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उन्हें विशेष उपचार के लिए डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल की आईसीयू में स्थानांतरित किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। अन्य प्रभावित महिलाओं का भी गहन उपचार जारी है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित ऑपरेशन थिएटर को सीज कर दिया है। संक्रमण के स्रोत का पता लगाने के लिए वहाँ उपयोग की गई दवाओं, उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। साथ ही, ऑपरेशन थिएटर में संक्रमण नियंत्रण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की भी विस्तृत समीक्षा की जा रही है।

कांग्रेस ने बंगाल को उसके हाल पर छोड़ दिया था, टीएमसी ने लूटकर बर्बाद कर दिया

-केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बंगाल के इतिहास पर पीएम मोदी की बातों का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर पीएम मोदी की बातों का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंटवारे के बाद कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बाद में राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों की वजह से 1946 के ज़ख्म बने रहे। सिंह ने कहा बंटवारे के समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल को बचाया था, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भी 1946 के ज़ख्म यानी डायरेक्ट एक्शन डे के नाम पर हिंदुओं पर हमले जारी रहे। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बंगाल को पूरी तरह से उसके हाल पर छोड़ दिया। आखिरकार, टीएमसी ने लूट-पाट करके इसे लगभग बर्बाद ही कर दिया। अब जब बीजेपी आ गई है, तो वहां के लोग इसे दूसरी आज़ादी जैसा महसूस कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस के अंदर फंड से जुड़े कथित विवाद पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी जो खुद को सिर्फ़ चप्पल और साड़ी पहनने वाली एक साधारण महिला के तौर पर पेश करती थीं, असल में लूट-खसोट वाले शासन की अगुवाई कर रही थीं, जिसमें उनके मंत्रियों से लेकर नीचे तक के सभी लोग शामिल थे। अब यह बात सबके सामने आ रही है।

बता दें शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले के तारकेश्वर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी को पश्चिम बंगाल दिवस के महत्व और राज्य के गठन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने बंटवारे के समय की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस दौरान अविभाजित बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिशें की गई थीं। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने ऐसी कोशिशों का विरोध किया और इसके ख़िलाफ़ ज़ोरदार आवाज़ उठाई। बंगाल हर साल 20 जून को पश्चिम बंगाल के आधिकारिक स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और इसके गठन की विधायी प्रक्रिया का जश्न मनाता है।

142 बच्चे नहीं दे पाए नीट परीक्षा, भाजपा ने कांग्रेस पर फोड़ा ठीकरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में नीट परीक्षा को लेकर एक नया सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया, जहां कांग्रेस की एक बड़ी राजनीतिक रैली के आयोजन को लेकर भाजपा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विवाद कांग्रेस के उस मेगा सम्मेलन को लेकर शुरू हुआ, जो बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम बीके हरिप्रसाद के कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के मौके पर रखा गया था। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा के दिन ही कांग्रेस द्वारा आयोजित की गई इस रैली के कारण शहर में भारी ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे कई छात्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने एक्स पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी इस रैली के लिए कोई और दिन चुन सकती थी, लेकिन उसने वही दिन चुना जब हजारों छात्र नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा दे रहे थे। सूर्या के अनुसार, शहर में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक बाधित हुआ, जिसके कारण कई छात्र परीक्षा केंद्रों तक देर से पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि कुछ छात्र घबराहट की स्थिति में परीक्षा केंद्र पहुंचे और उन्हें अतिरिक्त समय के लिए अधिकारियों से अनुरोध करना पड़ा, जो परीक्षा अधिकारियों ने राहत देते हुए दिया। भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि वे छात्रों और परीक्षाओं को लेकर घड़ियाली आंसू बहाते रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी ने खुद संवेदनशीलता नहीं दिखाई। तेजस्वी सूर्या के आरोपों पर कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बिना नाम लिए सूर्या को सीरियल मिसइन्फॉर्मेशन एमपी बताते हुए कहा कि वे हमेशा की तरह आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। खड़गे ने भाजपा के दावों को आधा सच करार दिया। उन्होंने बताया कि आरसी कॉलेज में कुल 720 छात्रों को नीट परीक्षा के लिए आवंटित किया गया था, जिनमें से 142 छात्र अनुपस्थित रहे। उनके अनुसार, केवल तीन छात्र ही परीक्षा में शामिल नहीं हो सके।

यूपी में हम 22 फीसदी, सपा में अगला सीएम चेहरा मुस्लिम समुदाय से हो

-मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने अखिलेश यादव को लिखे पत्र में की मांग

बरेली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को लिखे पत्र में कहा कि प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 22 फीसदी है, इसलिए मुस्लिम समुदाय सीएम पद पर अपना दावा मजबूत मानता है। मौलाना रजवी ने समाचार को कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को मैंने एक पत्र लिखा है। उनके सामने 2027 विधानसभा चुनाव के सिलसिले में अपनी बात रखी हैं। रजवी ने कहा कि खासतौर पर मैंने यूपी के मुसलमानों के जज्बाज को याद दिलाया है और बताया है कि 22 फीसदी मुसलमान यूपी में हैं और 7 फीसदी यादव जाति के लोग हैं। सबसे बड़ी हिस्सेदारी या बहुमत मुसलमानों का है। उनके पिता मुलायम सिंह यादव को कई बार मुख्यमंत्री बनाया। खुद अखिलेश यादव को मुसलमानों ने सीएम बनाया। उनके भाई, चाचा, पत्नी और भतीजे में से किसी को विधानसभा तो किसी को लोकसभा में भेजना का काम मुसलमानों ने ही किया है।

उन्होंने कहा कि इस तरह से पूरे यादव परिवार को मुसलमानों ने नवाजा है। इस कारण मैंने पत्र के जरिए मांग की है कि 2027 के चुनाव के लिए मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर किसी मुसलमान की घोषणा करें। रजवी ने मांग की कि अखिलेश यादव घोषणा करें कि अगला सीएम वे नहीं होंगे, बल्कि एक मुसलमान को सीएम बनाया जाएगा। वे अपनी ही पार्टी के किसी मुसलमान को सीएम बनाने का ऐलान करें और उसी के चेहरे पर चुनाव लड़ें। तब मुसलमान 2027 में भारी तादाद में उन्हें वोट देगा। रजवी ने यह भी कहा कि अगर वह ऐसा करने में कामयाब नहीं होते हैं, तो मुसलमानों से उम्मीदें छोड़ देनी चाहिए।

खीर भवानी मेले शुरु, मंदिर परिसर में सुरक्षा के किए कड़े इंतजाम

सीएम अब्दुल्ला ने दी शुभकामनाएं, शांति, समृद्धि के लिए की प्रार्थना

गांदरबल (एजेंसी)। गांदरबल के तुलमुला में माता खीर भवानी मंदिर के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है, क्योंकि खीर भवानी मेले में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। तीर्थयात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों की तैनाती सहित सुरक्षा के कई स्तरों वाले इंतजाम किए गए हैं। वहीं, जम्मू और कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने मेला खीर भवानी के शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने लोगों की शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की और उम्मीद जताई कि यह पवित्र त्योहार जम्मू-कश्मीर में सद्भाव, भाईचारे और समृद्ध मिली-जुली सांस्कृतिक विरासत के बंधन को और मजबूत करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू और कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने एक्स पोस्ट किया, ज्येष्ठ अष्टमी के पावन अवसर पर सभी को और विशेष रूप से हमारे कश्मीरी पंडित भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। माता खीर भवानी हमें सदा सच्चाई और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दें और सभी को शांति, खुशी, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करें। कश्मीर जोन के आईजीपी ने मेला खीर भवानी के पावन अवसर पर सभी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह दिन सभी के लिए शांति, आध्यात्मिक शक्ति और एकजुटता की भावना लेकर आए।

इसके पहले 18 जून को जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने माता खीर भवानी मेले की तैयारियों की समीक्षा की थी। खीर भवानी मंदिर के दौरे में सीएम उमर अब्दुल्ला ने देश और विदेश के कई हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था। हर साल आयोजित होने वाले इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचते हैं। रविवार को कश्मीर जोन के इंस्पेक्टर आईजीपी ने मंदिर परिसर के अंदर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था और इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कई पहलुओं की समीक्षा की, जिनमें एक्सेस कंट्रोल, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, भीड़ प्रबंधन के उपाय, ट्रैफिक रेगुलेशन और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तय पार्किंग सुविधाओं की उपलब्धता शामिल थी।

आईजीपी ने सभी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और परेशानी-मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता, तालमेल और तैयारी के उच्चतम मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंदिर और आसपास के इलाकों में पुख्ता सुरक्षा इंतजाम, प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और सभी जरूरी सेवाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करें। बता दें खीर भवानी कश्मीरी पंडितों की कुल देवी मानी जाती हैं। ज्येष्ठ अष्टमी कश्मीरी पंडित भाइयों और बहनों के लिए अत्यधिक धार्मिक महत्व रखती है।

महुआ मोइत्रा के रिश्वत वाले बयान पर भड़के टीएमसी के बागी सांसद, मानहानि का मुकदमा करने की तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों ने पार्टी नेता और सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने का फैसला किया है। यह निर्णय मोइत्रा के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने इन सांसदों पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। सांसदों का कहना है कि उनके झूठे आरोप से उनकी सार्वजनिक छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है और एक बैठक के बाद उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने का मन बनाया है।

महुआ ने महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम का हवाला देकर बागी टीएमसी सांसदों की तुलना एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए विधायकों से की थी। उन्होंने शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत के उस पोस्ट को एक्स पर साझा किया था, जिसमें बागी विधायकों पर 15 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था। टीएमसी सांसद मोइत्रा ने लिखा था कि टीएमसी के बागी सांसदों को 4 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान मिला और वे हर महीने 1 करोड़ रुपये 36 महीनों तक ले रहे थे, जिससे कुल 40 करोड़ रुपये की रिश्वत बनती है।

कन्हारपुरी के पूर्व पार्षद घनश्याम साहू नहीं रहे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कन्हारपुरी वार्ड क्रमांक 34 के पूर्व पार्षद श्री घनश्याम साहू जी के आकस्मिक निधन का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। वे लगातार लगभग 10 वर्षों तक पार्षद के रूप में जनसेवा करते रहे और क्षेत्र के विकास एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके निधन से कन्हारपुरी क्षेत्र सहित समस्त नगर में शोक की लहर है। उनके सरल मिलनसार एवं जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व को सदैव याद किया जाएगा। अंतिम यात्रा कल प्रातः 10:00 बजे उनके निज निवास, नयापारा कन्हारपुरी से निकलकर मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल एवं धैर्य प्रदान करें।

लोहरदगा : पुलिस इंस्पेक्टर ने उठाई अर्थी, सुलझाया अंधविश्वास का विवाद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के लोहरदगा में पुलिस की मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का अनूठा उदाहरण सामने आया है। जहां थाना प्रभारी नीरज झा ने न सिर्फ दो गांवों के बीच शव के अंतिम संस्कार को लेकर उपजे विवाद को शांत कराया, बल्कि खुद ग्रामीणों के साथ मिलकर शव को कंधा देकर अंतिम संस्कार कराया। यह घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी और पारही डांड़ी टोली के बीच हुई, जहाँ एक वृद्ध व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर गतिरोध शुरु हुआ। पारही डांड़टोली के ग्रामीण अपने गांव के श्मशान घाट पर शव जलाने की तैयारी कर रहे थे, तभी अलौदी के ग्रामीणों ने यह कहकर विरोध किया कि दूसरे गांव का शव जलाने से उनके गांव में भूत-प्रेत और आत्माओं का प्रकोप बढ़ेगा। अंधविश्वास और गांव की सीमा को लेकर दोनों आदिवासी पक्षों के बीच तीखी बहस छिड़ गई, इस विवाद को सुलझाने के लिए कुछ प्रबुद्धजनों के प्रयास भी असफल रहे। इसके बाद सूचना मिलते ही थाना प्रभारी झा अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाया, विवाद शांत कराया और फिर स्वयं शव को कंधा देकर श्मशान घाट तक पहुंचाया। उन्होंने परिजनों को अंतिम संस्कार में सहयोग कर कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय संवेदना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि झारखंड के जनजातीय समाज में दूसरे गांव की सीमा में शव का अंतिम संस्कार करने को लेकर अक्सर इसतरह के विवाद देखने को मिलते हैं।

चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान... वाराणसी के युवक का अनोखा प्रदर्शन

चेन्नई (एजेंसी)। वाराणसी,(ईएमएस)। श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित चंदा घोटाले और आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के विरोध में वाराणसी के समाजसेवी रघुकुल यथार्थ शिवांशु ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कथित चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान कर भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। इस मौके पर रघुकुल यथार्थ ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। इसके बाद यदि मंदिर निर्माण अथवा उससे जुड़े किसी भी कार्य में वित्तीय अनियमितता, धन के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तब उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। इसके बाद यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दान की प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाए।

गुरुद्वारों पर कब्जा करने निहंगों ने मचाया उत्पात, इंटरनेट बंद, धारा 163 लागू

-उत्तराखंड में कई लोगों पर कर चुके हैं जानलेवा हमला

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग क्षेत्र में निहंगों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के बाद निहंगों ने अब रुद्रप्रयाग जिले के नगरासू और रुद्रप्रयाग में स्थित गुरुद्वारों पर कब्जे का प्रयास किया, जिससे स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण हो गई है। इस दौरान मारपीट, गाली-गलौज और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने कर्णप्रयाग में 27 जून तक बीएनएसएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 163 लागू कर दी है, वहीं संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गईं।

नगरासू गुरुद्वारे में उत्पन्न विवाद अभी शांत नहीं हुआ है, जहाँ खबर लिखे जाने तक सात से आठ निहंग गुरुद्वारे की छत पर डटे हुए हैं। उनकी मुख्य मांग बीते 16 जून को कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के संबंध में गिरफ्तार किए गए अपने साथियों की तत्काल रिहाई है। गुरुद्वारा प्रबंधक बेहंत सिंह ने आरोप लगाया है कि निहंगों ने जबरन गुरुद्वारे में घुसने, कब्जा करने, गाली-गलौज करने, तोड़फोड़ करने और श्रद्धालुओं के लिए व्यवधान पैदा करने का प्रयास किया। उन्होंने 65 वर्षीय एक बुजुर्ग को बंधक बनाने का भी दावा किया, हालांकि बाद में एक व्यक्ति को निहंगों ने छोड़ दिया। छत पर पत्थर और अन्य सामग्री जमा होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और आईटीबीपी ने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने निहंगों से करीब एक घंटे तक फोन पर वार्ता कर स्थिति को सामान्य करने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, जिला प्रशासन ने एहतियातन कदम उठाते हुए नगरासू में शनिवार शाम से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी थीं, जो लगभग 12 घंटे बाद रविवार शाम को बहाल की गईं। इसी तरह, कर्णप्रयाग में सिख समुदाय द्वारा धरना प्रदर्शन के आह्वान और वर्तमान में गतिमान चारधाम यात्रा में संभावित व्यवधान के मद्देनजर, कर्णप्रायग, गौचर और सिमली सहित कई अन्य स्थानों पर रविवार को पूरे दिन इंटरनेट बंद रहा। प्रशासन ने शनिवार रात को ही कर्णप्रयाग में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी थी, जो 27 जून तक प्रभावी रहेगी। यह आदेश पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एक साथ एक स्थान पर एकत्रित होने, जुलूस, जनसभा, धरना-प्रदर्शन करने और किसी भी प्रकार के शस्त्र, लाठी, चाकू, तलवार या विस्फोटक पदार्थ लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाता है। साथ ही किसी भी सार्वजनिक आयोजन में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर भी रोक लगाई गई है।

दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने की बात

इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की और दोनों पक्षों से बातचीत कर विवाद का उचित हल निकालने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री धामी ने मान को विश्वास दिलाया कि इस मामले में कोई भी कदम पूरी तरह निष्पक्ष ढंग से उठाया जाएगा। बताया जा रहा है कि निहंग समुदाय में इस बात को लेकर भारी रोष है कि कर्णप्रयाग की तलवारबाजी घटना में केवल उनके सदस्यों पर ही मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है, जबकि स्थानीय लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे उनके बीच असंतोष गहरा गया है। बद्रीनाथ और हेमकुंड यात्रा दिनभर निर्बाध रूप से जारी रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीएम विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को उनके 50वें जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु सी. जोसेफ विजय को जन्मदिन की बधाई। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

22 जून 1974 को चेन्नई में जन्मे विजय, एक मशहूर अभिनेता से राजनेता बने हैं और वर्तमान में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, वह तमिल सिनेमा के सबसे सफल और प्रभावशाली सितारों में से एक रहे, जिन्हें उनके लाखों प्रशंसक थलपति के नाम से बुलाते हैं। उनका पूरा नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है, और वे फिल्म निर्माता एस.ए. चंद्रशेखर तथा गायिका शोभा चंद्रशेखर के पुत्र हैं। विजय ने अपने पिता द्वारा निर्देशित फिल्म वेट्री (1984) में एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। जल्द ही वे तमिल फिल्म जगत में एक प्रमुख स्टार के रूप में उभरे। खुशी, थिरुमलाई, घिल्ली, पोक्किरी और सरकार जैसी फिल्मों ने उनकी लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हालांकि, उन्हें शुरू में रोमांटिक भूमिकाओं के लिए पहचाना गया, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को एक एक्शन स्टार के रूप में ढाला, जो अक्सर सामाजिक और राजनीतिक न्याय के लिए लड़ने वाले पात्रों को निभाने के लिए जाने जाते थे।

प्रशंसकों के बीच उनकी जबरदस्त लोकप्रियता के कारण उनकी तुलना अक्सर उन महान तमिल अभिनेताओं से की जाती थी जिन्होंने सफलतापूर्वक राजनीति में कदम रखा था। उनकी कई फिल्मों में दिखाए गए राजनीतिक विषयों को उनके भविष्य के राजनीतिक इरादों के संकेत के रूप में देखा गया, जिससे उनके प्रशंसकों में उनके राजनीतिक प्रवेश की उम्मीदें बढ़ती गईं। आखिरकार, 2024 में विजय ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) पार्टी का गठन कर औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया। उनकी पार्टी ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में एक शानदार प्रदर्शन किया, राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 में से 108 सीटों पर विजय हासिल की। बहुमत के आंकड़े से कम सीटें होने पर, टीवीके ने कांग्रेस और अन्य दलों के साथ गठबंधन किया। इस गठबंधन के बाद, जोसेफ विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, जो उनके अभिनेता से शीर्ष राजनेता बनने के असाधारण सफर का प्रतीक है।

यूपी में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 0.9 फीसदी बढ़ी, फिर होगा वेरिफिकेशन

-एसआईआर से पहले प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18.6 फीसदी होने का दावा किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में एसआईआर में आंकड़ों को लेकर अलग दावे किए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 0.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। साथ ही नए बनने वाले मतदाताओं में 35 फीसदी मुस्लिम वोटर के भी दावे किए गए हैं। कई आयु वर्ग में आबादी के अनुपात से कहीं ज्यादा मुस्लिम मतदाताओं के होने की बात कही जा रही है। इसको लेकर गोपनीय तरीके से वेरिफिकेशन शुरू किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यूपी में एसआईआर प्रक्रिया के बाद हाई लेवल पर डेटा का गोपनीय विश्लेषण किया जा रहा है। इसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। विश्लेषण के क्रम में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां भी बात सामने आई है। अब इन तमाम गड़बड़ियों को दूर किए जाने को लेकर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। एसआईआर से पहले प्रदेश में मुस्लिम वोटरों की संख्या 18.6 फीसदी होने का दावा किया जा रहा है। यह अब बढ़कर 19.5 फीसदी पहुंचने की बात है।

जनगणना आंकड़ों के आधार पर की गई स्टडी को लेकर दावे सामने आए हैं। दरअसल, 2011 के जनगणना आंकड़ों को आधार माना जाए तो प्रदेश में कुल अल्पसंख्यक आबादी करीब 20.3 फीसदी है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा मुस्लिम समुदाय का 19.3 फीसदी है। इसके अलावा सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी समुदाय के लोग हैं। चुनाव आयोग की ओर से धार्मिक आधार पर वोटर्स के आंकड़े जारी नहीं किए जाते हैं। हालांकि, राजनीतिक और सामाजिक स्टडी ने अनुमानों के आधार पर रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक प्रदेश के कुल मतदाताओं में अल्पसंख्यक मतदाताओं की हिस्सेदारी उनकी आबादी के अनुपात में करीब 19-20 फीसदी के आसपास मानी जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूपी की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक पिछले तीन चुनावों से लगातार समाजवादी पार्टी गठबंधन के पक्ष में एकजुट होता दिख रहा है। लोकसभा चुनाव 2019 में यह वर्ग सपा-बसपा गठबंधन के पक्ष में दिखा। यूपी चुनाव 2022 में सपा महागठबंधन के समर्थन में मुस्लिम वोट पड़ने की बात सामने आई। लोकसभा चुनाव 2024 में भी मुस्लिम समाज ने एकमुश्त सपा-कांग्रेस गठबंधन को समर्थन दिया। ऐसे में मुस्लिम वोटरों के बढ़ने को लेकर कई प्रकार के दावे किए जा रहे हैं। बीजेपी के पसमांदा राजनीति के बीच इस वर्ग के वोट शेयर में इजाफे की भी चर्चा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

केरल सरकार जूट उद्योग को देगी नई संजीवनी, 157 करोड़ का बजट आवंटित

श्रमिकों के वेतन संशोधन, निर्यात वृद्धि और आधुनिकीकरण पर रहेगा जोर

अलप्पुझा।

केरल सरकार ने जूट उद्योग के पुनरुद्धार और व्यापक सुधारों के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि राज्य बजट में इस क्षेत्र के लिए आवंटित 157 करोड़ रुपये इसकी पुनर्बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने जोर दिया कि सरकार पारंपरिक उद्योगों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है, जिनमें अलप्पुझा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा जूट उद्योग भी शामिल है। चेन्निथला ने बताया कि पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, सरकार ने जूट क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं के प्रबंध निदेशकों की बैठक बुलाई थी। श्रमिकों के वेतन संशोधन, कल्याणकारी लाभों, निर्यात बढ़ाने और नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहचान जैसे मुद्दों पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ काम किया जा रहा है। उद्योग के आधुनिकीकरण और उसे वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आवश्यक कदम तय करने हेतु 4 जुलाई को अलप्पुझा में जूट उत्पादों के निर्यातकों की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

इस हफ्ते 4 दिन बैंक बंद रहेंगे, जरूरी काम निपटाने से पहले जानें पूरी लिस्ट

मुहर्रम और साप्ताहिक छुट्टियों के कारण देश के कई हिस्सों में नहीं होगा कामकाज

मुंबई ।

अगर अगले हफ्ते बैंक से जुड़े कामकाज निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, 22 से 28 जून के बीच चार दिनों के लिए बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने जून महीने के लिए कुल 11 छुट्टियों की लिस्ट जारी की है, जिसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और धार्मिक अवकाश शामिल हैं। हालांकि, कुछ छुट्टियां राज्यों या क्षेत्रों के हिसाब से अलग होती हैं, लेकिन राष्ट्रीय छुट्टियों पर देश भर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। आरबीआई के हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार, अगले सप्ताह 25, 26, 27 और 28 जून 2026 को बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 25 और 26 जून को मुहर्रम के कारण देश के कई इलाकों में बैंक बंद रहेंगे। 25 जून को विजयवाड़ा में अवकाश रहेगा, जबकि 26 जून को अगरतला, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची और श्रीनगर सहित कई प्रमुख शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद, 27 जून को चौथा शनिवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 28 जून को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार हर दूसरे और चौथे शनिवार के साथ-साथ सभी रविवार को बैंक अनिवार्य रूप से बंद रहते हैं। जून 2026 में कुल चार रविवार और दो शनिवार (13 और 27 जून) अवकाश हैं। अतः, बैंक जाने से पहले अपनी योजना सुनिश्चित कर लें।

एचआरवी फार्मा ने बिना प्लांट बनाया 400 करोड़ का एपीआई कारोबार

कंपनी 50 से अधिक यूएसएफडीए-अनुमोदित साझेदारों के साथ काम करती है

नई दिल्ली ।

हैदराबाद की एचआरवी फार्मा ने फार्मा उद्योग के पारंपरिक मॉडल को चुनौती देते हुए बिना किसी विनिर्माण कारखाने के एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट (एपीआई) कारोबार में अपनी पहचान बनाई है। कंपनी ने नियामकीय मंजूरी प्राप्त 50 से अधिक विनिर्माण साझेदारों के साथ मिलकर एक वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसके दम पर उसने वित्त वर्ष 2025 में 400 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है। एचआरवी फार्मा के एक प्रमुख अ धिवकारी के अनुसार, यह मॉडल विनिर्माण परिसंपत्तियों के बजाय नियामकीय खुलासे और ग्राहक संबंधों पर केंद्रित है, जिसे उन्होंने दुनिया का पहला वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म बताया है। कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में 60-65 फीसदी सालाना वृद्धि दर्ज की है और 700 से अधिक वैश्विक ग्राहकों को सेवाएँ देती है। इसका लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये की आय तक पहुंचना है, जबकि वित्त वर्ष 2027 तक 550 करोड़ रुपये का राजस्व अनुमानित है। 1 लाख रुपए के शुरुआती निवेश से शुरू हुआ यह एसेट-लाइट ढांचा कंपनी को बिना बाहरी पूंजी के विस्तार करने में सक्षम बनाता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 291, निफ्टी 89 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 291.17 अंक बढ़कर 77,094.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89.80 अंक उछलकर प्रतिशत 24,102.90 पर बंद हुआ। आजज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.80 अंक बढ़कर 62,729.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.55 अंक उछलकर 18,897.00 पर बंद हुआ था। बाजार में डिफेंस और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी मीडिया मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं निफ्टी फार्मा,

निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी एनर्जी के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी के शेयरों में गिरावट रही।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ ही 94.60 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह यह पिछले बंद के स्तर से 4 पैसे कमजोर रहा। हालांकि, यह पिछले सप्ताह की मजबूती के बाद हुआ है, जब रुपये ने 0.8 फीसदी की शानदार वापसी की थी। यह लगभग 3 महीनों में उसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उस दौरान रुपया 94.18 के कई महीनों के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया था और मई के रिकॉर्ड निचले स्तर 97 से संभल गया था।

भ्रामक विज्ञापनों को लेकर स्टोरिया और इंग्लिश ओवन पर एक-एक लाख का जुर्माना

स्टोरिया के 100 फीसदी जूस और इंग्लिश ओवन के 100 फीसदी आटा ब्रेड के दावे झूठे पाए गए

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खाद्य उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड और इंग्लिश ओवन ब्रेड बनाने वाली मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने दोनों कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, वेबसाइट और सभी डिजिटल मंचों से इन गुमराह करने वाले दावों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। सीसीपीए ने स्टोरिया फूड्स के उन विज्ञापनों का स्वतः संज्ञान लिया, जिनमें उत्पादों को 100 प्रतिशत नारियल पानी, 100 प्रतिशत अनार या अन्य जूस बताया गया था। विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों पर प्रचारित इन उत्पादों की जांच में पाया गया कि उनमें पानी और केवल 9.6 प्रतिशत नारियल पानी का सांद्रण था, जो दावों के विपरीत था। इसी तरह, प्राधिकरण ने इंग्लिश ओवन ब्रेड के विज्ञापनों की भी जांच की, जिनमें ''100 प्रतिशत आटा ब्रेड'' जैसे दावे किए गए थे। कंपनी ने स्वयं स्वीकार किया कि उसके ब्रेड में सिर्फ 87 प्रतिशत गेहूं का आटा था। पैकेजिंग पर '100 प्रतिशत गेहूं का आटा' और जीरो मैदा जैसे दावे उपभोक्ताओं को यह आभास कराते थे कि उत्पाद पूरी तरह आटे से बना है, जो कि भ्रामक था। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि कंपनियों द्वारा किए गए दावे उत्पाद की वास्तविक सामग्री से मेल खाने चाहिए।

विदेशी मुद्रा आवक पर आरबीआई की पैनी नजर, बैंकों से मांगा दैनिक ब्योरा

बाजार को आंकड़ों के सार्वजनिक होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक-खाता (एफसीएनआर-बी) जमा, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा में उधारी से संबंधित आंकड़े रोजाना साझा करने का निर्देश दिया है। यह कदम विशेष रियायती योजना के तहत विदेशी मुद्रा आवक पर करीब से नज़र रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बैंकों को 22 जून, 2026 से हर दिन शाम 6 बजे तक वित्तीय बाजार परिचालन विभाग को यह डेटा जमा करना होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई इन आंकड़ों को नियमित अंतराल पर, संभवतः साप्ताहिक रूप से सार्वजनिक करेगा। विशेष योजना और आरबीआई का उद्देश्य- इस साल 8 जून से 30 सितंबर के बीच जमा किए गए एफसीएनआर (बी) जमा आरबीआई की स्वैप सुविधा के लिए पात्र होंगे, जिसमें केंद्रीय बैंक हेजिंग (जोखिम प्रबंधन) से जुड़ी लागत का वहन करेगा।

एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आरबीआई इस आमद पर करीबी नजर रखकर यह पता लगाना चाहता है कि क्या उसके नीतिगत उपाय बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आकर्षित कर पा रहे हैं और निर्धारित लक्ष्य हासिल हो रहे हैं या नहीं। आंकड़ों के सार्वजनिक होने से बाजार को इस उपाय के प्रभाव का सटीक आकलन करने में मदद मिलेगी।

पिछली योजनाओं से तुलना और भविष्य की संभावनाएं- अतीत में, 2013 की ऐसी ही एक योजना के दौरान आरबीआई ने केवल चार बार एफसीएनआर (बी) आमद के आंकड़े जारी किए थे, जिससे 26 अरब की आवक हुई थी।

2016 में भी इस योजना के जरिये 26 अरब डॉलर की आमद हुई थी, जिसकी अवधि तीन महीने से थोड़ी कम थी।

हालांकि, वर्तमान योजना की अवधि लगभग चार महीने है और विशेषज्ञ अधिक बार रिपोर्टिंग की उम्मीद कर रहे हैं।

नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2013 के बाद से विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की आबादी में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय मूल के निवेशक आमतौर पर कम 'कंट्री रिस्क प्रीमियम' की मांग करते हैं, जिससे यह योजना अधिक आकर्षक बन जाती है। नोमुरा का अनुमान है कि 2026 की एफसीएनआर (बी) योजना से 55 अरब की रिकॉर्ड आवक हो सकती है।

जिसका अधिकांश हिस्सा अगस्त-सितंबर में आने की संभावना है।

नोमुरा नोट में कहा गया है कि भले ही डॉलर महंगा हो गया है, फिर भी यह योजना निवेशकों को बड़े अवसर देगी जिससे बेहतर रिटर्न प्राप्त होंगे।

वित्त वर्ष 2025-26 में एफसीएनआर (बी) आमद में गिरावट दर्ज की गई थी, जो 7.08 अरब डॉलर से घटकर 94.6 करोड़ डॉलर रह गई थी, जबकि 31 मार्च 2026 तक कुल बकाया एफसीएनआर (बी) जमा 33.8

स्टील बर्ड हाई-टेक की आय में प्रीमियम हेलमेट की हिस्सेदारी में बढ़ेगी

अगले 5 साल में 2.5 करोड़ हेलमेट उत्पादन और 2,500 करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य

मुंबई ।

प्रमुख हेलमेट निर्माता स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया ने अपने प्रीमियम खंड की हिस्सेदारी को 2032 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी ने बढ़ती मांग के मद्देनजर अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष में स्टीलबर्ड की कुल आय 869 करोड़ रुपए थी, जिसमें प्रीमियम खंड का योगदान पांच प्रतिशत से भी कम रहा। कपूर ने बताया, प्रीमियम खंड अभी कुल बाजार का पांच प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में (2032 तक) प्रीमियम हेलमेट बाजार की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी का प्रीमियम ब्रांड 'इग्नाइट' है, जिसके हेलमेट 3,000 रुपए से शुरू होते हैं। इस वृद्धि को

भुनाने के लिए, स्टीलबर्ड अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस निवेश से कंपनी अपनी निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 2.5 करोड़ हेलमेट प्रति वर्ष करेगी और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य रखा है। स्टीलबर्ड के वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में सात और नोएडा में तीन विनिर्माण संयंत्र हैं, साथ ही एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र भी है।

घटती एफडी दरों के बीच चमकते यूएलआईपी, बैंक कर रहे ग्राहकों को आकर्षित

नई दिल्ली ।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर घटती ब्याज दरों के बीच, देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) की ओर तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।

बाजार से जुड़े बेहतर रिटर्न और बीमा सुरक्षा के संयोजन के कारण यूएलआईपी को एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

हाल के वर्षों में यूएलआईपी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जहां निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में इनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है। कभी भारी-भरकम शुल्क और कम रिटर्न के कारण इसकी छवि खराब थी, लेकिन आईआरडीए के सख्त नियमों ने इसमें कई सुधार किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी अवधि में इक्विटी आधारित यूएलपी ने औसतन 10-13 फीसदपी तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं से बेहतर माना जाता है।

रांची में नाबार्ड के आम महोत्सव में 100 टन से ज़्यादा आम बिके

तीन दिवसीय आयोजन ने जनजातीय किसानों को सीधा बाजार उपलब्ध कराया

रांची ।

झारखंड में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महोत्सव में विभिन्न किस्मों के 100 टन से अधिक आमों की बिक्री हुई, जिससे 60 लाख रुपये से अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया। 19 जून को शुरू हुए इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जनजातीय किसानों को उनके उत्पादों के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराना और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले आम खरीदने का अवसर प्रदान करना था। आमों की बिक्री औसतन 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से हुई। नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला घोष ने महोत्सव को उपभोक्ताओं और संस्थानों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफलता नाबार्ड की जनजातीय विकास और किसान उत्पादक संगठन (एफ्मीओ) प्रोत्साहन पहलों के प्रभाव को दर्शाती है। घोष ने उम्मीद जताई कि निर्यातक

और खाद्य प्रसंस्करण कंपनियां अब राज्य के जनजातीय किसानों द्वारा उत्पादित आमों पर ध्यान देंगे और उनके संग्रहण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग व निर्यात की संभावनाएं तलाशेंगे।

विदेशी निवेश आकर्षित करने को सेबी का बड़ा कदम, एफपीआई नियमों की होगी समीक्षा

एक शेयर में निवेश की अनुमति और यूबीओ नियमों में ढील संभव

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) देश में सुस्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर रहा है। अगस्त 2023 में लागू हुए अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) के विस्तृत खुलासा प्रावधानों और एफपीआई के लिए निवेश से संबंधित अन्य शर्तों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सेबी एफपीआई को एक ही शेयर में निवेश करने की अनुमति देने पर विचार कर सकता है। मौजूदा नियम के तहत एफपीआई को कम से कम तीन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है, जिससे कुछ विदेशी निवेशक असहज महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, नियमित यूबीओ की पहचान के लिए स्वामित्व सीमा में बदलाव पर भी बातचीत हो रही है। सेबी ने पहले यह अनिवार्य किया था कि जो एफपीआई अपने भारतीय प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा किसी एक कॉरपोरेट समूह में रखते हैं, उन्हें अतिरिक्त जानकारियां देनी होंगी। इस प्रावधान ने भी फंड प्रबंधकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी, हालांकि पिछले साल एयूएम सीमा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये कर नियमों में कुछ ढील दी गई थी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतिम लाभकारी स्वामित्व की पहचान की भी समीक्षा की जा सकती है। पीएमएलए के तहत, किसी कंपनी में 10 फीसदी से अधिक शेयर रखने वाले किसी भी व्यक्ति की गहन पहचान अनिवार्य है, जिसे 2023 में 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किया गया था। चूंकि दुनिया भर में यह सीमा 20 फीसदी है, इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप करने के सुझाव दिए जा रहे हैं। यह कदम विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच अहम है, जिन्होंने मई और जून में भारी बिकवाली जारी रखी है।

भारत का डेटा सेंटर बूम, 30 अरब डॉलर का निवेश, भविष्य की नींव

भारत में डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंचेगी

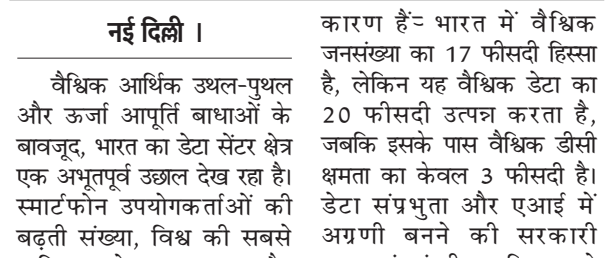

नई दिल्ली ।

वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं के बावजूद, भारत का डेटा सेंटर क्षेत्र एक अभूतपूर्व उछाल देख रहा है। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या, विश्व की सबसे अधिक डेटा खपत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वाकांक्षी मांगों से प्रेरित होकर, भारत 2030 तक अपनी डेटा सेंटर क्षमता को आठ गुना बढ़ाकर 8 गीगावाट तक पहुंचाने की राह पर है, जिसमें 30 अरब डॉलर से अधिक का पूंजीगत व्यय अपेक्षित है। भारत में फिलहाल 1 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है, जो इस वित्त वर्ष में दोगुनी हो जाएगी और 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक दिग्गज और अदाणी, रिलायंस, भारती, टाटा जैसे भारतीय समूह इस विस्तार में अग्रणी हैं। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं- भारत में वैश्विक जनसंख्या का 17 फीसदी हिस्सा है, लेकिन यह वैश्विक डेटा का 20 फीसदी उत्पन्न करता है, जबकि इसके पास वैश्विक डीसी क्षमता का केवल 3 फीसदी है। डेटा संप्रभुता और एआई में अग्रणी बनने की सरकारी महत्वाकांक्षाएं भी इस विस्तार को बल दे रही हैं। यह बूम विनिर्माण क्षेत्र (टर्बाइन, केबल, ट्रांसफॉर्मर निर्माता) और निर्माण क्षेत्र के लिए भी अपार संभावनाएं खोल रहा है। कमिंस जैसे डीजल जेनसेट निर्माता पहले से ही डीसी से 30-35 फीसदी घरेलू राजस्व कमा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण, डेटा सेंटर इंजीनियरों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और डीसीआईएम ऑपरेटरों सहित हजारों कुशल रोजगार पैदा करेंगे, जिससे बेरोजगारी संकट को कम करने में मदद मिलेगी। राज्य इन केंद्रों को आकर्षित करने के लिए होड़ कर रहे हैं, जो डिजिटल इंडिया के भविष्य की मजबूत नींव रखेंगे।

अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल के भाव तय करेंगे सोने-चांदी की दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है, जिसके अनुसार निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता और ऊर्जा बाजारों पर इन वार्ताओं का सीधा असर पड़ेगा। स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता पर बाजार की पैनी नजर रहेगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के अधिकारियों के साथ तनाव कम करने के उद्देश्य से बातचीत का नेतृत्व करेंगे। जानकारों का कहना है कि इन वार्ताओं का परिणाम निवेशकों के जोखिम लेने के रवैये और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा असर डालेगा, जिसका सीधा प्रभाव बहुमूल्य धातुओं पर दिखेगा। पिछले सप्ताह घरेलू जिंस बाजार में मजबूत रुपये और घटती मांग के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 2.2 फीसदी गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी 5.3 फीसदी की गिरावट के साथ 2.33 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि गिरती ऊर्जा कीमतें, मजबूत रुपया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त नीतिगत रुख ने सोने पर दबाव डाला। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना रहा, हालांकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने कुछ हद तक सोने को सहारा दिया। उनका कहना है कि बहुमूल्य धातुओं का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में है, क्योंकि बाजार विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति सहित अमेरिका-ईरान वार्ता के घटनाक्रम पर केंद्रित है।

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

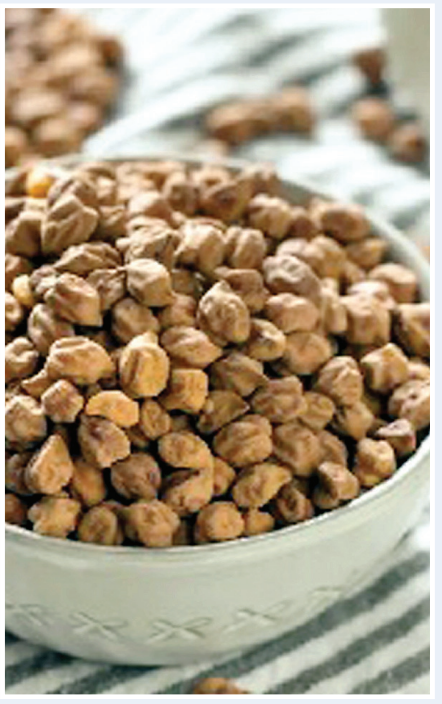

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज़्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

भारत की हार से निराश हैं कप्तान हरमनप्रीत, बोलीं-

दुर्भाग्य से हम कुछ मौके नहीं भुना सके

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 18वें मैच में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस हार के बाद फील्डिंग में चूके मौकों पर अफसोस जताया है। हालांकि, अभी भारत के पास लीग स्टेज में दो मैच शेष हैं। ऐसे में कप्तान ने सकारात्मक बने रहने पर जोर दिया है।

भारत की फिल्डिंग नहीं रही अच्छी

158/7 के स्कोर का बचाव करते हुए भारत की फील्डिंग अच्छी नहीं रही। ताजमिन ब्रिट्स का कैच 18 रन पर छूटा, जबकि मारिजाने को सब्स्टिट्यूट फील्डर राधा यादव ने 25 और 65 रन पर दो बार जीवनदान दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने भारत की फील्ड प्लेसमेंट का बखूबी फायदा उठाया और आसानी से बाउंड्री लगाई। मारिजाने ने 81 रन पर नाबाद रहते हुए साउथ अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

मौके नहीं भुना सके

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें बीच में कुछ मौके मिले, लेकिन दुर्भाग्य से हम उन्हें भुना नहीं सके। हालांकि, मुझे अभी भी लगता है कि हमारे दो मैच शेष हैं, और यही समय है सकारात्मक रहने और उन मुकाबलों के बारे में सोचने का। हम हमेशा बात करते हैं कि इस स्तर पर मौकों को भुनाना कितना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से किस्मत हमारे साथ नहीं थी।'

भारत के दो मैच बाकी

भारतीय टीम 25 जून को बांग्लादेश को चुनौती देगी, जिसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अभी भी हमारे दो मैच शेष हैं। अब उन मुकाबलों के बारे में सोचने का समय है। अगले मैच के लिए हमारे पास अभी भी दो-तीन दिन हैं। हम बैठकर सोचेंगे कि क्या करना है और उसी हिसाब से अपनी प्लेइंग इलेवन चुनेंगे।'

श्री चरणी-शेफाली की तारीफ

इस मैच में श्री चरणी ने चार ओवरों में 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने चार ओवरों में 22 रन देकर एक विकेट निकाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दोनों खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि श्री चरणी और शेफाली ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। वे चुनौतियां पैदा कर रही थीं, लेकिन दुर्भाग्य से बाकी गेंदबाजों ने उनका साथ नहीं दिया।'

मारिजाने की मैच जिताऊ पारी

हरमनप्रीत ने मारिजाने की मैच जिताऊ नाबाद 81 रन की पारी की अहमियत को मानते हुए कहा, 'वह शानदार खेलीं। उन्होंने हमसे मैच छीन लिया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दो अहम मौके भी दिए, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मुझे लगता है कि इस स्तर पर जब आप ऐसे मौके गंवाते हैं, तो कोई भी आपको आसानी से कुछ नहीं देता।

स्पिनर्स को लेकर बोलीं कप्तान

स्पिनर्स के ज्यादा इस्तेमाल पर हरमनप्रीत ने कहा, 'जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो गेंद थोड़ी टर्न हो रही थी। अगर आप अपने फिंगर स्पिनर्स का सही इस्तेमाल करते हैं, तो मुझे लगता है कि शेफाली और श्री चरणी ने बहुत अच्छा काम किया। दूसरे स्पिनर्स को भी सोचना होगा कि हमें कैसे गेंदबाजी करनी है, खासकर ऐसी पिचों पर।'

इंग्लैंड को डबल झटका

न्यूजीलैंड से हार के बाद क्यों चला आईसीसी का चाबुक

ओवल (एजेंसी)। ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 253 रन की करारी हार के बाद इंग्लैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काट दिए हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना भी लगाया गया है। आईसीसी के इस फैसले ने इंग्लैंड की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। अंक कटने के बाद टीम के कुल अंक घटकर 38 रह गए हैं, जबकि उसका अंक प्रतिशत 34.72 से गिरकर 26.38 हो गया है। इसके बावजूद इंग्लैंड फिलहाल सातवें स्थान पर बना हुआ है।

क्यों मिली सजा?

आईसीसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, समय भत्ते को ध्यान में रखने के बाद इंग्लैंड निर्धारित लक्ष्य से 12 ओवर पीछे पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से जुड़े मामलों में खिलाड़ियों पर प्रति ओवर पांच प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है। चूंकि इंग्लैंड 12 ओवर पीछे था, इसलिए अधिकतम सीमा के अनुसार खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नियम 16.11.2 के अनुसार प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है। इसी आधार पर इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक घटा दिए गए।

हेनरी ने इंग्लैंड को किया धराशायी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने ओवल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में पहला टेस्ट जीता था, लेकिन दूसरे टेस्ट में कीवी टीम ने जोरदार वापसी की। 463 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम अंतिम दिन 182/5 से आगे खेलने उतरी थी, लेकिन तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। हेनरी ने पारी में 6/29 विकेट लिए और मैच में कुल 11/109 विकेट अपने नाम किए। यह इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन है। साथ ही 35 टेस्ट के करियर में यह हेनरी का पहला 10 विकेट वाला मैच भी रहा।

जो रूट ने स्वीकार की गलती

मैच में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे जो रूट ने आरोप स्वीकार कर लिया। उन्होंने प्रस्तावित सजा को भी मान लिया, जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह सजा सुनाई। ऑन-फील्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर रॉड टकर तथा चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर यह आरोप लगाया था।न्यूजीलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक भी रही। इंग्लैंड दौरे के 95 साल के इतिहास में यह उसकी सिर्फ सातवीं टेस्ट जीत है। वहीं ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड की यह दूसरी जीत रही। इससे पहले उसने 1999 में यहां जीत दर्ज की थी।सीरीज का तीसरा और निर्णायक टेस्ट गुरुवार से नॉटिंघम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स टीम में लौट आए हैं और वह फिर कप्तानी संभालेंगे। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है।

लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई, महिलाओं में तन्वी संभालेंगी जिम्मेदारी

फुलरटन, एजेंसी। अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे।

सेन को दी गई दूसरी वरीयता

विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका

मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू के खिलाफ खेलेंगे।भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालिफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। 17 वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी, जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा।विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालिफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है।

रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक, ईरान से खेला ड्रॉ

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। बेल्जियम को 66वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब नाथन नगोय को रेड कार्ड दिखाया गया और टीम को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद ईरान भी बढ़त हासिल नहीं कर सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

बेल्जियम का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मैच में बेल्जियम ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी और लगातार ईरानी गोल पर हमला बोला। लंबे समय बाद शुरुआती एकादश में लौटे रोमेलू लुकाकू से टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बेल्जियम की तमाम कोशिशें ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के सामने बेअसर साबित हुईं।

ईरान ने भी बनाए मौके

रक्षात्मक रणनीति के साथ उतरी ईरानी टीम ने जवाबी हमलों में बेल्जियम को परेशान किया। पहले हाफ में मेहदी तारेमी ने शानदार मूव पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया था, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण गोल रद्द कर दिया गया। कप्तान तारेमी और हुसैन कनानी ने भी बेल्जियम की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया।

रेड कार्ड ने बदला मैच का रुख

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ 66वें मिनट में आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को सीधे रेड कार्ड दिखाया गया। तारेमी को गोल की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास में किए गए फाउल के कारण रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद बेल्जियम को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

अतिरिक्त खिलाड़ी का फायदा नहीं उठा सका ईरान

एक खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद ईरान निर्णायक गोल करने में नाकाम रहा। वहीं बेल्जियम ने भी शानदार संघर्ष दिखाते हुए मैच को बराबरी पर खत्म किया। दोनों गोलकीपरों ने कई महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी-अपनी टीमों को हार से बचाया।

ग्रुप-जी में बढ़ा रोमांच

दो मैचों के बाद ईरान और बेल्जियम दोनों के दो-दो अंक हैं। बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान शीर्ष स्थान पर है, जबकि बेल्जियम दूसरे नंबर पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड और मिस्र के पास भी नॉकआउट में पहुंचने का मौका बरकरार है, जिससे ग्रुप-जी की तस्वीर बेहद रोचक हो गई है।

हम रोनाल्डो को नहीं, सही खिलाड़ी को पास देते हैं

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 की निराशाजनक बराबरी के बाद टीम और खासकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। कई फुटबॉल विशेषज्ञों और प्रशंसकों का मानना है कि 41 वर्षीय रोनाल्डो की सीमित गतिशीलता पुर्तगाल के आक्रमण को प्रभावित कर रही है। हालांकि, टीम के युवा विंगर फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए रोनाल्डो का खुलकर बचाव किया है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी केवल रोनाल्डो को गेंद देने के दबाव में नहीं खेलते और मैदान पर हमेशा उसी खिलाड़ी को पास देते हैं जो बेहतर स्थिति में होता है। उज्बेकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले कॉन्सेसाओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें ऐसा महसूस नहीं होता कि हमें हर हाल में रोनाल्डो को गेंद देनी है। मैं गेंद उसी खिलाड़ी को पास करता हूं जो मुझे सबसे बेहतर स्थिति में और बिना मार्किंग के नजर आता है।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब पुर्तगाल के खेल को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं और रोनाल्डो की भूमिका पर लगातार बहस हो रही है। कॉन्सेसाओ ने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रेसिंग रूम में रोनाल्डो को किसी अलग श्रेणी में नहीं देखा जाता। उनके अनुसार टीम की सफलता सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'क्रिस्टियानो टीम के एक सदस्य हैं।

बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं 'बेबी बॉस'

दांबुला, एजेंसी। क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है।

वैभव ने फाइनल में दिखाया दम

हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से ज्यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए। फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था। वह 30-40 के स्कोर पर आउट हो रहे थे। इसके बाद मैदान पर श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ हुई कहासुनी ने उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। कुछ लोगों ने इसे उनकी अपरिपक्वता बताया तो कुछ ने अंदाजा लगाया कि इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, लेकिन वैभव ने जवाब शब्दों से नहीं, बल्ले से दिया।

फाइनल में बल्ले से दिया जवाब

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। पहले ही ओवर में मोहम्मद शिराज की गेंद पर शानदार चौका लगाकर उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद जो हुआ, वह किसी तूफान से कम नहीं था। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन ठोक डाले। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी स्ट्राइक रेट 324.14 रही, जो किसी भी स्तर के क्रिकेट में असाधारण मानी जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उन्होंने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऐसी पारी थी जिसने मैच का रुख बदल दिया और फाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। वैभव जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक वक्त तो भारत का प्रोजेक्टेड स्कोर 950 तक पहुंच गया था।

बड़े मैचों में अलग रूप दिखाते हैं

इस पारी को सिर्फ एक विस्फोटक पारी कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वैभव के पिछले एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक पैटर्न साफ दिखाई देता है, जब मुकाबला बड़ा होता है, तब उनका बल्ला और ज्यादा खतरनाक हो जाता है। अंडर-19 विश्व कप में उनका अभियान बहुत शानदार नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया।

यह प्रदर्शन बताता है कि दबाव की घड़ी में उनका आत्मविश्वास कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है।

आईपीएल में भी छोड़ी अमिट छाप

इसके बाद आईपीएल 2026 आया और वैभव ने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का एक और नमूना पेश किया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान वह मुकाबला हार गई, लेकिन वैभव की पारी लंबे समय तक चर्चा का विषय बनी रही। इन दोनों पारियों ने दिखा दिया कि वह सिर्फ युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं।

प्रेशर इज अ प्रिविलेज' को जी रहे हैं

आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली ने कहा था, 'प्रेशर इज अ प्रिविलेज' यानी दबाव एक विशेषाधिकार है। इसका मतलब यह है कि दबाव उन्हीं खिलाड़ियों पर होता है जिनसे लोगों को उम्मीदें होती हैं। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी पर भी करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरें हैं। हर बार जब वह बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है। इतनी कम उम्र में यह अपेक्षाएं किसी भी खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती हैं, लेकिन वैभव अब तक इन उम्मीदों के बोझ तले दबे नहीं हैं। बल्कि उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वह इस दबाव का आनंद लेते हैं और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मानते हैं।

भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा

वैभव सूर्यवंशी अभी अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां ही चढ़ रहे हैं। उन्हें तकनीक, स्वभाव और निरंतरता के मामले में अभी बहुत कुछ सीखना है। लेकिन एक गुण जो उनमें अभी से दिखाई देता है, वह है बड़े मौकों पर निडर होकर खेलने की क्षमता।शायद यही वजह है कि क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं। अगर उनका यह रवैया और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा खिलाड़ी मिल सकता है, जो दबाव में टूटता नहीं, बल्कि और चमकता है।

दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे बड़ा तोहफा

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में लगी है। इसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। हाल ही में इम्तियाज अली ने फिल्म की कहानी और युवाओं के इस फिल्म से जुड़ने को लेकर बात की। इम्तियाज अली का कहना है कि वे जब भी अखबार उठाते, तो उन्हें पता होता था कि वे विस्थापन और तबाही की सुर्खियों को बंटवारे की अपनी कहानी से जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इस सोच को 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म में साकार किया। यह फिल्म अतीत से वर्तमान और उपमहाद्वीप से लेकर बाकी दुनिया तक का सफर तय करती है।

इम्तियाज अली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं लगातार पढ़ रहा था कि कहीं तबाही मची है, कहीं लड़ाई हो रही है और बहुत से लोग बेघर होकर शरणार्थी बन रहे हैं और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि बंटवारे के समय भी ठीक ऐसा ही हुआ था'। हालिया रिलीज फिल्म को मिला रिस्पॉन्स शायद उनके लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है। युवा दर्शक शांति से बैठकर फिल्म और उसकी कहानी जुड़ रहे हैं, जिसमें एक 95 वर्षीय बुजुर्ग सरहद के उस पार छूटे अपने प्यार को याद कर रहा है।

'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'लव आज कल' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज अली इन दिनों 'मैं वापस आऊंगा' के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सिनेमाघरों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक संतोषजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि मैं जो कहना चाहता था, वह लोगों तक पहुंच गया है। मैंने कभी दर्शकों को फिल्म इतनी शांति से देखते हुए नहीं देखा। मेरी सभी सफल फिल्मों में भी, लोगों की आदत होती है कि वे इधर-उधर हिलते-डुलते रहते हैं। इस बार, वे सच में ध्यान दे रहे हैं, युवा लोग ध्यान दे रहे हैं। वे इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और फिल्म को इतना पसंद कर रहे हैं'।

रिश्तों पर अपनी खास समझ के लिए मशहूर डायरेक्टर इस बात से बहुत खुश हैं कि कहानी का मुख्य हिस्सा 'आत्मीयता और स्नेह', युवाओं को पसंद आया है। निर्देशक ने कहा, 'मैंने कई बार कहा है कि आज की पीढ़ी को थोड़ा खोया-खोया सा महसूस होता है, क्योंकि उन्हें ऐसा प्यार नहीं मिल पाता जो लंबे समय तक चले। इसे वे अपने दिल में संजोकर रख सकें, जैसे पुराने जमाने का प्यार या पुराना संगीत। वह चाहत, वह तड़प, किसी एक इंसान का साथ और उसके साथ रहना। वे इन चीजों से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अलग-अलग पीढ़ियों के बीच के उन रिश्तों को खोजने के बारे में है, जिन्हें समझना हमारे आज के लिए जरूरी है।

'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उनके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन अभिनेत्री का मानना है कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं।

हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उनके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए तमन्ना भाटिया के घर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने तमन्ना के करियर, उनके लोकप्रिय गानों और अभिनय के सफर को लेकर बातचीत की। बातचीत के दौरान जब 'कावाला' गाने का जिक्र आया, तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी।''

तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं।''

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''तमन्ना उन लोगों में से हैं, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं।''

इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के लिए पूरी मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है।'' इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, ''इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।''

बता दें कि 'कावाला' गाने का म्यूजिक संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया था। इसके बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे थे, जबकि इसे मशहूर गायिका शिल्पा राव ने गाया था। वहीं, 'स्त्री 2' फिल्म के सुपरहिट गाने 'आज की रात' का म्यूजिक सचिन-जिगर ने कंपोज किया था। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे थे और इसमें मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी थी।

'जेलर 2' में होगा ऋतिक रोशन का धमाकेदार कैमियो

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी आई है। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले थे, लेकिन समय की कमी और डेट्स की दिक्कत की वजह से अब उनकी जगह ऋतिक रोशन नजर आएंगे। 40 साल बाद साथ नजर आएंगे ऋतिक और रजनीकांत

ऋतिक रोशन और रजनीकांत पूरे 40 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले दोनों साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक ने एक बाल कलाकार के रूप में रजनीकांत के गोद लिए हुए बेटे का रोल निभाया था।

ऋतिक रोशन ने इस फिल्म के लिए हां कह दिया है। वे 22 और 23 जून को चेन्नई में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। फिल्म में उनका रोल एक्शन से भरपूर होगा और कहानी के लिए बहुत जरूरी होगा।

'जेलर 2' में पहले से ही मोहनलाल, शिव राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन, विद्या बालन और योगी बाबू जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं। अब ऋतिक के शामिल होने से फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। अगस्त 2025 में आई फिल्म 'वॉर 2' के बाद ऋतिक का यह पहला प्रोजेक्ट होगा। ऋतिक हमेशा से रजनीकांत के साथ दोबारा काम करना चाहते थे, और इस फिल्म से उनका यह सपना पूरा हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं और इसे सन पिक्चर्स बना रही है। मेकर्स इस फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

कल्कि 2898 एडी से दीपिका के अलग होने के बाद आलिया की एंट्री

बॉलीवुड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बनी हुई है। हाल ही में फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका के फिल्म से अलग होने के बाद आलिया भट्ट की इसमें एंट्री हुई है। आलिया के किरदार को लेकर भी तमाम अटकलें लग रही हैं।

अभी तक फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स ने आलिया भट्ट के नाम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा है कि आलिया भट्ट फिल्म में वैष्णो देवी का किरदार निभा सकती हैं। वह फिल्म में सुमति (दीपिका पादुकोण का किरदार) के बच्चे की रक्षा करेंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट ने नाग अश्विन निर्देशित इस साइंस-फिक्शन और माइथोलॉजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, कुछ सीन्स उन्होंने शूट किए हैं। आलिया के फैंस जरूर इस बात को लेकर खुश है कि वह 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बन रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा है कि फिलहाल आलिया की कास्टिंग को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि 'कल्कि 2898 एडी' में दीपिका पादुकोण ने बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी की केंद्र माना गया था। सीक्वल में भी उसके बड़े विस्तार की उम्मीद थी लेकिन सितंबर 2025 में निर्माताओं ने बयान जारी कर बताया कि दीपिका अब फिल्म के दूसरे भाग का हिस्सा नहीं होंगी। मेकर्स ने अपने बयान में कहा था कि आपसी सहमति और काफी विचार-विमर्श के बाद दोनों पक्षों ने अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है।

मैं हमेशा अर्थपूर्ण प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो-पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए। अभिनेत्री शहनाज गिल ने कहा, ''अच्छे कलाकारों के साथ काम करना हमेशा सीखने का मौका देता है और ऐसे अनुभव से कलाकार खुद को बेहतर बना पाते हैं। मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं, जो ज्यादा अर्थपूर्ण हों, ताकि अभिनय में और गहराई लाई जा सके।'' शहनाज ने कहा, ''मैं फिल्म में एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जिसका नाम टोरी है। वह बहुत ही मजबूत और साहसी लड़की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यह भूमिका मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और अलग अनुभव रही है।''

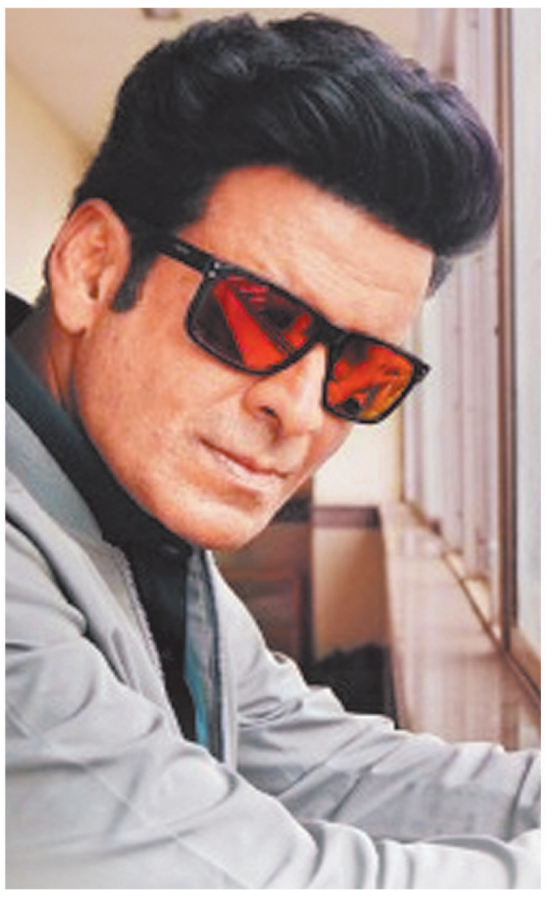

हॉलीवुड फिल्म मिलना ही बड़ी कामयाबी नहीं

भारत में अगर किसी कलाकार को छोटा सा भी हॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल जाए, तो उसे बड़ी कामयाबी मान लिया जाता है। लेकिन मनोज बाजपेयी की सोच इससे बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि हम आज भी इस सोच से बाहर नहीं निकल पाए हैं कि पश्चिम जो कर रहा है, वही सबसे बेहतर है।

हम आज भी कॉलोनियल मानसिकता से बाहर नहीं आए

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'देखिए, वो एक मानसिकता है, जिसका शिकार हम हमेशा से रहे हैं। एक तरह की कॉलोनियल मानसिकता, जिसे हम आज तक पूरी तरह छोड़ नहीं पाए हैं। हमें हमेशा लगता है कि जो वो कर रहे हैं, वही बेहतर है...वही बड़ा है। हम लगातार उसी से मुकाबला करने की कोशिश करते रहते हैं।'

आज इंडस्ट्री में कई कलाकार विदेशी प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता मानते हैं। लेकिन मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने कई बार हॉलीवुड के ऑफर ठुकरा दिए, क्योंकि काम उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, 'बहुत बार हुआ है। अच्छे रोल्स नहीं आते हैं। और जब अच्छी फिल्में नहीं बन रही होती हैं, तो उसी तरह के लोग संपर्क करते हैं जो वहां भी बहुत अच्छा नहीं कर रहे होते। कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में बात बनते-बनते रह गई, लेकिन उसके बारे में क्या बात करनी।'

अगर कभी किताब लिखी, तो इसी पर लिखूंगा

मनोज बाजपेयी का कहना है कि अगर कभी उन्हें कुछ गंभीरता से लिखने का मौका मिला, तो वह भारतीय कलाकारों पर हॉलीवुड के असर को ही विषय बनाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर कभी शिद्दत के साथ कुछ लिखना चाहूंगा, तो मैं इस बात पर लिखना चाहूंगा कि एक भारतीय अभिनेता कैसे पूरी तरह अमेरिकी या हॉलीवुड से प्रभावित एक्टिंग के असर से बच सकता है। क्योंकि हमारे यहां जो गंभीर क्रिटिक्स हैं, वो भी अक्सर अच्छी एक्टिंग का रेफरेंस हॉलीवुड को ही मानते हैं। जैसे अच्छी एक्टिंग का एक ही पैमाना हो। लेकिन ऐसा नहीं है। एक्टिंग के बहुत सारे रास्ते हैं... बहुत सारे ट्रैक हैं, और उनमें से किसी एक को ही अंतिम सच नहीं माना जा सकता।'

हमारे यहां एक्टिंग को लेकर सोच गलत है

मनोज बाजपेयी का मानना है कि भारत में अक्सर अंग्रेजी फिल्मों जैसी एक्टिंग को ही अच्छा अभिनय समझ लिया जाता है, जबकि यहां के लोगों का तरीका और व्यवहार बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, 'मेरी दिक्कत ये है कि एक्टिंग के नाम पर ज्यादातर लोग अंग्रेजी फिल्मों में जो देखते हैं, उसी को अच्छी एक्टिंग मान लेते हैं। लेकिन भारतीय अभिनय इसलिए अलग है क्योंकि यहां के लोगों के एक्सप्रेशन अलग हैं, बातचीत करने का तरीका अलग है, व्यवहार अलग है।'

मेरी फिल्मों में आपको हिंदुस्तानी आदमी दिखेगा

मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि उनके किरदार पूरी तरह भारतीय लगें, किसी विदेशी स्टाइल की कॉपी नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं लगातार इसी सोच पर काम करता रहा हूं। इसलिए अगर आप मेरी ज्यादातर फिल्में देखेंगे, तो आपको उनमें एक हिंदुस्तानी आदमी दिखाई देगा। वो ऐसा बिल्कुल नहीं लगेगा कि किसी और देश का किरदार निभाया जा रहा है और सिर्फ उसका नाम भारतीय रख दिया गया है। इसी वजह से 'सत्या', 'शूल' या खासकर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्में इतनी खास हैं। ये बहुत खालिस भारतीय फिल्में हैं। उनके किरदार, उनके परफॉर्मेंस, उनकी भाषा, उनका व्यवहार- सब कुछ भारतीय समाज से निकलकर आता है। जब भी आप इस तरह की फिल्म बनाएंगे, तो उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी, क्योंकि उसमें अपनी अलग पहचान होगी।'

नए एक्टर्स को मनोज की सलाह

नई पीढ़ी के कलाकारों को मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि एक्टिंग सीखने के लिए बाहर देखने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले अपने आसपास के लोगों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। बेसिक ग्रामर तो आप सीख सकते हैं। उसके लिए आपको बहुत दूर जाने की जरूरत भी नहीं है। बस अपने आसपास के लोगों को देखिए, अपनी जिंदगी को देखिए। कोई भी आदमी यहां हॉलीवुड के किसी एक्टर या एक्ट्रेस की तरह बात नहीं करता। यही सबसे बुनियादी बात है। आप जिस परिवार से आते हैं, जिन लोगों के बीच बड़े हुए हैं, उनका व्यवहार देखिए। लोग एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं, कैसे रिएक्ट करते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अपना नया विमान 'एयरफोर्स-1' दिखाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को नया एयरफोर्स वन विमान दिखाया। यह विमान पहले कतर सरकार के पास था। पिछले साल मई में कतर ने बोइंग 747 का यह आधुनिक मॉडल ट्रम्प को उपहार में दिया था। बाद में इसे अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान के रूप में तैयार किया गया। मैरीलैंड के जॉइंट बेस एंड्रयूज में ट्रम्प ने इस विमान को दुनिया का सबसे शानदार राष्ट्रपति विमान बताया। उन्होंने कहा, 'इस विमान को उड़ते हुए व्हाइट हाउस की तरह बनाया गया है। इतनी लग्जरी शायद दुनिया ने पहले कभी नहीं देखी होगी।' नए विमान का रंग-रूप मौजूदा एयर फोर्स वन से पूरी तरह अलग है। पुराने विमान के हल्के नीले रंग की जगह इसके निचले हिस्से को गहरे नेवी ब्लू रंग से रंगा गया है, जबकि उसके ऊपर लाल पट्टी बनाई गई है। विमान के उस हिस्से पर, जहां से राष्ट्रपति चढ़ते हैं, राष्ट्रपति की आधिकारिक मुहर लगाई गई है। वहीं पिछले हिस्से पर अमेरिकी झंडा बनाया गया है। ट्रम्प ने कहा कि जब यह प्लेन लंदन, जर्मनी या दुनिया के किसी अन्य एयरपोर्ट पर उतरेगा तो कोई भी इसकी बराबरी नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा, 'हमारे देश का प्रतिनिधित्व इसी तरह होना चाहिए। रंग और डिजाइन मेरी पसंद के हैं, यह मैं मानता हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि नया एयर फोर्स वन अगले महीने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान फ्लाईपास्ट करेगा।

अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दो... इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का ट्रंप पर तीखा पलटवार

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को ट्रंप ने फोटो लेने वाले दावे को फिर से दोहराया। ट्रंप के दावे पर मेलोनी भी शांत नहीं बैठी, पलटवार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर फिर से पोस्ट किया और लिखा कि फ्रांस में त्र-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ फोटो खिंचवाने के लिए कहा। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है। मेलोनी ने अपने पोस्ट में ट्रंप पर पलटवार करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप, ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले बेमतलब हैं। जहां तक मेरी लोकप्रियता की बात है, तो आपका दोस्त होने से इसमें कोई मदद नहीं मिली है और न ही यह आपके साथ मेरे रिश्तों पर निर्भर करती है। मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है। इटली में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के मामले में भी मैंने यही किया। उनके इस्तेमाल से जुड़े समझौतों का हमने हमेशा सम्मान किया है, और जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, उनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें। फ्रांस में जी-7 मीटिंग के दौरान इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने बार-बार मेरे साथ तस्वीर खिंचवाने की गुजारिश की। इटली में उनकी लोकप्रियता का स्तर गिर रहा है, शायद इसलिए क्योंकि जब ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने या बनाने से रोकने की बात आई, तो उन्होंने अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया। उन्होंने हमें इटली के लैंडिंग स्ट्रिप्स या रनवे का इस्तेमाल भी नहीं करने दिया, जिससे बहुत बड़ी लॉजिस्टिकल दिक्कत हुई। ट्रंप ने आगे लिखा, यह तब हुआ जब अमेरिका इटली और दूसरे तथाकथित [illegible] सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करता है। अब जब अमेरिका ने ईरान को सैन्य रूप से हरा दिया है, तो वह अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए फिर से दोस्ती करना चाहती हैं।

जासूसी में फ्रांस ने बंद किए चीन के नौ गुप्त केंद्र, दो लोग निष्कासित

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने देश में संचालित चीन के नौ गुप्त केंद्रों को बंद कर दिया है। फ्रांसीसी अधिकारियों का आरोप है कि ये केंद्र सांस्कृतिक, सामुदायिक और व्यावसायिक संगठनों की आड़ में काम कर रहे थे और चीन सरकार के आलोचकों तथा प्रवासी चीनी नागरिकों पर नजर रखने का काम करते थे। मामले में तीन लोगों की पहचान की गई है, जिन पर इस नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है। इनमें से दो को फ्रांस से निष्कासित कर दिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस की खुफिया एजेंसियों ने जांच के बाद इन केंद्रों का पता लगाया। इनमें से अधिकांश पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में संचालित हो रहे थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि ये केंद्र चीन की सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था के अनौपचारिक विस्तार के रूप में काम कर रहे थे। जांच तब तेज हुई जब वर्ष 2024 में चीन के एक असंतुष्ट नागरिक लिंग हुआझान को जबरन चीन भेजने की कोशिश की गई। फ्रांसीसी पुलिस ने इस प्रयास को विफल कर दिया था।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर दे सकते हैं इस्तीफा, क्यों आई नौबत, कौन बनेगा अगला प्रधानमंत्री?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में जारी गहरे राजनीतिक गतिरोध के बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की संभावना है। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द ऑब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में वरिष्ठ लेबर पार्टी के सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। हालांकि, सरकारी सूत्रों का कहना है कि स्टार्मर का पूरा ध्यान अभी भी सरकार चलाने और अपनी जिम्मेदारियों पर केंद्रित है।

आपको बता दें कि पिछले कई महीनों से प्रधानमंत्री स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी के भीतर ही असंतोष पनप रहा था, जो शुक्रवार को उस समय चरम पर पहुंच गया जब उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी एंडी बर्नहैम ने उपचुनाव में संसद की सीट जीत ली। इस जीत के बाद बर्नहैम के लिए स्टार्मर के खिलाफ औपचारिक रूप से नेतृत्व की चुनौती पेश करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री स्टार्मर इस समय अपने आधिकारिक ग्रामीण निवास चेकर्स में हैं और कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले अपनी पत्नी के साथ इस विषय पर गहन चर्चा कर रहे हैं। लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को उम्मीद है कि सोमवार तक उनके भविष्य को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्मर ने कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, चंदा देने वाले दानदाताओं और ट्रेड यूनियन के नेताओं से बातचीत के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि प्रधानमंत्री पद पर बने रहने के लिए उनकी स्थिति अब व्यावहारिक नहीं रह गई है। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को स्टार्मर ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वे अपनी लीडरशिप के खिलाफ किसी भी चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने लेबर पार्टी से गुटबाजी और आपसी कलह में न उलझने की अपील भी की थी। रिकॉर्ड गिरावट पर पहुंची कीर स्टार्मर की लोकप्रियता साल 2024 के आम चुनाव में वाम-झुकाव वाली लेबर पार्टी को प्रचंड बहुमत से ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले कीर स्टार्मर बहुत कम समय में बेहद अलोकप्रिय हो चुके हैं। सरकार के कई घोटालों, विवादों और अपनी ही नीतियों से बार-बार पीछे हटने के कारण मतदाताओं में यह संदेश गया है कि स्टार्मर जनता के जीवन स्तर को सुधारने के अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

रॉयटर्स के आंकड़ों के मुताबिक, लेबर पार्टी के ही 100 से अधिक निर्वाचित सांसद सार्वजनिक रूप से स्टार्मर के इस्तीफे या उनके हटने का शेड्यूल तय करने की मांग कर चुके हैं। यदि स्टार्मर इस्तीफा देते हैं या उन्हें पद से हटाया जाता है तो ब्रिटेन को पिछले एक दशक में अपना सातवां प्रधानमंत्री मिलेगा। सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली और अवैध अप्रवासन जैसी समस्याओं से जूझ रहे ब्रिटिश इतिहास में यह पिछले दो सौ वर्षों में सबसे कम समय में सबसे अधिक प्रधानमंत्री बदलने का रिकॉर्ड होगा।

कतार में हैं एंडी बर्नहैम और वेस स्ट्रीटिंग : 56 वर्षीय एंडी बर्नहैम को लेबर पार्टी में स्टार्मर के सबसे मजबूत उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। उत्तरी इंग्लैंड में ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर के रूप में अपनी मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करने वाले बर्नहैम ने शुक्रवार को मेकरफील्ड उपचुनाव में दक्षिणपंथी लोकलुभावन नेता नाइजेल फराज की 'रिफॉर्म यूके' पार्टी को करारी शिकस्त देकर संसद में वापसी की है।

बर्नहैम ने अभी तक सीधे स्टार्मर को चुनौती नहीं दी है, लेकिन अपने विजय भाषण में उन्होंने देश के लिए एक नए रास्ते का वादा किया है। उनके समर्थकों ने स्टार्मर से गरिमा के साथ खुद पद छोड़कर सत्ता सौंपने की अपील की है। 'द टाइम्स' अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि बर्नहैम देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे सबसे पहले वित्त मंत्री राहेल रीव्स को बर्खास्त कर सकते हैं, क्योंकि बर्नहैम के सलाहकारों का मानना है कि रीव्स की नीतियां देश में जरूरी बदलाव लाने के अनुकूल नहीं हैं।

ईरान ने फिर होर्मुज स्ट्रेट बंद किया, लेबनान में इजराइली हमलों के जवाब में उठाया कदम

दुबई, एजेंसी। लेबनान में इजराइल के लगातार हमलों से ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते पर ग्रहण लग सकता है. इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया है. ईरानी सेना ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम लेबनान में इजराइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की 'बदनीयती' और युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन के कारण उठाया गया है. ईरानी सेना ने सरकारी टेलीविजन पर दिए गए बयान में चेतावनी भी दी, 'अगर आक्रामकता जारी रहती है, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है.' ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शनिवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और जहाजों को जलडमरूमध्य के पास न जाने की चेतावनी दी है और कहा है कि उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है. एक बयान में, [illegible] नेवी ने लेबनान में इजराइल के हमले और अमेरिका द्वारा युद्धविराम के अपने वादे तोड़ने को इस अहम जलमार्ग को बंद करने का कारण बताया. गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद जहाजों और तेल टैंकरों ने महत्वपूर्ण चोक पॉइंट होर्मुज से गुजरना शुरू कर दिया था. इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं का विरोध प्रदर्शन: ढाका में गूंजे 'जय श्री राम' के नारे, सड़कों पर उतरे लोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। राजधानी ढाका में शुक्रवार को हजारों हिंदू समुदाय के लोगों ने भगवान राम की तस्वीर के कथित अपमान और एक प्रस्तावित विशाल राम मूर्ति परियोजना को रोके जाने के विरोध में प्रदर्शन किया।

ढाका में निकाला गया मशाल जुलूस : हिंदू संगठनों के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग ढाका के शाहबाग क्षेत्र में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकाला और विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रदर्शनकारी नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च करते हुए पहुंचे, जहां मानव श्रृंखला बनाकर विरोध दर्ज कराया गया।

क्या है विवाद का कारण : प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा क्षेत्र में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर का अपमान किया गया था। उनका कहना है कि मामले में शिकायत दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे समुदाय में नाराजगी बढ़ी है।

राम मूर्ति परियोजना क्यों चर्चा में है : उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी क्षेत्र में एक मंदिर परिसर में 81 फीट ऊंची भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण प्रस्तावित था। परियोजना से जुड़े लोगों का दावा है कि विरोध और कथित धमकियों के कारण निर्माण कार्य रोक दिया गया है। इस परियोजना में भगवान कृष्ण और भगवान शिव की बड़ी प्रतिमाएं भी प्रस्तावित बताई गई हैं। हिंदू संगठन ने सरकार से कथित अपमान मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और मूर्ति निर्माण कार्य को दोबारा शुरू कराने की मांग की है। हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई है। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से संबोधित किए जाने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक सौहार्द और विश्वास कायम रह सके।

पोलैंड के राष्ट्रपति ने जेलेंस्की से सम्मान वापस लिया: यूक्रेनी अधिकारी नाराज; क्या रूस के दबाव में हुआ फैसला?

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोत्स्की द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस लेने के फैसले पर यूक्रेन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि मॉस्को चाहता है कि यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़ें। राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेलेंस्की से 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल' सम्मान वापस लिया जाएगा। यह फैसला जेलेंस्की द्वारा यूक्रेन की एक सैन्य इकाई का नाम 'यूक्रेनियन इंसर्जेंट आर्मी' (यूपीए) के नाम पर रखने के बाद लिया गया।

2023 में जेलेंस्की को मिला था सम्मान : यह सम्मान पूर्व पोलिश राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने वर्ष 2023 में जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और रूस के खिलाफ संघर्ष में उनके योगदान के लिए दिया था। विवाद की जड़ मई में जारी वह आदेश है, जिसमें जेलेंस्की ने यूक्रेन की विशेष सैन्य बलों की एक इकाई का नाम यूपीए के नाम पर रखा था। यूपीए 1940 और 1950 के दशक में सक्रिय संगठन था, जिस पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या के आरोप हैं।

'यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन नहीं होगा कम' : राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने कहा कि पोलैंड के अधिकांश लोगों के लिए यूपीए एक ऐसा संगठन है, जो युद्धकाल में पोलिश नागरिकों के खिलाफ क्रूर अपराधों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन कम हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख किरिलो बुडानोव ने इस कदम को यूक्रेनी जनता के प्रति 'अमित्र व्यवहार' बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जिसका इस्तेमाल रूस दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने के लिए करेगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इसे पोलैंड के राष्ट्रपति की 'रणनीतिक गलती' बताया। वहीं पोलैंड में यूक्रेन के राजदूत वासिल बोदनार ने कहा कि ऐसे समय में यह फैसला बेहद दुखद है, जब यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है।

शहीद बच्चों की कसम लेकर अमेरिका से बातचीत करने पहुंचे गालिबाफ; स्विट्जरलैंड में होगी पहली बैठक

ज्यूरिख, एजेंसी। ईरानी संसद के अध्यक्ष एमबी गालिबाफ ने स्विट्जरलैंड में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ होने वाली तकनीकी वार्ता से पहले मिनाब स्कूल घटना के पीड़ितों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी कुर्बानी वॉशिंगटन के साथ होने वाली बातचीत के दौरान इस्लामी गणराज्य ईरान के कदमों का मार्गदर्शन करेगी। यह वार्ता पश्चिम एशिया में शत्रुता समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की जा रही है।

'मिनाब के शहीद बच्चों की याद के साथ वार्ता में पहुंचे गालिबाफ' : एक्स पर किए गए एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि वह और ईरानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता की तैयारी करते समय मिनाब के बच्चों और अन्य ईरानी शहीदों की स्मृतियों को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं मिनाब के निर्दोष बच्चों और प्रिय ईरान के सभी शहीदों को अपना हर कार्य और व्यवहार हर पल देखते हुए महसूस करता हूं। वे हमें देख रहे हैं और हमसे अपेक्षाएं रखते हैं। ईश्वर न करे कि मैं कभी निर्दोष शहीदों और ईरान की जनता को शर्मिंदा करूं। उन्होंने पोस्ट में 'मिनाब168' हैशटैग का उपयोग किया और संदेश को मिनाब स्कूल के बच्चों की स्मृति को समर्पित किया। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब ईरान का प्रतिनिधिमंडल समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका के साथ पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड पहुंचा है। 'समझौते के बाद पहली तकनीकी वार्ता के लिए ज्यूरिख पहुंचा प्रतिनिधिमंडल' ईरान के सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गालिबाफ कर रहे हैं। इसमें विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची, सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिवालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपप्रमुख अली बाघेरी, केंद्रीय बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती, उप तेल मंत्री और नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के अध्यक्ष हमीद बोर्डे, उप विदेश मंत्री काज़ेम गरीबाबादी तथा विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई समेत कई अधिकारी शामिल हैं।

अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को लागू करने की समीक्षा पर रहेगा फोकस' प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा अमेरिका द्वारा कूटनीतिक समझ के तहत किए गए वादों को लागू करने की समीक्षा और अनुवर्ती कार्रवाई के उद्देश्य से की जा रही है। वार्ता प्रतिनिधिमंडल के प्रवक्ता और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि प्रस्थान से पहले वार्ता का मुख्य फोकस पहले से तय प्रतिबद्धताओं के पालन को सुनिश्चित करना होगा। [illegible] के अनुसार, बघाई ने कहा, 'हर समझौते और सहमति की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके क्रियान्वयन का समय आता है। वादाखिलाफी के पुराने अनुभवों से सतर्क है ईरान' उन्होंने आगे कहा कि ईरान दूसरी तरफ से होने वाले अनुपालन पर कड़ी नजर रखेगा और अतीत में वादे पूरे न होने के अनुभवों को ध्यान में रखेगा। इस्माइल बघाई ने कहा, 'दूसरे पक्ष द्वारा वादाखिलाफी के हमारे अनुभव को देखते हुए, हमें उनकी प्रतिबद्धताओं की पूर्ति को गंभीरता से आगे बढ़ाना होगा।' 'स्विट्जरलैंड ने वार्ता प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत' प्रतिनिधिमंडल के स्विट्जरलैंड पहुंचने के बाद वहां के विदेश मंत्रालय ने उनका स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान, फिर चीन का सफर; भारत ने भी दिया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान अपनी विदेश नीति को चुनते हुए दिख रहे हैं। आम तौर पर बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद पर निर्वाचित होने वाला व्यक्ति पहली विदेश यात्रा के लिए भारत या चीन का दौरा करता है। लेकिन महीनों से इस पहेली का हल खोज रहे तारिक रहमान ने अपना रास्ता चुन लिया है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया जाएंगे। फिर वहाँ से वह चार दिवसीय चीन दौरे पर जाएंगे। यहां वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात करेंगे। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री तारिक रहमान रविवार को मलेशिया के लिए रवाना होंगे। यहाँ दो दिन तक उनके कार्यक्रम चलेंगे। इसमें दोनों देशों के बीच में व्यापार, निवेश, एनर्जी सेमीकंडक्टर को लेकर चर्चा तेज होगी। दो दिवसीय दौरे को पूरा करने के बाद रहमान चार दिवसीय चीन यात्रा पर जाएंगे। यहां पर वह विश्व आर्थिक मंच की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से बातचीत करेंगे।

तीस्ता नदी के प्रोजेक्ट पर हो सकता है फैसला : प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा को लेकर बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय की तरफ से भी जानकारी सामने आई है। विदेश मंत्रालय के सचिव असद आलम सियाम के मुताबिक चीन और बांग्लादेश के बीच इस यात्रा के दौरान 17 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद हैं। इसमें तीस्ता नदी के मैनेजमेंट, ड्रेजिंग सिस्टम और तटबंध को लेकर भी चर्चा होगी। इसके अलावा बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह को भी विकसित करने पर बात होगी। बता दें, शेख हसीना के समय तीस्ता नदी के मैनेजमेंट के लिए भारत सरकार और तत्कालीन बांग्लादेश सरकार में एक सहमति बन गई थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह डील भी ठंडे बस्ते में चली गई। चूंकि तीस्ता नदी परियोजना भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक है। ऐसे में भारत की भी इस पर नजर रहती है। अब अगर चीन इसके करीब आता है, तो यह भारत के लिए परेशानी की बात होगी।

भारत ने दिया था न्योता, लेकिन बांग्लादेश की 'न' : शेख हसीना से मजबूत संबंधों और भारत में उनकी मौजूदगी से दोनों देशों के बीच में संबंध तनाव पूर्ण हैं। हालांकि, जब आम चुनाव में तारिक रहमान की पार्टी जीतकर आई तो प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक पहल करते हुए सबसे पहले तारिक रहमान को बधाई दी। इसके बाद उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी भेजा गया। यहां पर रहमान को भारत आने का न्योता भी दिया गया। लेकिन रहमान ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत के पड़ोसी देशों में आम तौर पर यह प्रवृत्ति पाई जाती है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद कोई भी व्यक्ति पहले भारत या चीन की यात्रा करता है।

बलूचिस्तान में उत्पीड़न के खिलाफ ब्रिटेन ने खींचा दुनिया का ध्यान, यूनिसॉन सम्मेलन में उठा मुद्दा

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत में बिगड़ते हालात पर दुनिया में आवाज उठाने वाला पाकिस्तान अपने ही देश में लोगों को जबरन गायब करने और हत्याओं को लेकर वैश्विक आलोचना का शिकार होता जा रहा है। ताजा मामलों के तहत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा समेत कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में आयोजित सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र संघ (यूनिसॉन) ने एक कॉन्फ्रेंस में बलूचिस्तान के मानवाधिकारों के हालात पर सबका ध्यान खींचा।

16 जून से जारी इस वार्षिक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बलोच कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती गायब करने, बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों और बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के सदस्यों की हिरासत पर पाकिस्तान की आलोचना की। बलोच कार्यकर्ता ओमर करीम ने यह मुद्दा उठाया। कार्यक्रम में ब्रिटेन भर से आए करीब 1,000 प्रतिनिधियों और इतने ही ऑब्जर्वरों ने इन हालात को बेहद खतरनाक बताया। ब्रिटेन में जारी अभियान का मकसद दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना और जवाबदेही व न्याय के लिए समर्थन को बढ़ावा देना था। करीम ने दुनिया भर में ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक संगठनों और मानवाधिकार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए बलोच समुदाय के लोगों से आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और सिंध जैसे राज्यों में महिलाओं और बच्चों पर होने वाले उत्पीड़न की तरफ ध्यान खींचा गया।

क्वेटा जेल में बंद बीवाईसी नेताओं के प्रदर्शन पर अफसरों की निंदा : बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के हिरासत में लिए गए नेताओं ने क्वेटा की हुडा जेल में लगातार छठे दिन अपना धरना जारी रखा। वे एक ऐसी न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती दे रहे हैं जिसे वे अपारदर्शी मानते हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह विरोध अधिकारियों के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें खुली अदालत के बजाय फेसलेस ट्रायल (बिना आमने-सामने की सुनवाई) के जरिये अदालती कार्यवाही की जा रही है। जेल के भीतर इस विरोध प्रदर्शन में बीवाईसी की मुख्य आयोजक महरंग बलोच, बीबो बलोच, गुलजादी और कई अन्य लोग शामिल हैं। इन लोगों ने ट्रायल के इस नए तरीके को मानने से इन्कार कर दिया है।

क्यूबा पर हमले की चर्चा तेज, ट्रंप बोले- वहां की प्रॉपर्टी है शानदार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से अपने बयानों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई और बड़ी बहस छेड़ दी है। एक्सियोस को दिए एक खास इंटरव्यू में ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बहुत ही सख्त और कड़े सैन्य कदम उठाने के स्पष्ट संकेत पूरी दुनिया को दिए हैं। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला की तरह ही कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया कि यह बिल्कुल संभव है। उनके इस 'संभव है' वाले एक छोटे से बयान ने ही विश्व भर के बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों और कूटनीतिक हलकों में भारी खलबली मचाने का काम कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस अहम इंटरव्यू में वेनेजुएला और क्यूबा के बीच के एक बहुत ही बड़े और मुख्य अंतर को भी सभी के सामने स्पष्ट किया है। ट्रंप के मुताबिक वेनेजुएला के पास तेल का विशाल भंडार मौजूद है, जबकि क्यूबा के पास प्राकृतिक तेल का कोई भी बड़ा भंडार बिल्कुल नहीं है। ट्रंप ने विशेष रूप से यह भी जोर देकर कहा कि क्यूबा के पास बहुत ही खूबसूरत समुद्री तट और बेहतरीन प्रॉपर्टी हैं जो उसे खास बनाते हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में उनके इस संपत्ति वाले विवादित बयान को लेकर काफी लंबी और तीखी बहस भी अब पूरी तरह से शुरू हो चुकी है।

क्यूबा अमेरिका के बिल्कुल पड़ोस में : ट्रंप ने आगे अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया कि क्यूबा भौगोलिक दृष्टि से

अमेरिका के बहुत ही करीब स्थित है जबकि ईरान काफी दूर है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के नजदीक है और क्यूबा तो हमारे बिल्कुल पड़ोस में ही बसा हुआ एक बहुत अहम देश है। उनके इस नजदीकी वाले बयान को कई रक्षा विश्लेषक भविष्य में किसी संभावित बड़ी सैन्य कार्रवाई की ओर एक सीधा और बहुत स्पष्ट इशारा मान रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन और क्यूबा में बढ़ा तनाव : हाल के कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन और हवाना सरकार के बीच कूटनीतिक तनाव लगातार अपने चरम पर पहुंचता हुआ साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। कई रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने क्यूबा की गंभीर स्थिति को लेकर कुछ सख्त सैन्य विकल्पों पर भी बहुत गहराई से विचार किया है। हालांकि कुछ वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी कहा है कि फिलहाल क्यूबा पर किसी भी तत्काल सैन्य हमले की कोई ठोस योजना तैयार नहीं है।

मार्को रुबियो निभाएंगे अहम भूमिका : इस अहम इंटरव्यू में राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भी विशेष रूप से और बहुत ही प्रमुखता के साथ जिक्र किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रुबियो आने वाले समय में क्यूबा के इस पूरे संवेदनशील मामले में एक बहुत ही सक्रिय और अहम भूमिका निभाएंगे। ट्रंप ने यह बड़ा दावा भी किया है कि क्यूबा खुद आगे बढ़कर अमेरिका के साथ इस गंभीर मुद्दे पर शांतिपूर्वक बातचीत करना चाहता है।

क्यूबा सरकार का अमेरिका पर आरोप : ट्रंप प्रशासन पहले से ही क्यूबा पर अपना सख्त रुख अपनाता रहा है और हाल ही में हवाना सरकार पर कई कड़े प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। दूसरी ओर क्यूबा की सरकार लगातार यह गंभीर आरोप लगाती रही है कि अमेरिका आर्थिक दबाव डालकर उनके आंतरिक मामलों में भारी दखलंदाजी करना चाहता है। ट्रंप ने हालांकि किसी बड़ी कार्रवाई की कोई समयसीमा नहीं बताई है लेकिन उनके बयान ने स्पष्ट कर दिया है कि सारे विकल्प खुले हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.